नई दिल्ली | गुरूवार, 02 अप्रैल, 2026
चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष : 12, अंक : 86 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईपीएल 2026: रिजवी का तूफानी अर्धशतक...
@ विचार वैश्विक स्थिरता पर खतरे के बीच...
@ व्यापार 1 अप्रैल 2017 से पहले के निवेश के ट्रांसफर...

ईरान ने की युद्ध विराम की अपील

शर्त- होर्मुज खोलने पर ही विचार होगा : ट्रंप

एजेंसी ■ तेहरान

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान से संघर्ष विराम को लेकर बड़ा दावा किया है। 'नए शासन के राष्ट्रपति' की गुजारिश और 'सीजफायर' की शर्त को लेकर एक बार फिर अपने ट्रुथ सोशल पर बयान दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, ' पूर्व राष्ट्रपति से कम कट्टर और कहीं ज्यादा समझदार ईरान के नए शासन (न्यू रिजिम) के राष्ट्रपति ने अभी-अभी संयुक्त राज्य अमेरिका से संघर्ष विराम के लिए कहा है!

ट्रंप ने अपने चिर परिचित अंदाज में शर्त की बात करते हुए आगे लिखा, इस बारे में हम तब सोचेंगे जब होर्मुज स्ट्रेट खोला जाएगा, वो ज्यादा सुरक्षित होगा। तब तक हमारी ईरान पर सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी और तबाह होते रहेंगे।

जैसा कि वे कहते भी हैं, वापस स्टोन एज में ले जा रहे हैं! अमेरिकी राष्ट्रपति की पोस्ट से ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि वो किस 'न्यू रिजिम' की बात कर रहे हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, कुछ अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने दावा किया था कि ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गलिबाफ के साथ अमेरिका बातचीत कर रहा है, हालांकि उन्हें प्रेसिडेंट नहीं बनाया गया है।बुधवार को, ईरान के मौजूदा राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन (2024 से इस पद पर हैं) ने कहा कि ईरान सीजफायर मानने को तैयार है। पेज नं -2

दो जहाज, 94000 हजार टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचें

मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। यूएसए से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर आए दो टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार करके सुरक्षित रूप से भारत पहुंच गए हैं। पहला टैंकर 31 मार्च को मुंबई पहुंचा। यह जहाज UAE के रास अल खैमाह से चला था और करीब 6 दिन में भारत पहुंचा। दूसरा टैंकर 1 अप्रैल को न्यू मैंगलोर के पास पहुंचा।

इन दोनों जहाजों में करीब 94,000 टन एलपीजी और 50 से ज्यादा भारतीय नाविक भी मौजूद थे। सरकार के मुताबिक, अब तक 8 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके हैं।

संक्षिप्त खबर

नए वित्त वर्ष के साथ शेयर बाजार ने की शानदार वापसी; सेंसेक्स 1,186 अंक बढ़ा

मुंबई। नए वित्त वर्ष 27 के साथ भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार को शानदार वापसी की। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक या 1.65 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 73,134.32 और निफ्टी 348 अंक या 1.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,679.40 पर बंद हुआ।

बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। निफ्टी इंडिया डिफेंस 5.32 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 3.70 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 3.69 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 2.46 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 2.13 प्रतिशत, निफ्टी आईटी 2.09 प्रतिशत, निफ्टी कंजप्शन 2.04 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो 1.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी फार्मा 0.99 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में जोरदार तेजी देखने को मिली। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 506 अंक या 3.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 15,709.80 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,169.15 अंक या 2.22 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 53,819.15 पर बंद हुआ।

सीबीआई ने 3750 करोड़ के एलआईसी घोटाले में अनिल अंबानी पर केस दर्ज किया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय जीवन बीमा निगम को 3,750 करोड़ रुपए का गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया।

यह मामला भारतीय जीवन बीमा निगम की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है, जिसमें साजिश, धोखाधड़ी, गबन और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं। पेज नं -2

पश्चिम एशिया संकट

लोगों की आवश्यकता बनाए रखने जरूरी कदम उठाए- पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 7 लोक कल्याण मार्ग पर कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की एक विशेष बैठक की, जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच विभिन्न मंत्रालयों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। यह इस मुद्दे पर दूसरी विशेष बैठक थी।

कैबिनेट सचिव ने बताया कि पेट्रोलियम उत्पादों, खासकर एलपीजी और एलएनजी की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। एलपीजी और एलएनजी अब अलग-अलग देशों से मंगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी के दाम अभी स्थिर हैं और कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए नियमित कार्रवाई की जा रही है। पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। गर्मियों में बिजली की कमी न हो, इसके लिए गैस आधारित बिजली संयंत्रों को कुछ छूट दी गई है और थर्मल पावर स्टेशनों तक ज्यादा कोयला पहुंचाने के लिए कदम उठाए गए हैं। कृषि, नागरिक उड्डयन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे अन्य क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों से निपटने के उपायों पर भी चर्चा हुई। खाद की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यूरिया उत्पादन जारी रखा जा रहा है और डीएपी/एनपीके खाद के लिए विदेशों से समन्वय किया जा रहा है।

डिजिटल जनगणना 2027 का पहला चरण शुरू

पीएम मोदी ने स्वयं दर्ज किया अपना विवरण

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को जनगणना 2027 के लिए अपना स्व-गणना कार्य पूरा कर लिया, जिसके साथ ही भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना प्रक्रिया के पहले चरण की शुरुआत हो गई। इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि मैंने अपनी स्व-गणना पूरी कर ली है। आज जनगणना 2027 के पहले चरण की शुरुआत हो रही है, जो मकानों की सूची बनाने और आवास संबंधी कार्यों से जुड़ा है।

यह पहली बार है जब जनगणना के लिए डेटा संग्रह डिजिटल माध्यमों से किया जा रहा है। यह भारत के लोगों को अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करने का अधिकार भी देता है।

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा कि मैं भारत के लोगों से अपील करता हूं कि वे अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करें और जनगणना की प्रक्रिया में भाग लें। दरअसल, यह कवायद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जनगणना 2027 भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना होगी। पेज नं -2

ईरान ने बहरीन में अमेजन ऑफिस पर हमला किया

माइक्रोसॉफ्ट-एपल, गूगल भी निशाने पर

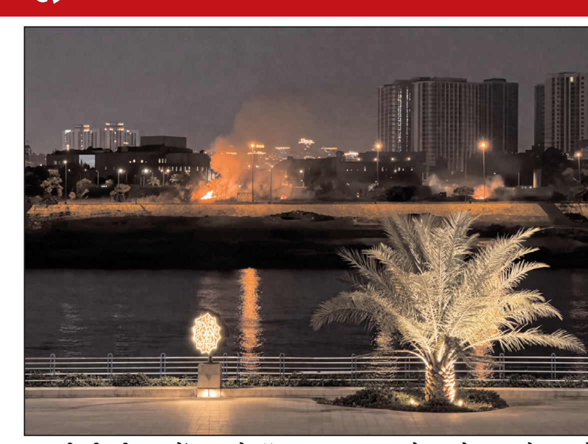

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान ने बहरीन में बुधवार को अमेरिकी कंपनी अमेजन वेब सर्विस के एक डेटा सेंटर पर हमला किया। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, हमले के बाद उस जगह पर आग लग गई।

इससे पहले बहरीन के गृह मंत्रालय ने भी बताया था कि एक कंपनी की इमारत में आग लगी है, जिसे फायर ब्रिगेड की टीम बुझा रही थी। हालांकि उस समय कंपनी का नाम नहीं बताया गया था।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब एक दिन पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने मिडिल ईस्ट में काम कर रही 18 अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाने की धमकी दी थी। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, एपल, गूगल, मेटा जैसी कंपनियां शामिल हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते (डील) की जरूरत नहीं है। अमेरिका यह युद्ध 2 से 3 हफ्तों में खत्म कर सकता है।

जंग से मिडिल ईस्ट को ?18 लाख करोड़ का नुकसान

यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम ने कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहा युद्ध पूरे इलाके की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

उनकी रिपोर्ट के मुताबिक यह संघर्ष अब सिर्फ कुछ देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा संकट बन गया है।

'जहां कभी नक्सलवाद का था बोलबाला, वहां अब खेलो का हो रहा उदय'

संवाददाता ■ रायपुर

युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026' के दौरान बुधवार को रायपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यहां के माहौल को ऊर्जा, आशा और बदलाव से भरपूर बताया। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) टीम के प्रयासों की सराहना की और कहा कि एथलीटों, स्थानीय समुदाय और इस क्षेत्र के लोगों की ओर से मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है।

देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 2,500 से ज्यादा एथलीट अलग-अलग खेलों में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में हिस्सा ले रहे हैं। खडसे ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026,

केंद्र सरकार की उस प्रतिबद्धता को दिखाता है जिसके तहत आदिवासी युवाओं को अपना भविष्य बनाने के लिए एक मंच दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह खेल एक नई उम्मीद हैं और यह संकेत कि उनकी काबिलियत को पहचाना जा रहा है और उस पर सबसे ऊंचे स्तर पर निवेश किया जा रहा है।

युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री ने कहा, '' एक समय था जब छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के लिए जाना जाता था, और यहां के लोगों को एक पिछड़ा समुदाय माना जाता था। आज, मुझे लगता है कि इस क्षेत्र के लिए एक नई दिशा खुल रही है। नक्सलवाद का खात्मा हो चुका है और खेल के माध्यम से, इस धरती के युवा अब अपनी ऊर्जा और क्षमता को सामने ला सकते हैं और देश के लिए खेल सकते हैं।

खेल राज्य मंत्री ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 को एक ऐतिहासिक पहल बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री ाी नरेंद्र मोदी के विजन, गृह मंत्री अमित शाह (जिन्होंने पूरे देश से नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा की है), कैबिनेट मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और पूरी साई टीम को दिया। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि इन खेलों में हिस्सा लेने वाले कई एथलीट आगे चलकर ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और पदक जीतेंगे। युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, रक्षा खडसे ने 'अस्मिता लीग' के परिवर्तनकारी प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। इस लीग को 2021 में प्रधानमंत्री मोदी के उस विज़न के तहत शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत की महिलाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों में लाना और उन्हें एक पहचान व अवसर प्रदान करना है। पेज नं -2

कुवैत ने भेजे 20 भारतीयों के शव, एयरपोर्ट में रहा गमगीन माहौल

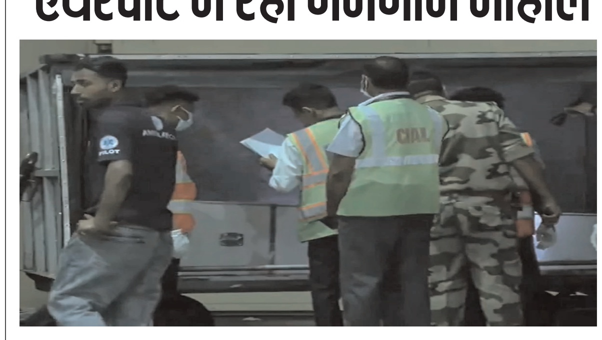

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सीआईएल अधिकारियों ने बताया कि शवों को कुवैत से कोलंबो होते हुए एक विशेष विमान से कोची लाया गया। सीआईएल के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शवों को सौंपने से पहले की सभी औपचारिकताएं पूरी की।

31 मार्च की रात एक विमान भारत पहुंचा जिसमें 20 भारतीयों के ताबूत थे। यह उन लोगों के शव थे जो कुवैत में अलग-अलग परिस्थितियों में मारे गए। कम से कम 20 लोगों के शव मंगलवार को एक स्पेशल विमान से कोच्ची पहुंचे। शवों को लेकर कुवैत एयरवेज का विमान रात करीब 10:40 पर सीआईएल पर उतरा। हवाई अड्डा के अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण विमान सेवाओं में आई रुकावटों की वजह से इन शवों को पहले घर नहीं लाया जा सका था। अधिकारियों ने बताया, पिछले कुछ दिनों में कुवैत में मारे गए और केरल तथा तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों के रहने वाले लोगों के शव मंगलवार रात को एक ही विमान से कोची लाए गए।

राज्यसभा में सीएपीएफ विधेयक 2026 पारित, विपक्ष ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पारित हो गया। वहीं, विपक्ष ने विधेयक को सिलेक्ट कमेटी के पास भेजने की मांग की और सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले सदन में विधेयक पर हुई चर्चा व विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि यह विधेयक संघीय ढांचे और संविधान की भावना के विरुद्ध नहीं है। यह संघीय ढांचे को और मजबूत करता है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल राज्यों में पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय में कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक मुख्यत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के ग्रुप ए अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों के नियमन से संबंधित है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के वित्तीय लाभों की निरंतरता को लेकर कई प्रश्न उठाए गए हैं। गृह राज्य मंत्री ने कहा, ''चर्चा के दौरान अनेक सदस्यों ने इस विधेयक से संबंधित कुछ असंगतियां और प्रश्न उठाए हैं। सबसे पहले यह कहा गया कि यह विधेयक संघीय ढांचे और संविधान की भावना के विरुद्ध है।

उन्होंने कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बिल्कुल सही नहीं है। वास्तव में यह विधेयक संघीय ढांचे को और मजबूत करता है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विभिन्न राज्यों में राज्य पुलिस और प्रशासन के साथ निकट समन्वय में कार्य करते हैं। ऐसे में विभिन्न राज्यों में कार्य करने का अनुभव रखने वाले अधिकारियों की उपस्थिति से केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होता है, जिससे आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन में एक समन्वित राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित होता है।

कुछ सदस्यों ने यह भी आशंका व्यक्त की कि इस विधेयक के माध्यम से अत्यधिक शक्तियां प्रदान की जा रही हैं और यह अत्यधिक प्रत्यायोजन का उदाहरण है। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि वह यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि विधेयक में दिए गए प्रावधान एक स्थापित विधायी तकनीक का हिस्सा हैं, जो व्यापक रूप से स्वीकार्य और प्रचलित है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक विषयों में स्पष्टता और सुसंगतता सुनिश्चित करना है। चर्चा में यह भी कहा गया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के अधिकारियों के प्रमोशन में ठहराव आएगा। इस पर गृह राज्यमंत्री का कहना था कि वह स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ग्रुप ए जनरल ड्यूटी अधिकारियों को सामान्यत सेवा अवधि में चार पदोन्नतियां प्राप्त होती हैं। आयु के आधार पर कई अधिकारियों को पांचवी पदोन्नति का अवसर भी मिलता है। विभागीय पदोन्नति समितियों का नियमित आयोजन किया जाता है, जिससे समय पर पदोन्नति सुनिश्चित होती है।

छत्तीसगढ़ में फ़िल्म निर्माण पर और तेज़ी लाने रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल सक्रिय

नई दिल्ली । रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल छत्तीसगढ़ में फ़िल्मों के निर्माण में और तेज़ी लाने के लिए केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव से जल्द मिलेंगे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार हाल के वर्षों में छत्तीसगढ़ में न्यूटन, जहानाबाद, कौन प्रवीण तांबे, द ग्रेट इंडियन मर्डर, और ग्राम चिकित्सालय जैसी फिल्मों एवं वेब सीरीज़ की शूटिंग हो चुकी है, जिससे राज्य में वाणिज्यिक फिल्म निर्माण की व्यापक संभावनाएं और स्पष्ट होती है। लिहाज़ा छत्तीसगढ़ में फिल्मों के निर्माण के लिए और बेहतर ढंग से उचित कदम उठाए जा सकते हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आगे बताया कि इसी दिशा में केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री से मिलकर आगे की योजनाओं पर और बेहतर ढंग से कार्य करने पर बातचीत की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में राजधानी रायपुर के नवा रायपुर में चित्रोत्पला फ़िल्म सिटी परियोजना का भूमि पूजन किया गया है, जो पर्यटन मंडल के साथ 100 एकड़ में बनेगी। चित्रोत्पला फिल्म सिटी के लिए केंद्र सरकार से 147 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है, जबकि कुल परियोजना में 300 करोड़ से अधिक का निजी निवेश संभावित है।

यहां फ़िल्म निर्माण के लिए अत्याधुनिक शूटिंग फ्लोर, पोस्ट-प्रोडक्शन स्टूडियो, सांस्कृतिक केंद्र, और पर्यटकों के लिए होटल व स्नो वर्ल्ड भी विकसित किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण तेजी से बढ़ रहा है और अब यह उद्योग बड़े बजट की फिल्मों की ओर बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ी फिल्मों का बजट अब 50 लाख से 1-2 करोड़ रुपये से अधिक तक हो गया है।

डिब्रूगढ़ के एक चाय बागान में बोले मोदी- 'मैं भी चाय वाला हूं', आपकी मेहनत मेरे गांव तक पहुंची

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ समय निकालकर डिब्रूगढ़ स्थित एक चाय बागान पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ समय बागान में काम कर रही महिलाओं के साथ बिताया और उनसे कहा, 'आपकी मेहनत मेरे गांव तक पहुंची है। क्या आपको मालूम है कि मैं भी चाय वाला हूं और बचपन में मैं भी चाय बेचता था।

पीएम मोदी को अपने बीच पाकर बागान में कार्यरत महिलाएं काफी खुश दिखाई दीं। इस दौरान कुछ महिलाओं ने पीएम मोदी के साथ सेल्फी भी ली। पीएम मोदी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि आप लोग तो अब अच्छे फोटोग्राफर भी हैं। पीएम के इस अंदाज पर महिलाओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पांच मिनट का वीडियो शेयर किया। पीएम ने लिखा कि बुधवार सुबह डिब्रूगढ़ के एक चाय बागान में मुझे चाय बागान परिवारों की संस्कृति की झलक देखने को मिली। असम की प्रगति में उनका योगदान बेमिसाल है।

पीएम मोदी ने पोस्ट में आगे लिखा कि डिब्रूगढ़ के चाय बागान में महिलाओं ने एक गीत गाया, जो 'जगत जननी मां' को नमन करता है। यह सचमुच अद्भुत है कि वे अपनी संस्कृति और अपनी जड़ों से किस कदर जुड़ी हुई हैं। हमें चाय बागान के हर एक परिवार के प्रयासों पर बहुत गर्व है। उनकी कड़ी मेहनत और लगन ने असम का गौरव बढ़ाया है। यहां डिब्रूगढ़ के एक चाय बागान की कुछ और झलकियां हैं। चाय असम की आत्मा है और यहां की चाय ने पूरी दुनिया में अपनी जगह बनाई है।

बुधवार सुबह डिब्रूगढ़ में मैं एक चाय बागान में गया और वहाँ काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। यह एक बहुत ही यादगार अनुभव था।

चाय बागान में पीएम मोदी ने इस दौरान कार्यरत महिलाओं से उनके परिवार का हालचाल भी लिया। पीएम मोदी को महिलाओं ने बताया कि बच्चे स्कूल जाते हैं, एक महिला ने बताया कि उनका बच्चा ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर चुका है, दूसरी महिला ने कहा कि उनका बच्चा खेलकूद में अपना भविष्य देख रहा है और गांव के मैदान में फुटबॉल खेलता है, इस पर पीएम मोदी ने कहा कि यह तो बहुत अच्छी बात है।

कर्नाटक सरकार ने छात्रों के लिए जिम्मेदार डिजिटल उपयोग नीति जारी की, अत्यधिक स्क्रीन टाइम पर लगाम लगाने का फैसला

बेंगलुरु । कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एक मसौदा नीति की घोषणा की, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच जिम्मेदार डिजिटल उपयोग को बढ़ावा देना है। यह नीति अत्यधिक स्क्रीन टाइम और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं को दूर करने पर केंद्रित है।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, 'स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (एनआईएमएचएएनएस) (बेंगलुरु में) और अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से 'छात्रों के बीच जिम्मेदार डिजिटल उपयोग' नीति तैयार की है। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों के बीच डिजिटल तकनीक के असुरक्षित और अत्यधिक उपयोग से पैदा होने वाली समस्याओं से निपटना है।

मसौदे के अनुसार, लगभग हर चार में से एक किशोर में इंटरनेट के समस्याग्रस्त उपयोग के लक्षण दिखाई देते हैं।

यह नीति बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं जैसे कि चिंता, नींद में गड़बड़ी, खराब शैक्षणिक प्रदर्शन और अत्यधिक स्क्रीन के संपर्क में रहने से जुड़े सामाजिक अलगाव को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि यह साइबरबुलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग और डिजिटल शोषण के बढ़ते जोखिमों पर भी प्रकाश डालती है।

उन्होंने बताया, 'इस नीति का मुख्य उद्देश्य एक व्यवस्थित, स्कूल-आधारित ढांचे के माध्यम से डिजिटल भलाई, भावनात्मक लचीलापन और जिम्मेदार प्रौद्योगिकी उपयोग को बढ़ावा देना है। यह एक निवारक दृष्टिकोण का प्रस्ताव करती है जो डिजिटल लत और संबंधित मुद्दों की शीघ्र पहचान और प्रबंधन पर केंद्रित है।

इस नीति के तहत, डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और साइबर सुरक्षा को स्कूली व्यवस्था में एकीकृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रभावी कार्यान्वयन के लिए स्कूलों, शिक्षकों, अभिभावकों, छात्रों और सरकारी एजेंसियों को शामिल करते हुए एक बहु-हितधारक मॉडल का प्रस्ताव किया गया है।

गुंडू राव ने कहा कि मुख्य निर्देशों में, राज्य सरकार स्कूलों के लिए दिशानिर्देश पेश करने, स्वस्थ प्रौद्योगिकी उपयोग पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने और छात्रों की डिजिटल आदतों के संबंध में अभिभावकों के साथ संचार को मजबूत करने की योजना बना रही है।

यूपीआई से मार्च में हुए रिकॉर्ड 22.64 अरब लेनदेन : एनपीसीआई

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से मार्च में रिकॉर्ड 22.64 अरब लेनदेन हुए हैं। यह किसी एक महीने में यूपीआई से हुए लेनदेन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। लेनदेन की मात्रा में सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह जानकारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से बुधवार को दी गई।

इससे पहले फरवरी 20.39 अरब लेनदेन हुए थे। वहीं, जनवरी में यूपीआई से 21.70 अरब लेनदेन हुए थे।

मार्च में लेनदेन की वैल्यू में भी सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान यूपीआई से कुल 29.53 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। फरवरी में यह आंकड़ा 26.84 लाख करोड़ रुपए था। जनवरी में यूपीआई से हुए कुल लेनदेन की वैल्यू 28.33 लाख करोड़ रुपए थी।

दैनिक लेनदेन की औसत संख्या में मार्च में मामूली वृद्धि दर्ज की गई और यह फरवरी के 728 मिलियन की तुलना में बढ़कर 730 मिलियन हो गई।

हालांकि, दैनिक लेनदेन का औसत मूल्य पिछले महीने के 95,865 करोड़ रुपए से थोड़ा घटकर 95,243 करोड़ रुपए रह गया।

यूपीआई ऐप्स में, फरवरी में लेनदेन की मात्रा के हिसाब से 45.5 प्रतिशत के साथ फोनपे का दबदबा रहा। गूगल पे लगभग 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पेटीएम लगभग 7 से 8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

यूपीआई अब संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित आठ से अधिक देशों में सक्रिय है, जिससे भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी देश के रूप में उभर रहा है। यूपीआई की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति से प्रेषण में वृद्धि हो रही है, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है और वैश्विक फिनटेक परिदृश्य में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है।

भारत के वित्त मंत्रालय द्वारा कराए गए एक स्वतंत्र अध्ययन के अनुसार, यूपीआई भुगतान का सबसे पसंदीदा माध्यम बनकर उभरा है, जो भारत में कुल भुगतान लेनदेन का 57 प्रतिशत है, और नकद लेनदेन (38 प्रतिशत) से कहीं अधिक है। इसका मुख्य कारण उपयोग में आसानी और तेज धन हस्तांतरण की क्षमता है।

शेष पेज - 01

नए वित्त वर्ष के साथ शेयर बाजार ने की शानदार वापसी; सेंसेक्स 1,186 अंक बढ़ा...

शेयर बाजार की तेजी के चलते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप 10 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 422 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 412 लाख करोड़ रुपए था।

सेंसेक्स पैक में 30 में 25 शेयर हरे निशान में बंद हुए।

ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, बीईएल, एसबीआई, इंटरनल, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, टाइटन, एशियन पेंट्स, एमएंडएम,बजाज फाइनेंस, टीसीएस, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और आईटीसी गेनर्स थे। एनटीपीसी, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल लूजर्स थे।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों ने नए वित्तीय वर्ष की सकारात्मक शुरुआत की। इसकी वजह मध्य पूर्व संघर्ष में संभावित कमी और ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान कम होने की उम्मीदें थीं।

उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के बयान , जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका अगले दो से तीन हफ्तों के भीतर ईरान से 'समझौते के साथ या बिना' पीछे हट सकता है। इसने बाजारों में जोश भरने का काम किया।

सीबीआई ने 3750 करोड़ के एलआईसी घोटाले में अनिल अंबानी पर केस दर्ज किया ...

आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उसके प्रबंधन ने कंपनी की वित्तीय स्थिति, सुरक्षा और संपत्तियों के बारे में गलत जानकारी देकर एलआईसी को 4,500 करोड़ रुपए के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स में निवेश करने के लिए धोखे से तैयार किया।

एलआईसी ने बीडीओ इंडिया एलएलपी द्वारा 15 अक्टूबर 2020 को किए गए एक फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर यह शिकायत दर्ज की है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि आरकॉम और उसके प्रबंधन ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से जुटाई गई धनराशि का दुरुपयोग किया, सहायक कंपनियों के माध्यम से धनराशि का हस्तांतरण किया, बिक्री चालान वित्तपोषण का दुरुपयोग किया, फर्जी बिलों को भुगतान किया, अंतर-कंपनी जमा और शेल संस्थाओं के माध्यम से व्यवस्थित रूप से धनराशि का गबन किया, फर्जी देनदारों और प्राप्तियों का निर्माण और उन्हें बट्टे खाते में डाला और सुरक्षा का अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया। प्रभार और परिसंपत्तियों में विसंगति पाई गई।

इससे पहले भी सीबीआई रिलायंस कम्युनिकेशंस, अनिल अंबानी और अन्य लोगों के खिलाफ कई मामलों में कार्रवाई कर चुकी है, जिनमें बैंकों के साथ धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं।

अनिल अंबानी से दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में 2,929.05 करोड़ रुपए के एसबीआई धोखाधड़ी मामले में लगातार दो दिन पूछताछ भी की गई थी।

यह मामला 21 अगस्त 2025 को एसबीआई की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिसमें कंपनी और उसके प्रबंधन पर 2013 से 2017 के बीच लोन की रकम को गलत तरीके से इस्तेमाल करने और उसे विभिन्न कंपनियों के बीच घुमाने का आरोप है।

एसबीआई इस मामले में 11 बैंकों के समूह का प्रमुख बैंक था, जिसमें बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, सिंडिकेट बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स जैसे बैंक शामिल थे। जांच में सामने आया कि कुल 19,694.33 करोड़ रुपए के लोन में से 2,929.05 करोड़ रुपए का नुकसान एसबीआई को हुआ।

मामला दर्ज होने के बाद पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक, यूको बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ओर से भी अलग-अलग शिकायतें मिलीं।

इसके अलावा, 25 फरवरी को बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत पर भी रिलायंस कम्युनिकेशंस, अनिल अंबानी और अन्य लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया, जिसमें देना बैंक और विजया बैंक का भी एक्सपोजर शामिल है।

टेक कंपनी ओरेकल ने 30 हजार कर्मचारी निकाले ...

इसलिए आज आपका आखिरी कार्य दिवस है।

हम आपके योगदान, मेहनत और काम के लिए धन्यवाद देते हैं। टर्मिनेशन से जुड़े दस्तावेज साइन करने के बाद आप सेवरेंस पैकेज (नौकरी खत्म होने पर मिलने वाला भुगतान) पाने के पात्र होंगे, जो कंपनी की शर्तों के अनुसार होगा। इसके बारे में आपको आपके ओरेकल ईमेल पर ष्ठशह्लस्द्बद्दठ्ठ के जरिए जानकारी मिलेगी।

आगे की जरूरी जानकारी, स्न्नक्त और दस्तावेज पाने के लिए आपको अपना पर्सनल ईमेल एड्रेस देना होगा। कृपया तुरंत अपना पर्सनल ईमेल सबमिट करें।

अगर कोई गलती हो जाए तो नया फॉर्म भर सकते हैं। यह ईमेल केवल सेपरेशन और सेवरेंस से जुड़ी जानकारी के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

जल्द ही आपके कंप्यूटर, ईमेल, वॉइसमेल और फाइल्स का एक्सेस बंद कर दिया जाएगा और आप सिस्टम में लॉगिन नहीं कर पाएंगे। ध्यान रहे कि आप कंपनी की कोई भी गोपनीय जानकारी डाउनलोड, कॉपी या अपने पास नहीं रख सकते।

हमारे संगठन में आपके योगदान के लिए धन्यवाद। अगर कोई सवाल हो तो ।क्र टीम से संपर्क करें।

'जहां कभी नक्सलवाद का था बोलबाला, वहां अब खेलो का हो रहा उदय'...

युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री, रक्षा खडसे ने कहा, '' खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में, नतीजे ज़बरदस्त रहे हैं। हॉकी, वेटलिफ्टिंग और फुटबॉल में हिस्सा लेने वाली लगभग 60 से 70 प्रतिशत लड़कियां 'अस्मिता लीग' खेल चुकी हैं और पदक जीत चुकी हैं। इनमें अंजली मुंडा जैसी बेहतरीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। तैराकी में जीते गए सभी पांचों स्वर्ण पदक भी 'अस्मिता लीग' की खिलाड़ियों ने ही हासिल किए हैं। उन्होंने कहा, '' हमारा प्रयास जारी है कि हम 'अस्मिता लीग' को और भी निचले स्तर तक यानी के गांवों तक ले जाएं ताकि खेलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ती रहे।''

ईरान ने किया युद्ध विराम का अनुरोध...

लेकिन सिर्फ तभी जब उसे सुरक्षा की गारंटी मिले। पोस्ट से यह भी पता चलता है कि ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अपना रुख फिर से बदल लिया है।

पिछले हफ्ते, उन्होंने धमकी दी थी कि अगर तेहरान ने सभी जहाजों को स्ट्रेट से सुरक्षित निकलने की इजाजत नहीं दी तो वह ईरान की एनर्जी साइट्स पर बमबारी करेंगे।

हालांकि, मंगलवार को, उन्होंने कई बार इशारा किया कि यूएस इस मुद्दे के हल हुए बिना ही युद्ध खत्म करने के लिए तैयार है और दूसरे देशों को आगे आकर इस मुद्दे को सुलझाने की सलाह देता है।

डिजिटल जनगणना 2027 का पहला चरण शुरू...

जो वर्षों से चली आ रही पारंपरिक कागज-आधारित प्रणाली से हटकर होगी। इसे जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत दो चरणों में संचालित किया जा रहा है।

पहला चरण हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना (एचएलओ)—33 अधिसूचित प्रश्नों के माध्यम से आवास की स्थितियों, संपत्तियों, सुविधाओं और घरेलू विवरणों से संबंधित डेटा एकत्र करने पर केंद्रित है।

इसकी एक खास बात 'स्व-गणना' की शुरुआत है। इसके तहत नागरिक एक खास पोर्टल के जरिए अपनी घर-परिवार की जानकारी अपनी मर्जी से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। यह 15 दिनों की समय-सीमा हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में घर-घर जाकर की जाने वाली जनगणना से पहले आती है। इसका मकसद सटीकता बढ़ाना, गलतियां कम करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

यह पोर्टल कई भाषाओं को सपोर्ट करता है, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी और 14 क्षेत्रीय भाषाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की भागीदारी और अपील को डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने और व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

बर्खास्त पुलिसकर्मी ने पत्नी-बेटी की बेरहमी से की हत्या, थाने पहुंचकर किया सरेंडर

रायपुर । रायपुर में एक बर्खास्त पुलिसकर्मी ने पत्नी और बेटी को कुल्हाड़ी से काट डाला। घटना बुधवार सुबह 7 बजे की है। आरोपी गुलाब साहू ने पहले पत्नी लता साहू पर कुल्हाड़ी से हमला किया, फिर बेटी चित्रा साहू (22) को मारा।

मामला विधानसभा थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव का है। वारदात के बाद आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर सरेंडर किया और पुलिस से कहा कि मेरी पत्नी का किराएदार से अफेयर था, मां बेटी दोनों के टॉर्चर से परेशान होकर उसने हत्या की।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी को पूर्व में अनुशासनहीनता के कारण सेवा से बर्खास्त किया जा चुका था। पुलिस हिरासत में आरोपी गुलाब साहू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि किराएदार ने घर गाड़ी पैसा का लालच देकर मेरी पत्नी का ब्रेनवॉश कर दिया था। वह कहता था कि बेटी को गोद ले लूंगी फिर हम ऐश करेंगे। मुझे निकालने की बात कहता था। उसकी बात में

आकर मां बेटी मुझे घर से निकलने कहती थी। जब हर समय टॉर्चर करने लगे तो मुझसे सहन नहीं हुआ इसलिए दोनों की हत्या कर दी। मैं 2 साल पहले बिलासपुर में पुलिस में नौकरी में था, ट्रेनिंग करके छोड़ दिया था, फिर मार्केटिंग लाइन में आ गया था।

4 साल पहले की थी दूसरी शादी

पुलिस ने बताया कि लता साहू ने लगभग 4 साल साल पहले गुलाब साहू से दूसरी शादी की थी। चित्रा, लता की पहली शादी से बेटी थी। मर्डर की सूचना पड़ोसियों ने थाने में दी थी।

प्रेमी लड़के ने प्रेमिका की हत्या की

बिलासपुर । बिलासपुर में बॉयफ्रेंड ने 14 साल की गर्लफ्रेंड को चलती ट्रेन से धक्का देकर मार डाला। नाबालिग 8वीं में पढ़ती थी। उसका मोहन वर्मा (27) से अफेयर था, इस दौरान कई बार उनके बीच शारीरिक संबंध बने। जब नाबालिग प्रेग्नेंट हुई तो आरोपी ने मेडिसिन देकर अबॉर्शन भी कराया था।

मामला खैरागढ़ थाना क्षेत्र का है। छात्रा युवक के साथ रहने की जिद करने लगी थी, इससे परेशान बॉयफ्रेंड ने दोस्तों संग मिलकर उसे मारने की प्लानिंग की। 28 मार्च को उसे घर से भगा ले गया। पहले डोंगरगढ़ ले जाकर उसे खूब समझाया। नहीं मानी तो ट्रेन से बिलासपुर ले जाते समय बीच रास्ते में ही उसे फेंक दिया। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बुजुर्ग दंपति की हत्या, संपत्ति विवाद की आशंका

जांजगीर-चांपा । जांजगीर-चांपा जिले के खपरी गांव में एक बुजुर्ग दंपति की हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, संताराम साहू (65) और उनकी पत्नी श्यामा बाई साहू (60) के शव बुधवार सुबह उनके घर के एक कमरे में खून से लथपथ हालत में मिले। यह घर मुलमुला थाना क्षेत्र के खपरी गांव में स्थित है।

अधिकारी ने बताया कि दंपति मंगलवार रात रोज की तरह सोने गए थे।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में लूटपाट की आशंका नहीं जताई गई है, क्योंकि घर में रखी नकदी और सोने के आभूषण सुरक्षित पाए गए। पुलिस को संदेह है कि यह हत्या संपत्ति विवाद या व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण हो सकती है।

बस्तर की वादियों से किसे मिली आजादी

विशेष टिप्पणी

आरपी दुबे । छत्तीसगढ़ का बस्तर क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुदंरता, घने जगंलों और आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाता है। यहां की हरियाली केवल पर्यावरणीय धरोहर नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की आजीविका, संस्कृति और पहचान का आधार है। लेकिन आज बस्तर एक अलग तरह की चर्चा में है- सोशल मीडियाय में वायरल हो रहे वीडियों और उनके जरिए प्रस्तुत की जा रही छवि। सवाल यह उठता है कि इन हरियालियों और वादियों से आखिर किसे मुक्ति मिल रही है। स्थानीय लोगों को या केवल दर्शकों को एक

क्षणिक का मनोरंजन

बस्तर की हरियाली को अक्सर पर्यटन और विकास के नाम पर दिखाया जाता है। वीडियों में हरे भरे जगंल, झरने व पारंपरिक जीवन शैली को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

इससे बाहरी दुनिया को बस्तर का एक सुदर और शांत चेहरा देखने को मिलता है। लेकिन यह आधी सच्चाई है। इन वीडियों में अक्सर उन चुनौतियों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। जिनसे स्थानीय लोग जुड़े रहे है। जैसे गरीबी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा कभी कभी सुरक्षा की समस्याएं।

सोशल मीडिया के इस दौर में वादियों और हरियाली माध्यम बन गया है। यह जनमत को प्रभावित करता है और किसी क्षेत्र की छवि को गढ़ने में अहम भूमिका निभाता है। बस्तर के संदर्भ में, ये बादियां एक ओर पर्यटन को बढ़ावा देते है। दूसरी ओर रोमांटिकाइजेशन भी करते है। जिससे वास्तविक समस्याएं पीछे छूट जाती है। इससे बाहरी लोग तो बस्तर को एक स्वर्ग की तरह देखने लगते है। लेकिन स्थानीय लोगों के जीवन में कोई ठोस बदलाब नहीं आता यह भी देखा गया है कि कई बार वादियों को बनाने के नाम पर स्थानीय संस्कृति का व्यावासायीकरण किया जाता है। आदिवासी परंपराओं और जीवनशैली को बिना उनकी सहमति या सही प्रतिनिधित्व के प्रस्तुत कियाजाता है इससे उनकी अस्मिता पर भी प्रश्न उठते है ऐसे में यह जरूरी है कि बस्तर की छवि को संतुलित और संबेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया जाए आवश्यकता इस बात की है कि बस्तर को केवल एक दृश्य के रूप में न देखा जाए, बल्कि बस्तर को वहां के लोगों की आवाज की भी सुना जाए। विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य अधिकारों पर भी ध्यान देना ही सच्ची मुक्ति का मार्ग है। हरियाली और वादियों में तभी सार्थकय होंगे जचवे बस्तर के लोगों के जीवनमें वास्तविक सुधार ला सके।

मोबाइल टूटा तो दोस्त की कर दी हत्या घर में दफनाई लाश

अंबिकापुर। भगवानपुर इलाके में मोबाइल टूटने से गुस्साए युवक ने दोस्त की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने पत्नी के साथ मिलकर शव को घर में पहले से खोदे गए गड्ढे में दफना दिया। अब एक सप्ताह बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर सरेंडर किया है।

आरोपी ने बताया कि, उसे दोस्त का भूत दिखता है। रात को सोते समय दोस्त आत्मा के रूप में आकर कहता है कि, मेरी हत्या कर दी है, लेकिन मेरे शरीर का अंतिम संस्कार करा दो। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है।

सीएसपी राहुल बंसल ने बताया कि 24-25 मार्च की रात बृजलाल अगरिया (35) शराब के नशे में मिथलेश कुजूर (37) के घर आया था। बृजलाल ने मिथलेश को शराब पीने के लिए कहा। नवरात्रि के कारण मिथलेश ने शराब पीने से मना कर दिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान झूमाझटकी में मिथलेश का मोबाइल गिरकर टूट गया।

मोबाइल टूटने से गुस्साए मिथलेश ने डंडे से बृजलाल के सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बृजलाल की मौत के बाद मिथलेश और उसकी पत्नी राजकुमारी (36) ने मिलकर शव को घर में पहले से खोदे गए गड्ढे में दफना दिया। ऊपर से प्लाईबोर्ड डालकर मिट्टी डाल दी थी। जानकारी के मुताबिक, भगवानपुर में कृषि महाविद्यालय के पीछे रहने वाला मिथलेश कुजूर मंगलवार की रात गांधीनगर थाने पहुंचा।

प्रदेश में रजिस्ट्री हुई सस्ती, टोल महंगा प्लास्टिक की बोतल में बिकेगी शराब

रायपुर। 1 अप्रैल 2026 से नया वित्तीय वर्ष शुरू होते ही देशभर में कई बड़े बदलाव लागू हो गए हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। नए टैक्स सिस्टम के लागू होने से टैक्स प्रक्रिया बदली है, वहीं हाईवे पर सफर करना अब महंगा हो गया है, क्योंकि टोल दरों में तक बढ़ोतरी की गई है।

इस बीच छत्तीसगढ़ में भी राहत और बदलाव दोनों साथ नजर आ रहे हैं। राज्य में प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री सस्ती हो गई है। राशन दुकानों में अब तीन महीने का चावल एक साथ मिलेगा और नई आबकारी नीति के तहत शराब अब प्लास्टिक बोतलों में बिकेगी।

टैक्स सिस्टम में बड़ा बदलाव

1 अप्रैल यानी आज से देश में नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1961 के पुराने आयकर अधिनियम की जगह लेगा। इस नए कानून के तहत टैक्स सिस्टम को सरल बनाने की कोशिश की गई है। गैर-ऑडिट करदाताओं के लिए आईटीआर 3 और आईटीआर -4 दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है, जिससे टैक्सपेयर्स को राहत मिलेगी।अब तक लागू व्यवस्था में वित्तीय वर्ष और आकलन वर्ष अलग-अलग होते थे, जिससे अक्सर भ्रम की स्थिति बनती थी। नए प्रावधान में इस व्यवस्था को खत्म कर सिर्फ 'टैक्स वर्ष' लागू किया गया है। यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि को टैक्स वर्ष 2026-27 कहा जाएगा, जिससे टैक्स प्रक्रिया को आसान और स्पष्ट बनाने की कोशिश की गई है।

'बस्तर' शांति, विश्वास और विकास की राह पर सरपट दौड़ रहा है : सीएम साय

रायपुर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को बताया कि बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास की राह पर दौड़ रहा है।

सीएम साय ने करीब पांच मिनट का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। वीडियो में उन्होंने 'पंडुम कैफे' की बात की, जिसमें कैफे के कार्यरत कर्मचारियों ने अपने अनुभवों को साझा किया।

सीएम साय ने कहा कि 'पंडुम कैफे' की कहानी भय से भरोसे तक के सफर की है। कभी नक्सल हिंसा और भय का प्रतीक रहा बस्तर आज शांति, विश्वास और विकास की राह पर सरपट दौड़ रहा है। डबल इंजन सरकार की पुनर्वास नीति ने हजारों भटके कदमों को वापस मुख्यधारा से जोड़ा है, जहां अब उन्हें एक सम्मानजनक जीवन और नई पहचान मिल रही है। जगदलपुर का 'पंडुम कैफे' इसी युगांतकारी परिवर्तन की सजीव तस्वीर है। जिन हाथों में कभी बंदूकें थीं, उनमें आज उम्मीदें हैं, भरोसा है और कुछ अच्छा करने का जुनून भी। यही है बदलता बस्तर। शांति, सम्मान और नए भविष्य की ओर बढ़ता बस्तर।

एक अन्य पोस्ट में सीएम साय ने बताया कि विश्वास, विकास और विजय की नई किरण से बस्तर में सुशासन का सूर्योदय हुआ है। जहां कभी लाल आतंक की परछाइयों ने इस पावन धरती की मासूमियत को ढक लिया था, वहां आज विकास की उजली सुबह खिल चुकी है। यह परिवर्तन केवल समय का नहीं, बल्कि संकल्प, साहस और विश्वास की जीत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प ने इस बदलाव को दिशा और गति दी है। सुरक्षाबलों के पराक्रम, सरकार की सशक्त नीतियों और स्थानीय जनमानस के अटूट विश्वास ने मिलकर एक नया इतिहास रचा है। जो बस्तर कभी भय और भटकाव का पर्याय था, वही आज प्रगति, अवसर और उम्मीदों की पहचान बन गया है।

बताते चलें कि गत वर्ष नवंबर माह में जगदलपुर में 'पंडुम कैफे' की शुरुआत की गई थी।

रायपुर रेल मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कमाए 4983 करोड़ रुपये

रायपुर । रायपुर रेल मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 कुल 46.44 मिलियन टन माल लदान करने में सफलता पाई है, जो 2003 में इसकी स्थापना के समय हुई 21.5 मिलियन टन लोडिंग से दोगुने से भी अधिक है, बुधवार को यह जानकारी दी गयी । यह प्रदर्शन पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 3.87 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जिसके साथ ही रायपुर मंडल भारतीय रेल के शीर्ष नौ मंडलों में शामिल हो गया है।

राजस्व के मोर्चे पर मंडल ने पिछले वर्ष के 4818 करोड़ रुपये की तुलना में इस वर्ष 4983 करोड़ रुपये अर्जित किए हैं। इस लोडिंग में मुख्य रूप से कोयला, स्टील, लौह अयस्क, सीमेंट, उर्वरक और खाद्यान्न जैसे उत्पादों का योगदान रहा। आधुनिक अवसंरचना और ग्राहक-केंद्रित नीतियों के समन्वय ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

माल ढुलाई के साथ-साथ यात्री सुविधाओं और अन्य आय स्रोतों में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। यात्री यातायात में 8.99 प्रतिशत और यात्री राजस्व में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विविध आय के क्षेत्र में मंडल ने 248.76 करोड़ रुपये अर्जित किए, जो पिछले वर्ष से 14.74 प्रतिशत अधिक है। गैर-किराया राजस्व (NFR) में 9 प्रतिशत और खानपान (कैटरिंग) से होने वाली आय में 69.46 प्रतिशत की भारी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

यात्री सुविधाओं के विस्तार के तहत इस वित्तीय वर्ष में 19 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें और 12 भारत गौरव ट्रेनों का परिचालन किया गया। इसके अतिरिक्त, मंडल ने कई नई पहल शुरू की हैं, जिनमें स्लीपर कोचों में सैनिटाइज्ड बेडरोल की आपूर्ति, पार्सल पैकिंग सेवाएं, हेल्थ बेस लाउंज और दुर्ग स्टेशन पर पार्सल स्कैनर की स्थापना शामिल है।

विज्ञापन के क्षेत्र में वंदे भारत और हमसफर ट्रेनों के व्यावसायिक उपयोग से राजस्व के नए स्रोत जोड़े गए हैं। यह सफलता मंडल रेल प्रबंधक दयानंद के मार्गदर्शन और वाणिज्य एवं परिचालन विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। प्रशासन के अनुसार, इन उपलब्धियों ने रायपुर मंडल को भारतीय रेलवे के मानचित्र पर एक सुदृढ़ और लाभप्रद इकाई के रूप में स्थापित किया है।

दूध बेचने वाली महिला खिलाड़ी ने जीता स्वर्ण पदक

रायपुर। पिछले साल 29 दिसंबर को शिलांग के साई के स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में बेथलीन ग्रेस माकरी के कोच ने अचानक इस युवा एथलीट में एक रेस-वॉक एथलीट बनने की काबिलियत देखी। मजे की बात यह है कि बेथलीन खुद इस इवेंट के बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानती थी और इसकी तकनीकी बारीकियों की तो बात ही छोड़ दें।

पिछले साल तक, मेघालय की यह युवा एथलीट एक मिडिल और लॉन्ग-डिस्टेंस रनर के तौर पर मुकाबला कर रही थीं। लेकिन 2026 की शुरुआत में, उसे अपना खेल बदलने के लिए कहा गया जिसने उसकी शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह की ताकत की परीक्षा ली। खासी ट्राइब से आने

मिटटी के अखाड़े में अभ्यास के लिए 20 किलोमीटर का सफर किया तय

वाली बेथलीन के लिए यह बदलाव बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उनके लिए शुरुआती कुछ सप्ताह बहुत कठिन थे, जब वह रेस-वॉक की अनजान तकनीक के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही थीं और शरीर में तेज दर्द से जूझ रही थीं। इसके चलते कई रातें बिना नींद के बीतीं और मन में आत्म-संदेह भी पैदा होने लगा। हालांकि, उनके कोच और परिवार के सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी। तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी और इकलौती बेटी होने के नाते, बेथलीन ने इस चुनौती को स्वीकार किया और खेल की तकनीकी बारीकियों को सीखने में खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। इसके बाद उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पहले एडिशन में भाग लेने के लिए जगदलपुर का रुख किया। उन्होंने साई मीडिया से कहा, '' पहले दो हफ्ते वाकई बहुत मुश्किल थे, खासकर मेरे शरीर के लिए। रेस-वॉक की तकनीकी बारीकियां मध्यम या लंबी दूरी की दौड़ से बिल्कुल अलग होती हैं, इसलिए मुझे इसे समझने में समय लगा। इसके बाद कई रातों तक नींद नहीं आई, घबराहट के पल आए और आखिरकार मुझे खुद पर शक होने लगा कि क्या मेरा फैसला सही था।लेकिन बुधवार को उन संघर्षों का भरपूर फल मिला। बेथलीन ने महिलाओं की रेस-वॉक स्पर्धा में 1:05:18 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। वह झारखंड की नेहा ज़ालक्सो (1:04:02) और ओडिशा की एलीश एक्का (1:04:59) के बाद तीसरे स्थान पर रहीं।

पदक जीतने के कुछ ही पलों बाद इस एथलीट ने इसका श्रेय अपने कोच और परिवार को दिया। उन्होंने कहा, ''मेरे कोच और मेरे परिवार ने मेरा पूरा साथ दिया।

'मोर गांव, मोर पानी' महाभियान: 15 दिन में 31 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण

रायपुर । बलौदा बाजार-भाटापारा जिले में जल संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'मोर गांव, मोर पानी' महाभियान 2.0 के तहत पिछले 15 दिनों में 31,066 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूरा किया गया है, एक अधिकारिक विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया । यह निर्माण कार्य मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत बनाए गए मकानों में किया गया है। इस अभियान में स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और श्रमदान के माध्यम से जल संरक्षण का कार्य किया गया है।

इस अभियान की शुरुआत 13 मार्च 2026 को कलेक्टर कुलदीप शर्मा और जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में की गई थी। इसके सुचारू संचालन के लिए प्रशासन द्वारा विशेष तिथिवार कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित प्रत्येक मकान का औसत आकार लगभग 300 वर्ग फीट है। इन मकानों में स्थापित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं वर्षा जल को संरक्षित करने का काम करेंगी।

अनुमान के मुताबिक, आगामी वर्षा ऋतु में इन संरचनाओं की मदद से बड़ी मात्रा में जल का संग्रहण किया जा सकेगा। इससे भूजल स्तर में सुधार होने, जल संकट की स्थिति कम होने और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रशासन का मानना है कि यह कदम वर्तमान आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य की जल सुरक्षा के लिए भी

दिल्ली में खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जा रही है: पंकज कुमार सिंह

नई दिल्ली । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर दिल्ली सरकार के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने राजधानी दिल्ली में नागरिकों के लिए सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निगरानी एवं प्रवर्तन की कार्रवाई को और तेज कर दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली के प्रत्येक नागरिक के लिए सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मैंने खाद्य सुरक्षा विभाग को विशेष तौर से निर्देश दिए हैं कि त्योहारों के दौरान सख्त निगरानी बनाए रखने के साथ किसी भी उल्लंघन के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें। अब तक मिले सकारात्मक परिणाम हमारे निरंतर प्रयासों का ही नतीजा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में हम खाद्य सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रवर्तन और निगरानी तंत्र को और मजबूत करते रहेंगे। दिल्ली के अलग-अलग जिलों में लगातार निरीक्षण और विशेष निगरानी अभियान के दौरान विभिन्न खाद्य व्यवसाय संचालकों से कुल 98 खाद्य नमूने लिए गए हैं। इन नमूनों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली खाद्य वस्तुएं जैसे मिठाइयां, डेयरी उत्पाद, मसाले और अन्य जरूरी खाद्य सामग्री शामिल थीं।

खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला द्वारा अब तक 54 नमूनों की जांच रिपोर्ट जारी की जा चुकी है, जिनमें सभी नमूने निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए हैं। अब तक मिली रिपोर्ट में कोई भी नमूना असुरक्षित या मानकों पर खरा उतरने में असफल नहीं पाया गया है। बाकी बचे नमूनों की जांच जारी है, और उनकी विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है।

नवरात्रि के दौरान भी इस तरह के विशेष अभियान के तहत विभाग ने बड़े पैमाने पर विशेष तौर पर लगातार निरीक्षण किए, जिसमें व्रत के दौरान सेवन किए जाने वाले खाद्य पदार्थों जैसे कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, साबूदाना, फल एवं डेयरी उत्पादों पर विशेष तौर पर ध्यान दिया गया। खास तौर से बाजारों, मंडियों, खुदरा दुकानों, झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों, अनधिकृत कॉलोनियों और अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाए गए, ताकि त्योहारों के दौरान सुरक्षित एवं मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत चल रहे निगरानी और नियामक ढांचे के अंतर्गत इस अवधि के दौरान कुल 165 खाद्य नमूने लिए गए, जिनमें 138 निगरानी नमूने और 27 प्रवर्तन नमूने शामिल थे। स्वास्थ्य मंत्री के मार्गदर्शन में नियमों का कड़ाई से पालन, गहन निरीक्षण और सीधी निगरानी के चलते यह सुनिश्चित हो सका कि नवरात्रि के दौरान कोई भी खाद्य पदार्थ को लेकर कोई अवांछित घटना सामने नहीं आई।

इस दौरान बड़ी संख्या में सैंपल एकत्र किए गए, जिनमें निगरानी और प्रवर्तन दोनों तरह के नमूने शामिल थे। लीगल नमूनों की प्रयोगशाला जांच में अधिकांश नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए। मानकों का पालन नहीं करने वाले मामलों में सख्त कानूनी प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति कड़ी निगरानी एवं जीरो टॉलरेंस की अपनी नीति पर कायम है।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप: सुरेश की शानदार जीत, सचिन ने तीसरे दिन कड़े मुकाबले में जीत हासिल की

उलानबटार । एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के तीसरे दिन भारत के विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इसी के साथ इन खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में अगले राउंड में जगह बनाई।

पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में मुकाबला करते हुए, विश्वनाथ सुरेश ने बेहतरीन तकनीकी क्षमता और रिंग की समझ का प्रदर्शन करते हुए किर्गिस्तान के बेकजात एर्गेशोव को मात दी। भारतीय बॉक्सर ने मुकाबले की शुरुआत से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा और जजों के सर्वसम्मत फैसले से 5-0 की शानदार जीत दर्ज की।

अगले राउंड में सुरेश के सामने एक कड़ी चुनौती होगी, क्योंकि उनका मुकाबला कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होना है। ताशकेनबे एक शानदार रिकॉर्ड के साथ इस मुकाबले में उतर रहे हैं। वे मौजूदा विश्व चैंपियन (2025) होने के साथ-साथ उसी वर्ष विश्व कप विजेता भी रहे हैं।

पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में, सचिन ने भी मंगोलिया के बुयांदलाई बायारखू के खिलाफ शांत और संयमित प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया। यह मुकाबला काफी कड़ा रहा, जिसमें सचिन ने दबाव के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और अपनी रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से जीत हासिल की। अगले राउंड में सचिन का मुकाबला चीनी ताइपे के चेंग-वेई ली से होगा। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में पूरे महाद्वीप से शीर्ष मुक्केबाजी प्रतिभाएं हिस्सा ले रही हैं। प्रत्येक मुकाबला पदक राउंड तक पहुंचने की राह तय करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

पहले दिन, भारत की प्रीति पंवार और दीपक ने शानदार शुरुआत की। महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में, विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ।

ईरान में फंसे सैकड़ों भारतीय छात्रों ने सरकार से सुरक्षित घर वापसी की लगाई गुहार

नई दिल्ली । ईरान के मौजूदा हालात के बीच सैकड़ों भारतीय छात्र अलग-अलग बॉर्डर इलाकों में फंसे हुए हैं, जहां से उनकी सुरक्षित वापसी एक बड़ी चुनौती बन गई है। लगातार बिगड़ते हालात के बीच छात्र और उनके परिजन डरे हुए हैं और भारत सरकार से जल्द से जल्द सुरक्षित निकासी की मांग कर रहे हैं।

सीमित संसाधनों और धीमी प्रक्रिया के चलते छात्रों को एक-एक करके निकाला जा रहा है, जिससे देरी और चिंता दोनों बढ़ रही हैं। अखिल भारतीय मेडिकल छात्र संघ के उपाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से बताया कि ईरान में अभी भी 26 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। इसके अलावा ईरान और अजरबैजान के बॉर्डर में करीब 84 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। यहां से एक बार में दस-दस छत्रों को बॉर्डर पार कराया जा रहा है। छत्रों को एक कोड देकर यहां से निकाला जा रहा है।

इस प्रक्रिया में बहुत समय लग रहा है। छात्र लगातार अपने परिजनों के संपर्क में बने हुए हैं और अपनी परेशानी बता रहे हैं। भारत में इन छात्रों के परिजन भी परेशान हो रहे हैं। छात्र यहां 15 से 20 दिन से फंसे हुए हैं और परेशान हो रहे हैं। हालांकि भारतीय दूतावास इनकी पूरी तरह से मदद कर रहा है। जरूरत की हर चीज इनको उपलब?ध कराई जा रही है, फिर भी ईरान के जो हालात हैं, वो चिंता का विषय हैं। यहां कोई भी चीज सेफ नहीं है। इसके अलावा, ईरान और अर्मेनिया की सीमा पर भी हमारे करीब 53 भारतीय छात्र वहां पर फंसे हुए हैं। वो छात्र वहां बहुत ही ज्यादा परेशान हैं। उनका कहना है कि वो बार-बार टिकट बुक कर रहे हैं।

सीबीआई ने ईपीएफओ के अधिकारी और सुरक्षा सहायक को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के एक क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त और एक वरिष्ठ सुरक्षा सहायक को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तब हुई जब अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से अवैध तरीके से पैसे लेने की कोशिश की।

सूत्रों के अनुसार, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने शिकायतकर्ता से अपने स्कूल के खिलाफ किसी प्रतिकूल कार्रवाई न करने और भारी जुर्माना न लगाने के एवज में 1.50 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और जाल बिछाया।

इस दौरान वरिष्ठ सुरक्षा सहायक को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इसके बाद सीबीआई ने आरोपी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी अब कानून के मुताबिक कार्रवाई के तहत हैं और आगे की जांच जारी है।

जांच अधिकारियों ने कहा कि रिश्वत लेना और देना गंभीर अपराध है और इसके लिए कड़ी सजा हो सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कोई सरकारी कर्मचारी किसी भी सरकारी काम के लिए रिश्वत की मांग करता है, तो तुरंत सीबीआई के श्रीनगर कार्यालय को सूचित करें। शिकायतकर्ता इस मामले में सीधे सीबीआई को फोन नंबर या ईमेल के जरिए संपर्क कर सकते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से सरकारी तंत्र में पारदर्शिता और जिम्मेदारी बढ़ती है। अधिकारियों ने जनता को आश्वस्त किया कि सीबीआई किसी भी शिकायत को गंभीरता से लेती है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई करती है। इस गिरफ्तारी से यह संदेश गया कि किसी भी सरकारी काम में रिश्वत की मांग और लेना कानून के तहत सख्त अपराध है।

भारत के पास आने वाले बुआई सीजन के लिए बीजों का पर्याप्त भंडार मौजूद : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि आने वाले खरीफ सीजन के लिए भारत के पास बीजों का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

सरकार की ओर से यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखलाओं के लेकर लगातार चिंताएं बनी हुई हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त सचिव मनिंदर कौर द्विवेदी ने अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान कहा कि देश में निजी क्षेत्र के अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा समर्थित एक आत्मनिर्भर बीज प्रणाली मौजूद है। इसके अलावा, किसी भी संभावित व्यवधान से निपटने के लिए सभी चरणों में पर्याप्त बीज और प्रजनन सामग्री (प्रमाणित, आधारभूत, संकर बीज) की एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला मौजूद है।

द्विवेदी ने बताया कि सभी कृषि उत्पादों के थोक मूल्यों पर भी नजर रखी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि टमाटर, प्याज और आलू जैसी प्रमुख फसलों के मूल्य स्थिर हैं और उनमें सुधार दिख रहा है, साथ ही थोक स्तर पर भी सकारात्मक रुझान जारी है।

सरकार के मुताबिक, खरीफ सीजन 2026 के लिए 19.29 लाख क्विंटल बीज का अधिशेष है। देश के कृषि क्षेत्र को 166.46 लाख क्विंटल बीज की आवश्यकता है, जबकि देश में 185.74 लाख क्विंटल बीज उपलब्ध है।

इसके साथ ही, रबी सीजन के लिए बीज की व्यवस्था की जा चुकी है।

सरकार ने खरीफ मौसम के लिए किसानों पर पड़ने वाले प्रभाव और उनकी उर्वरक आवश्यकता का आकलन पहले ही कर लिया है। पिछले कुछ वर्षों में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार बनाए रखने के लिए उठाए गए कदम समय पर उपलब्धता और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में उर्वरकों की समान और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने के लिए अधिकारियों को 'किसान आईडी' बनाने के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस प्रयास में समन्वय स्थापित करने के लिए जल्द ही मुख्यमंत्रियों और राज्य कृषि मंत्रियों से मुलाकात करेंगे।

मंत्री ने आगे कहा कि वैश्विक संकट का लाभ उठाकर उर्वरकों और बीजों की कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। चौहान ने कहा कि राज्य सरकारों को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए सुरक्षा सबसे जरूरी : उमर अब्दुल्ला

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि जहां उनकी सरकार ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। वहीं, कश्मीरी पंडितों की अपने मूल स्थानों पर वापसी के लिए सुरक्षा सबसे जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा को बताया कि जहां सरकार उनके धार्मिक स्थलों की बहाली को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है, वहीं विस्थापित कश्मीरी पंडितों की अपने मूल स्थानों पर वापसी की कुंजी सुरक्षा के माहौल पर निर्भर करती है। उमर अब्दुल्ला सदन के एक सदस्य के सवाल पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों का विस्थापन एक ऐसी सच्चाई है जिसे न तो सरकार और न ही कोई और नकारता है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने उनकी वापसी को आसान बनाने के प्रयास किए हैं, लेकिन जमीनी हालात अभी उस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं जहां समुदाय के सदस्य वापस आने के लिए खुद को पर्याप्त रूप से सुरक्षित महसूस करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समुदाय की सुरक्षा की भावना पर गहरा असर पड़ा है और किसी भी सार्थक वापसी से पहले इसे फिर से बनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि उस भरोसे को बहाल किए बिना, उनकी वापसी की उम्मीद करना यथार्थवादी नहीं होगा।

सीएम ने कहा कि सरकार विस्थापित समुदाय की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए कदम उठा रही है, और साथ ही कहा कि उनसे जुड़े धार्मिक स्थल प्राथमिकता बने हुए हैं और उनका संरक्षण और सुरक्षा की जा रही है।

पहले के विधायी प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अतीत में ऐसी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक विधेयक पेश करने के प्रयास किए गए थे, लेकिन समुदाय के कुछ वर्गों से इसका विरोध हुआ था।

उन्होंने कहा कि भविष्य के किसी भी कानून के लिए व्यापक सहमति होनी चाहिए ताकि विभाजन से बचा जा सके।

सरकार विस्थापित समुदाय के कल्याण और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और साथ ही ऐसे हालात बनाने की दिशा में काम कर रही है जो उनकी सुरक्षित और गरिमापूर्ण वापसी को संभव बना सकें।

आईपीएल में 2008 से 2025 तक ऑरेंज कैप जीतने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्लेबाजों का बोलबाला देखने को मिलता है। इस लीग में जमकर चौके-छक्कों की बरसात होती है। आईपीएल में पहली ऑरेंज कैप जीतने वाले बल्लेबाज शॉन मार्श रहे थे। आइए आपको साल 2008 से लेकर 2025 तक ऑरेंज कैप जीतने वाले बल्लेबाजों के नाम बताते हैं।

शॉन मार्श: आईपीएल के पहले सीजन में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की ओर से खेलते हुए शॉन मार्श का प्रदर्शन लाजवाब रहा था। मार्श ने 11 मुकाबलों में 139 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 616 रन बनाए थे और वह ऑरेंज कैप को जीतने वाले पहले बल्लेबाज बने थे।

मैथ्यू हेडन: साल 2009 में मैथ्यू हेडन ने चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए ऑरेंज कैप को अपने नाम किया था। हेडन ने इस सीजन बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 144 के स्ट्राइक रेट से 12 मुकाबलों में 572 रन बनाए थे।

सचिन तेंदुलकर: मुंबई इंडियंस की जर्सी में साल 2009 में सचिन तेंदुलकर का प्रदर्शन बल्ले से लाजवाब रहा था। सचिन ने 15 मुकाबलों में 47 की औसत और 132 के स्ट्राइक रेट से 618 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप जीती थी।

क्रिस गेल: साल 2011 में क्रिस गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। गेल ने 12 मुकाबलों में 183 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 608 रन बनाए थे। गेल के दमदार प्रदर्शन के बूते आरसीबी इस सीजन फाइनल तक का सफर तय करने में सफल रही थी। खिताबी मुकाबले में टीम को चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। क्रिस गेल: क्रिस गेल ने लगातार दूसरे साल ऑरेंज कैप को अपने नाम किया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुए गेल ने साल 2012 में 15 मुकाबलों में 160 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे। गेल लगातार दो सीजन ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। माइकल हसी: आईपीएल 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए माइकल हसी ने ऑरेंज कैप जीती थी। हसी ने 17 मुकाबलों में 129 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 733 रन बनाए थे। हसी के शानदार प्रदर्शन के चलते चेन्नई सुपर किंग्स ने फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन खिताबी मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी।

रॉबिन उथप्पा: कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए आईपीएल 2014 में रॉबिन उथप्पा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 660 रन बनाए थे। उथप्पा अपने दमदार प्रदर्शन के बूते ऑरेंज कैप को जीतने में सफल रहे थे।

रूस के वरिष्ठ नेता व्लादिमीर याकुशेव आज से भारत दौरे पर

मास्को । रूस की सत्तारूढ़ पार्टी यूनाइटेड रशिया (इदिनाया रशिया) के महासचिव और फेडरेशन काउंसिल ऑफ रशिया के प्रथम उपाध्यक्ष व्लादिमीर याकुशेव 2 से 4 अप्रैल तक भारत के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह दौरा भारत और रूस के बीच संसदीय सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

याकुशेव रूस की संसद के उच्च सदन फेडरेशन काउंसिल और भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा के बीच सहयोग से जुड़े कार्य समूह (वर्किंग ग्रुप) के प्रमुख भी हैं। इस भूमिका में वे दोनों देशों की संसदीय संस्थाओं के बीच संवाद, अनुभवों के आदान-प्रदान और नीतिगत समन्वय को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। रूसी मीडिया एजेंसी टीएएसएस ने इसकी जानकारी दी है।

उनका यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। दोनों देश रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और वैश्विक मंचों पर सहयोग को बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे में संसदीय स्तर पर बढ़ता संपर्क द्विपक्षीय संबंधों को और गहराई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यात्रा के दौरान याकुशेव के भारतीय नेताओं और संसद प्रतिनिधियों से मुलाकात करने की संभावना है। इन बैठकों में संसदीय प्रक्रियाओं, कानून निर्माण, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के साथ-साथ द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हो सकती है। खास तौर पर दोनों देशों के उच्च सदनों के बीच सहयोग को संस्थागत रूप देने और नियमित संवाद की रूपरेखा तैयार करने पर जोर रहने की उम्मीद है।

अक्सर इस तरह के उच्चस्तरीय संसदीय दौरे न केवल राजनीतिक रिश्तों को मजबूत करते हैं, बल्कि दोनों देशों के बीच आपसी समझ और भरोसे को भी बल देते हैं।

संपादकीय

हनुमान जयंतीः भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम

महेन्द्र तिवारी

हनुमान जयन्ती का पावन पर्व हिंदू धर्मानुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी उत्सव है। यह दिन भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो शक्ति, भक्ति, निष्ठा और त्याग के प्रतीक हैं। यह पर्व हर वर्ष चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है, और वर्ष 2026 में यह 2 अप्रैल को है। हनुमान जी का चरित्र अद्भुत है, क्योंकि वे एक ओर असीम बल के स्वामी हैं तो दूसरी ओर विनम्रता की प्रतिमूर्ति। वे शिव के ग्यारहवें रुद्र अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पवन देव के आशीर्वाद से हुआ, इसलिए वे पवनपुत्र कहलाए। उनके जन्म की कथा अत्यंत प्रेरणादायक है, जिसमें माता अंजना की तपस्या और भगवान शिव का वह अंश समाहित है जो संसार को बुराइयों से मुक्ति दिलाने के लिए अवतरित हुआ। हनुमान जी के बचपन की वह कथा आज भी बच्चों से लेकर वृद्धों तक के मन में रोमांच भर देती है, जब उन्होंने सूर्य देव को एक लाल फल समझकर निगलने का प्रयास किया था। यह घटना उनके उस अदम्य साहस और अलौकिक क्षमता का प्रतीक है, जो सीमाओं से परे है। इंद्र के वज्र प्रहार से उनकी ठुड्डी पर लगी चोट ने उन्हें 'हनुमान' नाम दिया, लेकिन उसी क्षण देवताओं द्वारा मिले वरदानों ने उन्हें अपराजेय बना दिया। ब्रह्मा जी ने उन्हें लंबी आयु का वरदान दिया, तो अग्नि ने उन्हें आग से न जलने का और वरुण ने जल से सुरक्षित रहने का आशीष दिया। ये वरदान केवल व्यक्तिगत सिद्धियाँ नहीं थीं, बल्कि भविष्य में होने वाले धर्म और अधर्म के युद्ध की तैयारी थी। हनुमान जयंती पर जब हम उनके जीवन का स्मरण करते हैं, तो उनकी शिक्षा-दीक्षा का प्रसंग भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने सूर्य देव से वेदों का ज्ञान प्राप्त किया और व्याकरण में इतनी निपुणता हासिल की कि वे 'महाव्याकरण' कहलाए। उनका व्यक्तित्व बल और बुद्धि के विलक्षण समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। रामचरितमानस और रामायण में हनुमान जी की भूमिका एक ऐसे सेतु की तरह है, जो विरक्त को अनुराग से और भक्त को भगवान से जोड़ती है। ऋष्यमूक पर्वत पर जब उनकी भेंट श्री राम से हुई, तो वह मिलन इतिहास का सबसे पवित्र मिलन बन गया। एक साधारण वानर के वेश में वे अपने प्रभु के पास गए, लेकिन राम की पारखी नजरों ने पहचान लिया कि यह कोई साधारण जीव नहीं है। इसके बाद हनुमान जी का पूरा जीवन राममय हो गया। हनुमान जयंती के इस अवसर पर उनके द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का विश्लेषण करना आवश्यक है। समुद्र लांघने की उनकी क्षमता हमें सिखाती है कि यदि आत्मविश्वास दृढ़ हो, तो सौ योजन का विशाल सागर भी छोटा पड़ जाता है। लंका में अशोक वाटिका के भीतर माता सीता की खोज करना और उन्हें प्रभु राम की मुद्रिका देना उनके धैर्य और बुद्धिमानी की पराकाष्ठा थी। उन्होंने लंका दहन के माध्यम से रावण के अहंकार की लंका को भस्म किया, जो यह संदेश देता है कि अधर्म कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, सत्य की एक लौ उसे राख करने के लिए पर्याप्त है। हनुमान जी का 'सुंदरकांड' केवल एक अध्याय नहीं है, बल्कि वह जीवन के हर मोड़ पर हार रहे मनुष्य के लिए विजय का मंत्र है। लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा के लिए जब वे द्रोणागिरि पर्वत उठाने गए, तो वे केवल एक जड़ी-बूटी नहीं लाए, बल्कि उन्होंने सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा के मार्ग पर असंभव शब्द का कोई स्थान नहीं है। यदि औषधि की पहचान नहीं हो सकी, तो उन्होंने पूरे पर्वत को ही उठा लिया— यह उनके निर्णय लेने की क्षमता और कार्य के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाता है। हनुमान जयंती की पूजा विधि और इसमें निहित प्रतीकों का भी गहरा आध्यात्मिक अर्थ है। भक्त मंदिरों में जाकर हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करते हैं। इसके पीछे वह प्रसिद्ध कथा है जिसमें उन्होंने माता सीता को अपनी मांग में सिंदूर लगाते देखा था और जब उन्हें पता चला कि यह श्री राम की लंबी आयु के लिए है, तो उन्होंने अपने पूरे शरीर पर ही सिंदूर मल लिया। यह निश्छल भक्ति का वह स्वरूप है जहाँ भक्त अपने आराध्य की प्रसन्नता के लिए स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर देता है। हनुमान चालीसा का पाठ, जो गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित है, आज दुनिया के कोने-कोने में गूंजता है। इसकी हर पंक्ति में एक विशेष ऊर्जा है। 'भूत पिशाच निकट नहीं आवै' जैसी पंक्तियाँ मनुष्य को अज्ञात भय से मुक्ति दिलाती हैं। हनुमान जयंती पर भंडारों का आयोजन और 'बूंदी के लड्डू' का भोग सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जहाँ समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव रक्षा और सेवा के लिए होना चाहिए। हनुमान जी चाहते तो स्वयं रावण का वध कर सकते थे, उनमें इतनी सामर्थ्य थी, लेकिन उन्होंने सदैव अपने प्रभु की आज्ञा का पालन किया और खुद को एक सेवक के रूप में ही प्रस्तुत किया। उनकी यह विनम्रता आज के आधुनिक युग के लिए एक बहुत बड़ी सीख है, जहाँ थोड़े से अधिकार मिलते ही मनुष्य अहंकार से भर जाता है। आधुनिक संदर्भ में हनुमान जयंती की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। आज का मनुष्य मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहा है। हनुमान जी का व्यक्तित्व हमें आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाता है। जामवंत जी द्वारा हनुमान जी की सोई हुई शक्ति को याद दिलाना इस बात का प्रतीक है कि हम सबके भीतर अनंत शक्तियाँ छिपी हैं, बस हमें एक सही दिशा और आत्मबोध की आवश्यकता है। हनुमान जयंती पर अखाड़ों में होने वाले आयोजन हमें शारीरिक स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति सचेत करते हैं। वे ब्रह्मचर्य के पालक हैं।

वैश्विक स्थिरता पर खतरे के बीच, भारत को अमेरिका-इज़राइल-ईरान संघर्ष को कम करने के प्रयास शुरू करने चाहिए

लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज के. चन्नन

संयुक्त राज्य अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच मौजूदा तनाव अब क्षेत्रीय विवाद से आगे बढ़ चुका है। जो स्थिति हम देख रहे हैं, वह एक खतरनाक जमावड़ा है, जो कई वैश्विक शक्तियों को एक व्यापक संघर्ष में खींच सकता है। इसके मूल में अब केवल रणनीति या प्रभाव का सवाल नहीं रह गया है; यह मानव जीवन के और अधिक नुकसान को रोकने और एक बढ़ती ध्रुवीकृत दुनिया में संतुलन बहाल करने का प्रश्न बन गया है।

संघर्ष के कगार पर

स्थिति इस स्तर तक पहुंच गई है जहां आगे बढ़ती हुई उग्रता से कोई विशेष रणनीतिक लाभ नहीं मिलता, बल्कि बड़े पैमाने पर मानवीय और आर्थिक नुकसान होता है। लंबे समय से जारी शत्रुता ने सैन्य संसाधनों पर दबाव डाला है, वैश्विक ऊर्जा बाजारों को बाधित किया है और पूरे मध्य पूर्व/पश्चिम एशिया में असुरक्षा बढ़ा दी है। रूस और चीन जैसे अन्य प्रमुख खिलाड़ियों की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भागीदारी इस जटिलता को और बढ़ाती है। यदि इसे अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो अमेरिका और इज़राइल का एक प्रमुख सैन्य गुट के रूप में सरेखण एक शक्ति-धुरी के रूप में देखा जा सकता है। केवल यह धारणा ही प्रतिरोधी गठबंधनों को जन्म दे सकती है, जिससे अधिक देश ऐसे संघर्ष में शामिल हो सकते हैं, जिसे कोई भी पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता।

मानवीय अनिवार्यता

भू-राजनीति से परे, सबसे तात्कालिक चिंता मानवीय है। आम नागरिक इस संघर्ष का सबसे अधिक भार झेल रहे हैं। परिवार विस्थापित हो रहे हैं, बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हो रहा है और एक पीढ़ी हिंसा की छाया में बड़ी हो रही है। युवाओं के सैन्यीकरण और लंबे समय तक मनोवैज्ञानिक तनाव की रिपोर्टें पहले से चल रहे दीर्घकालिक नुकसान को दर्शाती हैं।

प्रतिशोध का यह चक्र रुकना चाहिए। इस रास्ते पर आगे बढ़ना केवल विभाजन को बढ़ाता है और हर दिन शांति को और कठिन बनाता है।

भारत की ऐतिहासिक जिम्मेदारी

स्वतंत्रता के बाद से, भारत ने स्वयं को विस्तारवाद, दबाव और अलगाववादी नीतियों से प्रभावित लोगों की आवाज के रूप में स्थापित किया है, जो व्यापक पीड़ा का कारण बनती हैं। उसने संप्रभुता, गुटनिरपेक्षता और नागरिक जीवन की सुरक्षा का समर्थन किया है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां संघर्षों का असमान रूप से महिलाओं और बच्चों पर प्रभाव पड़ा है।

यह विरासत केवल प्रतीकात्मक नहीं है। यह भारत को उस समय स्पष्ट रूप से बोलने का नैतिक आधार प्रदान करती है, जब कथाएं सिद्धांतों की बजाय शक्ति से अधिक प्रभावित हो रही हैं। वर्तमान संकट में ऐसी आवाज का फिर से सुना जाना आवश्यक है।

प्रमुख कथाओं पर सवाल

एक महत्वपूर्ण पहलू, जिसे अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, यह है कि संघर्षों को किस तरह प्रस्तुत किया जाता है। सैन्य कार्रवाई को सेवा कर्मियों की हानि के आधार पर उचित ठहराना, जबकि वास्तविक और दुखद है, इसे व्यापक हिंसा के लिए एक सार्वभौमिक कारण नहीं बनाया जा सकता जो युद्धक्षेत्रों से कहीं आगे तक फैलती है।

इतिहास बताता है कि ऐसी कथाएं कभी-कभी गहरे रणनीतिक उद्देश्यों को छिपा देती हैं। वर्तमान संदर्भ में, ऊर्जा सुरक्षा—विशेषकर पेट्रोलियम संसाधनों पर नियंत्रण—की भूमिका को नजरअंदाज करना कठिन है। मध्य पूर्व वैश्विक ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है, और इन संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा भू-राजनीतिक निर्णयों को आकार देती रहती है।

केवल सुरक्षा मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना इन अंतर्निहित हितों को छिपा सकता है और वास्तविक समाधान को और कठिन बना सकता है।

भारत की स्वतंत्र आवाज

तनाव कम करने के लिए भारत की पहल को उसके अपने संदर्भ में समझा जाना चाहिए। इसे किसी मध्यस्थ—जिसमें पाकिस्तान जैसे देश भी शामिल हों—की भूमिका के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। न ही यह किसी कूटनीतिक प्रक्रिया से बाहर रह जाने के डर से प्रेरित है।

भारत का रुख उसकी लोकतांत्रिक पहचान और वैश्विक जिम्मेदारियों से उत्पन्न होता है। उसके पास स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता और दायित्व दोनों हैं, जो उसके सिद्धांतों और दीर्घकालिक हितों द्वारा निर्देशित हैं। नेतृत्व करते हुए, भारत न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है, बल्कि स्थिरता की आवाज के रूप में अपनी भूमिका भी निभाता है—अपने नागरिकों के लिए और उन क्षेत्रों के लोगों के लिए जो अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए उस पर निर्भर हैं।

भारत को आगे क्यों आना चाहिए

भारत एक विश्वसनीय और संतुलित मध्यस्थ के रूप में विशिष्ट स्थिति में है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, उसके पास नैतिक अधिकार और कूटनीतिक प्रभाव दोनों हैं। अमेरिका, ईरान, इज़राइल और खाड़ी देशों के साथ उसके लंबे संबंध उसे वह पहुंच प्रदान करते हैं, जो बहुत कम देशों के पास है।

BRICS और G20 जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का नेतृत्व विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाने की उसकी क्षमता को और मजबूत करता है। साथ ही, ग्लोबल साउथ की एक प्रमुख आवाज के रूप में उसकी भूमिका उसे किसी विशेष गुट के साथ जुड़ा हुआ प्रतीत हुए बिना शांति की वकालत करने में सक्षम बनाती है।

इसका एक व्यावहारिक पहलू भी है। लाखों भारतीय खाड़ी क्षेत्र में रहते और काम करते हैं, जिससे वहां की स्थिरता भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित का विषय बन जाती है। किसी भी प्रकार की उग्रता न केवल क्षेत्रीय शांति, बल्कि इस बड़े प्रवासी समुदाय की सुरक्षा और आजीविका को भी खतरे में डालती है।

तनाव कम करने की दिशा में मार्ग

भारत की भूमिका सभी प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए एक संरचित संवाद स्थापित करने से शुरू होनी चाहिए। इसमें ईरान की परमाणु सुविधाओं का तटस्थ और स्वतंत्र निरीक्षण शामिल होना चाहिए, ताकि विश्वास बढ़े और संदेह कम हो।

साथ ही, सहयोग को बढ़ावा देने के लिए चरणबद्ध और शर्तों के आधार पर प्रतिबंधों में ढील दी जानी चाहिए। एक युद्धविराम—भले ही अस्थायी हो—कूटनीति के लिए स्थान बनाने के लिए आवश्यक है। मानवीय गलियारे, कैदियों की अदला-बदली और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना न बनाने की प्रतिबद्धता जैसे विश्वास-निर्माण उपाय धीरे-धीरे भरोसा बहाल करने में मदद कर सकते हैं। भारत एक व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे की वकालत भी कर सकता है, जिसमें मध्य पूर्व के देश शामिल हों। स्थायी शांति बाहर से थोपी नहीं जा सकती; इसे सबसे अधिक प्रभावित लोगों की भागीदारी से ही बनाया जा सकता है।

बड़े वैश्विक संघर्ष को रोकना

दांव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं हैं। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता सभी खतरे में हैं। कठोर शक्ति गुटों का उदय दुनिया को अतीत के संघर्षों की तरह विभाजित कर सकता है—लेकिन आज की क्षमताओं को देखते हुए इसके परिणाम कहीं अधिक विनाशकारी हो सकते हैं।

एक अनियंत्रित शक्ति-धुरी के गठन को रोकना किसी देश का विरोध करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी गठबंधन ऐसी उग्रता का कारण न बने, जिसे दुनिया नियंत्रित न कर सके। संतुलन, संवाद और पारस्परिक संयम आगे का मार्ग होना चाहिए।

नेतृत्व की मांग का क्षण

भारत की क्षमता और विश्वसनीयता उसे आशा का प्रतीक बनाती है, जो यह विश्वास दिलाती है कि नेतृत्व संघर्ष से सहयोग की ओर कहानी को बदल सकता है। इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान केवल कूटनीतिक आवश्यकता ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। कार्रवाई का समय अब है—इससे पहले कि इसकी कीमत असहनीय हो जाए।

(लेखक, भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी, एक रणनीतिक विश्लेषक हैं। व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं।)

'स्कूल चलें हम', आओ हम सब भी चलें साथ बच्चों के

प्रो. मनोज कुमार

शिक्षा की महती जवाबदारी समाज की है. सरकार शिक्षा के संसाधन उपलब्ध कराती है, अवसर देती है और अपने स्तर पर प्रयास करती है कि कोई बच्चा स्कूल जाने से ना छूटे. इसके बाद जवाबदारी आती है समाज की अर्थात हम-सब की कि बच्चों को स्कूल तक पहुँचायें. बच्चा का अर्थ केवल अपना बच्चा नहीं है बल्कि वह अपने आसपास का बच्चा भी है. आपके घर में सफाई करने वाली, बर्तन-कपड़ा धोने वाली दीदी होंगी, आपके घर में ड्रायवर भी होगा और अन्य सहायता करने वाले लोग भी आसपास होंगे और इनके बच्चे भी होंगे. कुछ अपने बच्चों को स्कूल भेजते होंगे और कुछ नहीं भेजते होंगे. ऐसे परिवारों को उनके बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करना हम-सब की सामाजिक एवं नैतिक जवाबदारी है. नवीन शिक्षा सत्र से चार दिनों का 'स्कूल चलें हम' उत्सव आरंभ हो गया है. यही चार दिन बच्चों का भविष्य तय करने के लिए अर्थवान है. शिक्षकों की भी जवाबदारी बढ़ गई है कि वे नौनिहालों को किताब की ओर आकर्षित करें. ध्यान रखना होगा कि स्कूल सीखने और समझने की जगह है और ऐसे में शिक्षकों को स्नेह के साथ बच्चों के मन को जीतना होगा.

मध्यप्रदेश में अब सरकारी स्कूल सुविधाहीन नहीं हैं और ना ही निजी स्कूलों से कमतर. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी और वोकेशनल कोर्स के साथ पीएमश्री योजना के तहत सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाया जा रहा है या यों कहें कि इस दिशा में काफी कुछ कार्य सरकार ने पूर्ण कर लिया है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी. मिसाल के तौर पर पीएम श्री योजना के अंतर्गत 799 शासकीय विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला और लाइब्रेरी के साथ अपग्रेड किया गया है। साथ ही उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए सक्रिय अभ्यास क्रियाविधि का उपयोग किया जा रहा है, जो विज्ञान और सामाजिक विज्ञान को इंटरैक्टिव बनाता है। स्कूलों में कौशल विकास के लिए व्यावसायिक कोर्स (जैसे ब्यूटीशियन, सिलाई) भी शुरू किए गए हैं। स्कूली शिक्षा का नया शैक्षणिक सत्र 2026-27, 1 अप्रैल से शुरू हो चुका है जिसमें 'स्कूल चलें हम' अभियान के तहत बच्चों का स्वागत, नि:शुल्क पुस्तकें वितरण और पहले दिन से ही पढ़ाई शुरू की गई है। 'स्कूल चलें हम' अभियान में नामांकन और पढ़ाई पर फोकस रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 92 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में 85 लाख से अधिक छात्रों का स्वागत किया जाएगा और मुफ्त किताबें वितरित की गई।

'स्कूल चलें हम' अभियान को इस तरह डिजाइन किया गया है कि हर बच्चे की रूचि स्कूल आने में हो. अभियान के दूसरे दिन 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम में अपने-अपने क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों से नवागत विद्यार्थियों की भेंट होगी. विद्यार्थी उनकी सफलता के बारे में सवाल करेंगे. यह प्रयास विद्यार्थियों को भविष्य में क्या बनना है, के प्रति प्रेरित करेगा. विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुना कर उन्हें प्रेरित करेंगे। प्रत्येक जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ सुरूचिपूर्ण ढंग से संवाद करने के लिये भी कहा गया है

अभियान का तीसरा तीन सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का होगा. पालकों को अपनापन लगे और वे बच्चों को स्कूल भेजने के लिए दूसरों को प्रेरित करें, इस ध्येय के साथ उत्कृष्ट उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के पालकों को सम्मानित किया जाएगा. यह अपने आप में अनोखी पहल होगी. अभियान के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जोड़ना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। अभियान के अंतिम दिन ड्रॉपआउट बच्चों को वापस स्कूल लाने के लिए विशेष पहल और विशेष शिक्षण सहायता की रूपरेखा से अवगत कराया जाएगा. अभियान के अंतिम दिन 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी।

बोध कथा

काल चक्र में कलियुग

इस युग में हर चीज अति की ओर जाती है, इसलिए सभी यहां रामराज्य की कल्पना करते है समय का पहिया घूमते घूमते काल चक्र के चौथे युग, कलियुग तक आ पहुंचा, जिसे कलह-क्लेश का युग भी कहा गया। शास्त्रों में इसके लिए कथा प्रसिद्ध है कि जब कलियुग आया तो राजा परीक्षित का राज्य चल रहा था। कलियुग के दस्तक देने पर राजा परीक्षित ने पूछा- कौन? कलियुग ने जवाब दिया, मैं कलियुग हूं, थोड़ा सा स्थान आपके राज्य में चाहता हूं। राजा ने इनकार किया कि मेरे राज्य में तुम्हारे लिए कोई स्थान नहीं है। कलियुग बोला, मेरा समय आ चुका है, अब मुझे आना ही होगा। इसलिए मुझे स्थान दो। तब राजा परीक्षित ने चार स्थान उसे आने के लिए बताए। बोले, आप शराब खानों में, जुआ खानों में, वैश्यालयों में और कसाई खाने में अपना स्थान बना सकते हो। वहीं तक सीमित रहना बाहर मत आना। तब कलियुग बोला मेरा परिवार बहुत बड़ा है, एक और स्थान मुझे दीजिए। राजा परीक्षित बोले ठीक है, पांचवा स्थान स्वर्ण में प्रवेश कर सकते हो। सुनते ही कलियुग ने राजा के सिर पर रखे हुए स्वर्ण मुकुट में प्रवेश कर लिया और उनके दिमाग को घुमाते हुए अपनी लीला शुरू कर दी। आज इसी स्वर्ण में अपना स्थान लेकर वह घर-घर में अपना स्थान बना चुका है और अपने स्वभाव का रंग दिखा रहा है। आज कलियुग में इन्हीं पांच स्थानों पर हर घर में कलह-क्लेश होने लगा है।

संदेश-स्वास्तिका के चित्र का बायां हाथ ऊपर को उठा हुआ इसी बात का प्रतीक है कि कलियुग में अधर्म हर प्रकार से अपनी चरम सीमा को प्राप्त करता है। कलियुग के दौरान अति धर्म भ्रष्ट, अति कर्म भ्रष्ट, अति अत्याचार, अति पापाचार, अति दुराचार यानी हर प्रकार की अति हो जाती है। इसी युग को दूसरे शब्द में रावण राज्य भी कहा जाता है, तभी तो इस युग में सभी राम राज्य के सपने देखते हैं।

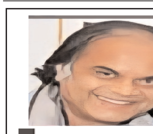

सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

बातें सुनने के लिए सब बेक़रार

आसिम अनमोल

बातें न हों तो कितना सूना सूना लगेगा। है न ? सुना है देश का विकास बातों से होता है। बातें ही देश के विकास का प्रतीक होती हैं। यानी बातों की भी सरकार होती है। बातों का क्या है करते जाओ। सुनने वाले के कान तो खुले ही होते हैं। इस लिए बातें करने वाले अच्छी तरह जज कर लेते हैं कि कुर्सियों पर बैठकर ज्यादा मशक्कत करने की जरूरत नही है। जब बातों से ही देश चलाया जा सकता हो। तो बातें करने की अपनी हसरतों को पूरा किया जाना पहली प्रायरोरिटी होनी चाहिए।

यहाँ बातें ही बिकती हैं। कहीं भाषण बटते हैं। इन्ही चीज़ों में महसूस कराया जाता है कि यही विकास है। और हम भी कितने ज्ञानी हैं कि आसानी से विकास रुपी बातों के इस ठन्डे ठन्डे झरनों के नीचे बैठकर पांच साल नहाने का आनंद उठाते रहते हैं। यहाँ बातों का अमल ही बड़ा कमाल का है। जो अमल नही होता यहाँ वही घोषित कर दिया जाता है। अमल करने और करवाने वाले बड़ा उम्दा दिमाग रखते हैं।

जब बातें इंटरनेशनल हों। सुनने वाले का कोई नेशनल - वेशनल ही न हो। तो बातों का विकास हौसले की उड़ान भर लेता है। बातों का रूप भी माशूका की तरह होता है। जहाँ मीठी तथा लुभावनी बातों का मुँह खुला। जनता जनार्दन आशिक बनकर बातों पर फ़िदा हो जाती है। बातों ने ही हर मसले को जन्म दिया है। बातों ने ही हर विरोध को पोषित किया है। जहाँ बातें बनने की होती हैं। वहां बातें ही बात को बिगाड़ देती हैं।

समाज हो या परिवार इन बातों ने ही पतन की तरक्की में चार चाँद लगाएं हैं। बातें न हों तो इंसान अपनी पुश्तैनी बातों का ज़र्रे बराबर भी विकास नही कर सकता। बातें ही हमारी पहचान हैं।बातें ही हमारे इनाम हैं।बातें ही शादियों का डाइवोर्स हैं। बातें ही मोहल्ले के दादा होने की प्रतीक हैं। बातें ही बीमार कुंठित लोंगो का इलाज़ हैं।

बातें ही खुशियों का उपहार हैं। सोचिए बातें न होतीं तो बड़े बड़े राष्ट्रीय मंच न होते। बातें न होती तो नेता न होते।

और नेता न होते तो बातें कब की दफ़न हो गई होतीं। बातों का अपना अलग वक़ार होता है । बातें औरतों की पहचान हैं। बातें जब होती हैं ,तो बातें ही होती हैं। बातें रुकने की रुकने की परंपरा नही निभातीं। बातें हर हाल में अपनी बातों को मनवाने की सलाहियत रखती हैं।

बातें घर घर को आबाद कम नकारात्मक ढंग से बर्बाद ज्यादा करती हैं। बातें जहाँ चाहती हैं ,वहां अपने झंडे गाड़ देती हैं। बातें अपनी बातों से मीडिया से रिश्ता बनाकर चौथे स्तम्भ को मजबूत करती हैं। बातें सियासी दलों में हौसला पैदा करती हैं। कोई दल दलबदल हो जाए तो बातों का बहुत बड़ा योगदान होता है। बातें ही सियासत और सियासतदानों को सियासत करना सिखाती हैं। बातें ही विरोध का स्वर तय करती हैं। आंदोलनों को मजबूत करती हैं।

बातें ही इस संसार को जोडे रखती हैं। बातें ही बातों की गरिमा बनाए रखती हैं। बातें हैं तो सब कुछ है। बिना बातों के बातों की हस्ती के माएने ही क्या ? बातें हैं तो सब कुछ और बातें नही तो कुछ भी नहीं । तो कीजिए न बातें यहाँ हर इंसान सुनने के लिए बेकरार है।

इतिहास

1 अप्रैल का इतिहास भारत और विश्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें 1935 में आरबीआई (RBI) की स्थापना और 1973 में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत मुख्य हैं। आज के दिन 1945 में अमेरिकी सेना ने ओकिनावा पर आक्रमण किया था और 1976 में एप्पल कंप्यूटर कंपनी की स्थापना स्टीव जॉब्स द्वारा की गई थी। 1935: रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने अपना कामकाज शुरू किया 12। 1945: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना ने जापानी द्वीप ओकिनावा पर आक्रमण किया 8। 1973: भारत में बाघों के संरक्षण के लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से 'प्रोजेक्ट टाइगर' शुरू हुआ 12। 1976: स्टीव जॉब्स, स्टीव वोज़नियाक और रोनाल्ड वेन ने Apple Computer Company की स्थापना की 12। 1992: ओडिशा भारत का एक राज्य बना 6। 1929: प्रसिद्ध चेक लेखक मिलन कुंदेरा का जन्म।

1 अप्रैल 2017 से पहले के निवेश के ट्रांसफर से होने वाली आय पर नहीं लागू होगा जीएएआर: सीबीडीटी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इनकम टैक्स नियमों में संशोधन करते हुए जनरल एंटी-अवॉइडेंस रूल्स (जीएएआर) के लागू होने को लेकर स्पष्टता दी है। यह कदम टैक्स से बचने से जुड़े नियमों में अस्पष्टता को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सीबीडीटी ने अपने नोटिफिकेशन में कहा है कि 1 अप्रैल 2017 से पहले किए गए निवेश के ट्रांसफर से होने वाली आय पर जीएएआर लागू नहीं होगा। यह संशोधन 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा।

यह स्पष्टीकरण निवेशकों को, खासकर पुराने निवेश (लेगेसी इन्वेस्टमेंट) के मामलों में, अधिक स्पष्टता और भरोसा देगा, क्योंकि इससे जीएएआर के दायरे को साफ तौर पर परिभाषित किया गया है।

यह फैसला हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मॉरीशस स्थित टाइगर ग्लोबल इंटरनेशनल के खिलाफ दिए गए फैसले के बाद आया है, जिसमें कोर्ट ने 2018 में फ्लिपकार्ट से एग्जिट पर हुए मुनाफे पर आयकर विभाग के टैक्स लगाने के अधिकार को सही ठहराया था।

इस संशोधन को सरकार के उस व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें टैक्स चोरी रोकने के उपायों और एक स्थिर व पूर्वानुमान योग्य टैक्स सिस्टम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है।

इसके अलावा, नए वित्त वर्ष से नया आयकर कानून लागू हो गया है, जिसने 1961 के पुराने कानून की जगह ली है, और इसमें अनुपालन, शब्दावली और टैक्स प्रणाली में कई बदलाव किए गए हैं।

नए ढांचे के तहत एक बड़ा बदलाव 'फाइनेंशियल ईयर' (एफवाई) और 'असेसमेंट ईयर' (एवाई) की जगह एक ही 'टैक्स ईयर' को लागू करना है, जिससे रिटर्न फाइल करना आसान होगा और टैक्सपेयर्स के लिए स्पष्टता बढ़ेगी।

इसके साथ ही, इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की समय-सीमा में भी बदलाव किया गया है। सैलरी पाने वाले लोगों के लिए 31 जुलाई की डेडलाइन पहले की तरह ही रहेगी, जबकि सेल्फ-एम्प्लॉयड और प्रोफेशनल्स जैसे नॉन-ऑडिट मामलों में अब 31 अगस्त तक रिटर्न फाइल किया जा सकेगा।

इस बीच, फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) में ट्रेडिंग पर लगने वाले शुल्क बढ़ा दिए गए हैं, क्योंकि निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए यूनियन बजट में सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) को बढ़ाया गया है।

एक और बड़े बदलाव के तहत, अब कंपनियों के शेयर बायबैक पर टैक्स को 'डिविडेंड' की बजाय 'कैपिटल गेन' के रूप में लिया जाएगा, जिससे प्रमोटर्स और रिटेल निवेशकों, दोनों पर असर पड़ेगा।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 195 रुपये बढ़ाए गए, नई कीमत 2 हजार से अधिक

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष के पहले दिन ही महंगाई का झटका लगा है। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के कारण कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए हैं।

सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों (आयल पीएसयूएस) ने आज, यानी 1 अप्रैल से अपने 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में 195.50 रुपये की बड़ी बढ़ोतरी की है। अब दिल्ली में इस सिलेंडर का दाम बढ़ कर 1883 रुपये से बढ़कर 2078.50 रुपये हो गया है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 1 मार्च को 1768.50 रुपये थे, जो 7 मार्च को बढ़कर 1883 रुपये हो गए थे। इसके बाद अब 195.50 रुपये बढ़कर 2078.50 हो गए हैं। यानी 1 मार्च से अब तक 310 की कुल बढ़ोतरी हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, कोलकाता में आज से 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2208.00 रुपये, मुंबई में 2031.00 रुपये और चेन्नई में 2246.50 रुपये हो गई है।

हालांकि, घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू एलपीजी के दामों में 7 मार्च को 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद से दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम घरेलू सिलेंडर की कीमत 913 रुपये है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा, क्योंकि होटल और रेस्टोरेंट संचालक खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ा सकते हैं।

इसका अर्थ है कि होटल या बाहर खाना महंगा हो सकता है।

दरअसल, ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के चलते पूरी दुनिया के सामने ऊर्जा संकट बढ़ गया है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से गैस और कच्चे तेल की सप्लाई में दिक्कत हो रही है।

इसकी वजह से कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहें है। दुनिया के कई देशों में गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों भारी इजाफा हुआ है। भारत में एलपीजी गैस के दाम युद्ध के बीच अब तक दो बार बढ़ चुके हैं।

यूपीआई आउटेज: विभिन्न शहरों में यूजर्स ने की ट्रांजैक्शन फेल्ड होने की शिकायत, बैंक कर रहे समस्या का समाधान

नई दिल्ली । देश भर में बुधवार को डिजिटल भुगतान सेवाओं में रुकावट देखने को मिली, जिससे कई यूजर्स यूपीआई के माध्यम से ट्रांजेक्शन पूरा नहीं कर पाए।

आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, दिन भर शिकायतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई, जो एक व्यापक समस्या का संकेत देता है।

इसका सबसे ज्यादा असर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर देखा गया, जहां 500 से ज्यादा आउटेज रिपोर्ट दर्ज की गईं, जबकि यूको बैंक में करीब 40 शिकायतें सामने आईं।

कुल मिलाकर, यूपीआई से जुड़ी डाउनटाइम रिपोर्ट्स भी 40 के पार पहुंच गईं और यूजर्स की शिकायतों के साथ यह संख्या लगातार बढ़ती रही।

यह समस्या किसी एक शहर तक सीमित नहीं थी। नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, जयपुर और पुणे जैसे शहरों से यूजर्स ने ट्रांजेक्शन फेल होने और पेमेंट एरर की शिकायत की। एसबीआई के मामले में समस्या ज्यादा व्यापक रही, जहां कोलकाता, गुवाहाटी और चेन्नई से भी शिकायतें सामने आईं। हालांकि बैंक ने कहा है कि वह समस्या का निस्तारण कर रहा है।

वहीं यूको बैंक के यूजर्स को मुख्य रूप से नई दिल्ली, जयपुर और कोलकाता में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कई यूजर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अनुभव साझा किए। कुछ लोगों ने फेल ट्रांजेक्शन को लेकर नाराजगी जताई, जबकि कुछ यह समझ नहीं पाए कि समस्या उनके बैंक में है या उनके फोन में। कई मामलों में ट्रांजेक्शन बीच में ही अटक गए, जबकि कुछ यूजर्स ने बताया कि उनके यूपीआई ऐप्स ठीक से लोड ही नहीं हो रहे थे। इस स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए एसबीआई ने सोशल मीडिया पर बताया कि निर्धारित मेंटेनेंस का समय बढ़ाकर 1 अप्रैल को दोपहर 12:30 बजे तक कर दिया गया है।

बैंक ने चेतावनी दी कि इस दौरान यूपीआई, आईएमपीएस, योनो, इंटरनेट बैंकिंग, एनईएफटी और आरटीजीएस जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी कि इस दौरान वे यूपीआई लाइट, ईरुपी (सीबीडीसी) ऐप और एटीएम सेवाओं का इस्तेमाल करें और हुई असुविधा के लिए खेद जताया।

बैंक ने अंत में कहा, 'हमें हुई असुविधा के लिए खेद है और आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

इस बीच, बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी के बीच देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई के शेयरों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय एनएसई पर बैंक के शेयर 3.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,018 रुपए पर कारोबार करते हुए नजर आए। हालांकि पिछले एक महीने में इसके शेयर 14 प्रतिशत से ज्यादा गिर गए हैं।

भारत की डेटा सेंटर क्षमता 2026 में 30 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत की डेटा सेंटर क्षमता 2026 में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इसकी वजह मजबूत मांग और इस सेक्टर में निवेशकों की रुचि बने रहना है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

सीबीआरई के विश्लेषण के अनुसार, इस वर्ष लगभग 500 मेगावाट के नई डेटा सेंटर क्षमता जोड़े जाने का अनुमान है, जो 2025 में जोड़ी गई रिकॉर्ड 440 मेगावाट की क्षमता से अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के अंत तक घरेलू डेटा सेंटर की कुल क्षमता लगभग 1,700 मेगावाट थी।

इस सेक्टर ने नई पूंजी भी आकर्षित की है और 2025 में 56.4 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं, जिससे कुल निवेश प्रतिबद्धताएं 126 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं।

इन प्रतिबद्धताओं में इस वर्ष लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे यह राशि संभावित रूप से 180 अरब डॉलर से अधिक हो सकती है।

सीबीआरई के अध्यक्ष और सीईओ अंशुमन मैगजीन ने कहा, 'भारत में डेटा सेंटर की कहानी अब संभावनाओं के बारे में नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन के बारे में है।' उन्होंने आगे कहा कि विकास को गति देने में विदेशी पूंजी की प्रमुख भूमिका बनी हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्य निवेश में अग्रणी भूमिका निभाएंगे, हालांकि कम लेटेंसी, 5जी रोलआउट और डेटा स्थानीयकरण की बढ़ती मांग के कारण अहमदाबाद, विशाखापत्तनम, पटना और भोपाल सहित टियर-द्वितीय शहरों में भी गतिविधि तेजी से फैल रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मुंबई सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है - भारत के कुल चालू डेटा सेंटरों में से 50 प्रतिशत से अधिक मुंबई में स्थित हैं।

मुंबई, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु मिलकर कुल क्षमता का लगभग 90 प्रतिशत योगदान करते हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एआई और क्लाउड कंप्यूटिंग से बढ़ती मांग के कारण बिजली के बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे ऑपरेटर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

भारत ने 2025 में रिकॉर्ड 44.5 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी। सीबीआरई के अनुसार, कर प्रोत्साहन, हरित पूंजीगत व्यय समर्थन और नियामकीय सरलीकरण सहित सहायक सरकारी नीतियों से निवेश में और तेजी आने और भारत के एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख डेटा सेंटर केंद्र के रूप में स्थापित होने की उम्मीद है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मार्च की बिक्री में दर्ज की 21 प्रतिशत की जोरदार बढ़त; बेचीं 99,969 गाड़ियां

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बुधवार को बताया कि मार्च 2026 के लिए उसकी कुल ऑटो बिक्री 99,969 वाहनों की रही, जो निर्यात सहित सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। कंपनी के अनुसार, मार्च में घरेलू स्तर पर यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) सेगमेंट में बिक्री 60,272 यूनिट रही, जो 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। वहीं निर्यात सहित कुल यूवी बिक्री 62,109 यूनिट तक पहुंच गई। कमर्शियल व्हीकल (सीवी) सेगमेंट में भी कंपनी ने अच्छा प्रदर्शन किया। मार्च में घरेलू कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 24,928 यूनिट रही, जो 11 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है।

कंपनी के एक्सपोर्ट की बात करें तो चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 40,990 यूनिट हो गया, हालांकि मार्च में एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 4 प्रतिशत घटकर 3,968 यूनिट रहा।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पूरे वित्त वर्ष में कंपनी ने रिकॉर्ड बिक्री हासिल की। एसयूवी सेगमेंट में 6,60,276 यूनिट और 3.5 टन से कम वाले लाइट कमर्शियल व्हीकल में 2,89,597 यूनिट की बिक्री हुई, जो क्रमश: 20 प्रतिशत और 13 प्रतिशत की सालाना बढ़त है। कंपनी के ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने कहा कि मार्च में एसयूवी की 60,272 यूनिट की बिक्री हुई, जो 25 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं 3.5 टन से कम वाले लाइट कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 24,928 यूनिट रही, जो 11 प्रतिशत बढ़ी है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में कंपनी ने केवल यूटिलिटी व्हीकल की बिक्री दर्ज की है और विज्ञप्ति में किसी भी कार या वैन की बिक्री की कोई जानकारी नहीं दी गई।

कमर्शियल व्हीकल और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में, 2 टन से कम वाले एलसीवी की बिक्री 3,526 यूनिट पर स्थिर रही।

मार्च में बंपर बिक्री, कार कंपनियों ने बनाए नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली । देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए मार्च का महीना काफी अच्छा रहा है और इस दौरान कंपनियों ने रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है। इसकी वजह नए लॉन्च और घरेलू बाजारों में मांग मजबूत होना है।

किआ इंडिया ने मार्च में रिकॉर्ड बिक्री है और इस दौरान यह सालाना आधार पर 14.5 प्रतिशत बढ़कर 29,112 यूनिट्स हो गई है। यह कंपनी द्वारा भारत में एंट्री के बाद किसी महीने की गई बिक्री का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

इससे पहले मार्च 2025 में कंपनी ने 25,525 यूनिट्स की बिक्री की थी। कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में 84,316 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 75,576 यूनिट्स से 11.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की बिक्री में मुख्य योगदान किआ सेल्टोस, किआ सोनेट और किआ कैरेंस का रहा। किआ सेल्टोस की मार्च में बिक्री 10,000 यूनिट्स से अधिक रही। मार्च में हुंडई मोटर इंडिया ने भी रिकॉर्ड प्रदर्शन करने वाली कंपनियों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया और घरेलू बाजार में अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री दर्ज की। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कुल 2,08,275 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.7 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान घरेलू बिक्री 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1,66,578 यूनिट्स हो गई, जबकि निर्यात 9.4 प्रतिशत बढ़कर 41,697 यूनिट्स हो गया। केवल मार्च महीने में ही हुंडई ने 69,004 यूनिट्स बेचीं, जिसमें घरेलू बिक्री 6.3 प्रतिशत बढ़कर 55,064 यूनिट्स हो गई, हालांकि, निर्यात में नरमी देखी गई।

मार्च तिमाही में जर्मन कार कंपनी स्कोडा का प्रदर्शन भी अच्छा रहा।

कंपनी ने 2026 की पहली तिमाही में 20,028 कारें बेचीं, जो पिछले साल की इसी अवधि में बेची गई 17,138 यूनिटों की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

यह वृद्धि स्कोडा काइलाक जैसे मॉडलों की मजबूत मांग के कारण हुई, जिसने हाल ही में 50,000 बिक्री का आंकड़ा पार किया, साथ ही स्कोडा कुशाक, स्कोडा स्लाविया और स्कोडा कोडियाक की भी मांग बढ़ी। वहीं, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मार्च में थोक बिक्री में 19 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की।

अदाणी पोर्ट्स की बड़ी उपलब्धि, पार किया 500 मिलियन टन कार्गो का ऐतिहासिक आंकड़ा

अहमदाबाद । अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने बुधवार को बताया कि उसने 500 मिलियन टन कार्गो हैंडलिंग का एक ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है।

साल 1998 में एक पोर्ट के विजन से शुरू हुई यह कंपनी आज भारत और विदेशों में फैले 19 पोर्ट्स और टर्मिनल्स के नेटवर्क तक पहुंच चुकी है। एपीएसईजेड आज भारत के व्यापार, औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, 'पोर्ट्स सिर्फ व्यापार के गेटवे नहीं होते, बल्कि वे देश के आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा और भविष्य के द्वार भी हैं। मैं अपने ग्राहकों, साझेदारों और एपीएसईजेड परिवार के प्रत्येक सदस्य का अभारी हूं, जिनके समर्पण और विश्वास ने इस उपलब्धि को संभव बनाया है।

इसके साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों का भी आभार जताया, जिनकी नीतियों और इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रति प्रतिबद्धता ने एपीएसईजेड की मजबूत नींव तैयार की।

यह उपलब्धि कंपनी के विकास में एक अहम मील का पत्थर है और यह भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास की ताकत को भी दर्शाता है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक मजबूत और आधुनिक लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म के निर्माण की कहानी है।

गौतम अदाणी ने कहा कि 500 मिलियन टन का आंकड़ा पार करना भारत की विकास यात्रा में कंपनी के लंबे भरोसे को दिखाता है। उन्होंने बताया कि एपीएसईजेड ने सिर्फ पोर्ट्स ही नहीं बनाए, बल्कि रेल, सड़क, ट्रकिंग, वेयरहाउस और कार्गो नेटवर्क के साथ एक मजबूत लॉजिस्टिक्स सिस्टम तैयार किया है। 500 मिलियन टन तक पहुंचने का सफर भी काफी खास रहा है। कंपनी को पहले 100 मिलियन टन तक पहुंचने में 16 साल लगे, लेकिन इसके बाद हर 100 मिलियन टन का आंकड़ा पहले से तेजी से हासिल किया गया, जो कंपनी की बढ़ती क्षमता और दक्षता को दिखाता है।

इस उपलब्धि के साथ एपीएसईजेड अब 2030 तक 1 बिलियन टन कार्गो हैंडलिंग के अपने अगले बड़े लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है।

कंपनी वर्तमान में भारत के पश्चिम, दक्षिण और पूर्वी तटों पर 15 प्रमुख पोर्ट्स और टर्मिनल्स का संचालन करती है।

जयंती विशेषः नास्त्रेदमस ने दुनिया को डराया और उलझाया भी, विपरीत परिस्थितयों ने गढ़ा ये भविष्यवक्ता

नई दिल्ली। जब भी नया साल कुछ फर्लांग की दूरी पर होता है तो दो भविष्यवक्ताओं की चर्चा खूब होने लगती है। उनकी भविष्यवाणियों का निहितार्थ निकाला जाने लगता है। जिन्में से एक हैं बाबा वेंगा और दूसरे हैं 14 दिसंबर 1503 को जन्मे नास्त्रेदमस। नास्त्रेदमस की पैदाइश फ्रांस के छोटे से कस्बे सेंट-रेमी-डी-प्रोवॉन्स की है। ऐसे शख्स रहे जिनकी कलम सदियों बाद भी दुनिया को उलझाए रखती है। वह आदमी जिन्हें कुछ लोग दूरदर्शी भविष्यवक्ता कहते हैं, कुछ रहस्यवादी कवि, और कुछ सिर्फ एक बेहद बुद्धिमान चिकित्सक और खगोलशास्त्री।

मिशेल द नोस्त्रेदाम, यानी नॉस्ट्राडेमस (नास्त्रेदमस), जब बड़े हो रहे थे तो यूरोप महामारियों, युद्धों और राजनीतिक उथल-पुथल से भर चुका था। शायद इसी माहौल ने उनके भीतर वह बेचैनी जगाई जो भविष्य को समझने की कोशिश करती है। युवा नोस्त्रेदाम ने गणित, खगोलशास्त्र और औषधि विज्ञान की पढ़ाई की और प्लेग जैसी महामारी के दौरान लोगों का इलाज किया। उस समय जब डॉक्टर भी रोगियों के पास जाने से घबराते थे, नॉस्ट्राडेमस बिना डरे सफर करते और लोगों की जान बचाने की कोशिश करते। उनके इसी मानवीय काम ने उन्हें पहली पहचान दी। लेकिन दुनिया उन्हें इसलिए याद नहीं रखती। उनकी असली ख्याति 1555 में आई, जब उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'ले प्रोफेसीज' लिखी, जिसमें सैकड़ों चार-पंक्तियों (चौपाइयों) वाली रहस्यमयी कविताएं हैं, जिनमें भविष्य की घटनाओं के संकेत दिए गए थे। इन पंक्तियों की भाषा इतनी प्रतीकात्मक और धुंधली थी कि लोग हर दौर में इन्हें अपने समय की घटनाओं से जोड़ते रहे। किसी ने कहा उन्होंने नेपोलियन का उदय बताया, किसी ने दावा किया कि हिटलर की आंधी का जिक्र उनकी कविताओं में मिलता है। आधुनिक समय में भी कई लोग 9/11 से लेकर प्राकृतिक आपदाओं तक को उनकी भविष्यवाणियों से जोड़ते हैं, जबकि विद्वान इस पर हमेशा बहस करते रहते हैं कि क्या यह सच है या सिर्फ संयोग।

दिलचस्प बात यह है कि नॉस्ट्राडेमस ने खुद अपनी कविताओं को किसी चमत्कारी भविष्यवाणी के रूप में प्रस्तुत नहीं किया। वे ज्योतिष, इतिहास और अपने समय की राजनीतिक परिस्थितियों को मिलाकर भविष्य के बारे में अनुमान लगाते थे। उनके लेखन की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे रहस्य पैदा करना जानते थे। थोड़ी-सी धुंध, कुछ अस्पष्ट संकेत, और दुनिया सदियों तक उलझी रहती है, शायद यही नॉस्ट्राडेमस का सबसे बड़ा हुनर था।

उनकी जिंदगी भी उतनी ही दिलचस्प थी जितनी उनकी रहस्यमयी कविताएं। वे एक सम्मानित चिकित्सक थे, राजा-रानियों के सलाहकार बने, और अपनी विद्वत्ता के कारण यूरोप भर में प्रसिद्ध हुए। लेकिन हर प्रसिद्धि कुछ भय भी लाती है; धार्मिक कट्टरपंथियों को उनके विचार पसंद नहीं आए और कई बार वे आरोपों के घेरे में आए। फिर भी उन्होंने अपने काम को जारी रखा और अपनी किताबों को लगातार अपडेट करते रहे।

कोशिकाओं का 'ब्लैक बॉक्स' बन गया! अब सेल अपनी पुरानी कहानी खुद बताएंगे

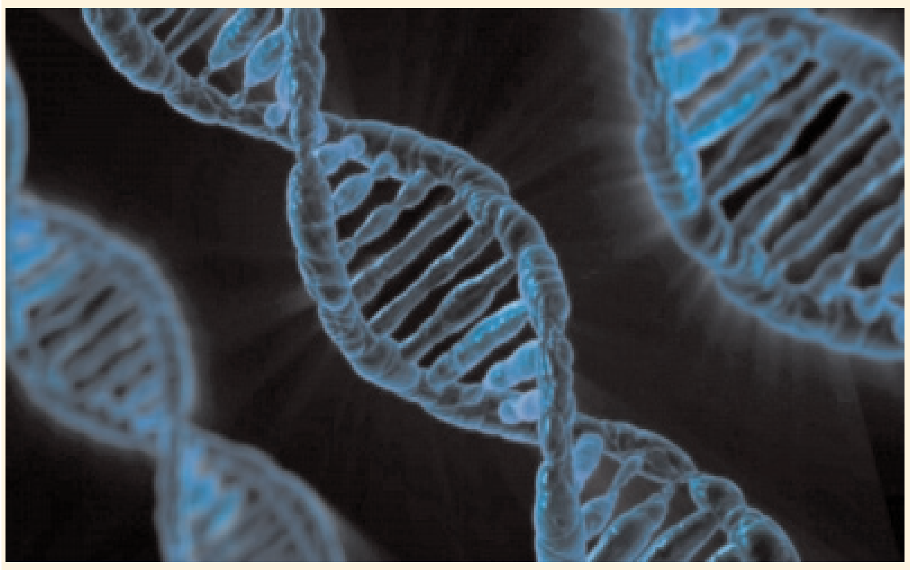

नई दिल्ली। कोशिकाओं के 'ब्लैक बॉक्स' की जानकारी वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च के बाद साझा की है। एक ऐसा डिब्बा जो सेल्स की हर गतिविधि पर पारखी नजर बनाए रखेगा। इसे गढ़ने के पीछे की कहानी बड़ी रोचक है।

जनवरी 2026 में प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित एक बेहद दिलचस्प स्टडी ने विज्ञान की दुनिया में नई दिशा खोल दी है। इस रिसर्च को वैज्ञानिक यू-काय शाओ और उनकी टीम ने किया, जिसमें उन्होंने एक अनोखी तकनीक विकसित की—जिसे 'टाइम वोल्ट' नाम दिया गया है। यह तकनीक जीवित कोशिकाओं के लिए एक तरह का 'ब्लैक बॉक्स' साबित हो रही है।

आसान भाषा में समझें तो, जैसे हवाई जहाज में ब्लैक बॉक्स उड़ान के दौरान होने वाली हर गतिविधि को रिकॉर्ड करता है, वैसे ही टाइम वोल्ट कोशिकाओं के अंदर होने वाली जीन गतिविधियों (जीन एक्टिविटी) को रिकॉर्ड कर सकता है। फर्क बस इतना है कि यह कोई मशीन नहीं, बल्कि कोशिका के भीतर काम करने वाली जैविक प्रणाली है।

अब तक वैज्ञानिकों के पास ऐसी तकनीकें थीं, जिनसे वे केवल यह देख सकते थे कि किसी कोशिका में इस समय क्या हो रहा है। यानी उन्हें सिर्फ एक 'फोटो' या झलक मिलती थी। लेकिन यह समझ पाना मुश्किल था कि कुछ समय पहले उस कोशिका के अंदर क्या बदलाव हुए थे, जिनकी वजह से वह आगे जाकर किसी खास स्थिति में पहुंची—जैसे बीमार होना या दवा के असर से बच जाना।

यहीं टाइम वोल्ट गेमचेंजर बनकर सामने आया है। यह तकनीक कोशिका के अंदर मौजूद एमआरएनए (मैसेंजर आरएनए) को एक निश्चित समय पर कैप्चर करके सुरक्षित रख लेती है। एमआरएनए असल में वह संदेश होता है, जो यह बताता है कि कौन-सा जीन कब और कैसे काम कर रहा है। टाइम वोल्ट इन संदेशों को कोशिका के अंदर मौजूद खास 'वोल्ट पार्टिकल्स' में स्टोर कर देता है, जिससे वे कई दिनों तक सुरक्षित रहते हैं। सबसे खास बात यह है कि यह रिकॉर्डिंग बाद में भी पढ़ी जा सकती है। यानी वैज्ञानिक कुछ दिनों बाद उस कोशिका का 'अतीत' देख सकते हैं और समझ सकते हैं कि पहले कौन-कौन से जीन सक्रिय थे और उन्होंने आगे चलकर क्या असर डाला। इस तकनीक का इस्तेमाल खासतौर पर फेफड़ों के कैंसर पर किया गया। शोध में पाया गया कि कुछ कैंसर कोशिकाएं दवा दिए जाने से पहले ही ऐसी स्थिति में होती हैं, जो उन्हें बाद में दवा के असर से बचने में मदद करती है। इन कोशिकाओं को 'पर्सिस्टर सेल्स' कहा जाता है।

टाइम वोल्ट की मदद से वैज्ञानिकों ने ऐसे कई जीन की पहचान की, जो पहले नजर नहीं आते थे, लेकिन ड्रग रेजिस्टेंस विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। जब इन जीन को टारगेट किया गया, तो दवा के असर से बचने वाली कोशिकाओं की संख्या कम हो गई।

यह खोज कैंसर के इलाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अब वैज्ञानिक पहले से ही यह अनुमान लगा सकते हैं कि कौन-सी कोशिकाएं आगे चलकर दवा से बच सकती हैं, और उसी हिसाब से इलाज की रणनीति तैयार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, टाइम वोल्ट ने जीव विज्ञान में एक नई खिड़की खोल दी है। अब कोशिकाएं सिर्फ अपनी मौजूदा हालत ही नहीं, बल्कि अपना अतीत भी 'सहेजकर' रख सकती हैं—और यही जानकारी भविष्य में बेहतर इलाज के लिए वरदान साबित हो सकती है।

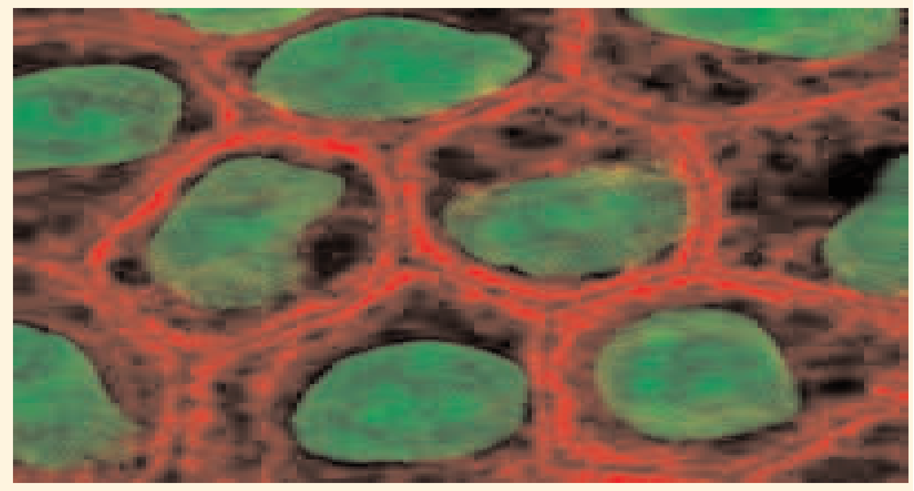

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताहः बनारसी साड़ी की परंपरा, बुनाई और वैश्विक पहचान

वाराणसी। काशी या वाराणसी प्राचीन समय से भारत के सबसे प्रमुख हस्तशिल्प केंद्रों में से एक रहा है। इस शहर की पहचान विश्व प्रसिद्ध बनारसी साड़ी से है, जो न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में अपनी भव्यता और बारीक कारीगरी के लिए पसंद की जाती है। अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आयोजन 8 से 14 दिसंबर तक चलता है। इस मौके पर बनारसी साड़ी और उसकी बुनाई के बारे में जानते हैं। बनारसी साड़ी को जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग मिल चुका है, जो इसकी प्रामाणिकता और विशिष्टता की गारंटी देता है। इसके अलावा, यह काशी ब्रासवेयर, कॉपरवेयर, ग्लास बैंगल्स, लकड़ी-पत्थर-मिट्टी के खिलौने और आभूषण के लिए भी जाना जाता है। वाराणसी की ये पारंपरिक कलाएं न केवल रोजगार देती हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर को नई दिशा भी दे रही हैं।

वाराणसी के हस्तशिल्प में बनारसी साड़ी को उच्च स्थान प्राप्त है। इसका इतिहास सदियों पुराना है। रामायण काल से भारतीय साड़ियों का उल्लेख मिलता है, लेकिन बनारसी ब्रोकेड की शुरुआत मुगल काल में हुई। मुगलों ने फारसी प्रभाव के साथ जरी और बारीक बुनाई की कला को आगे बढ़ाने में सहयोग किया। आज की बनारसी साड़ियां मुगल और भारतीय डिजाइनों का अनोखा मिश्रण हैं। इनमें सोने-चांदी की जरी से फूल-पत्तियां, मोर, आम, हाथी-घोड़े, कलगा, बेल और जाली जैसे जटिल पैटर्न बुने जाते हैं। कधवा बुनाई से तैयार साड़ियां भी खूब जंचती हैं। पारंपरिक हथकरघे पर बुनाई को 'कधवा' या 'ब्रोकेड' तकनीक कहा जाता है, जिसमें मोटिफ उभरे हुए दिखते हैं। बढ़ती मांग के कारण अब पावर लूम का भी उपयोग हो रहा है, लेकिन हाथ से बुनी साड़ियां अभी भी सबसे मूल्यवान और खूबसूरत मानी जाती हैं।

वाराणसी का एमएसएमई क्षेत्र इन पारंपरिक शिल्पों पर टिका है। यहां कई छोटे उद्यम और कारीगर बनारसी साड़ी, कालीन और खिलौने बनाते हैं। ये उत्पाद स्थानीय परंपरा और आधुनिक डिजाइनों का सुंदर संगम पेश करते हैं। भारतीय हस्तशिल्प कला के विश्व स्तर पर प्रतीक बनी बनारसी साड़ियों के साथ ही इन उत्पादों की देश-विदेश में भारी मांग है। उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट पर भी बनारसी साड़ी की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है, जो इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देती है। हस्तशिल्प न केवल वाराणसी बल्कि पूरे भारत की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के इंडियन ट्रेड पोर्टल पर मिली जानकारी के अनुसार, देश में सात मिलियन से अधिक कारीगर इस क्षेत्र में कार्यरत हैं, जिनमें 56 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं हैं। 744 हस्तशिल्प क्लस्टर हैं, जहां 2 लाख से अधिक कारीगर काम करते हैं और 30 हजार से ज्यादा उत्पाद बनते हैं। वाराणसी के साथ ही सूरत, आगरा, लखनऊ, सुल्तानपुर और भदोही जैसे शहर प्रमुख केंद्र हैं।

पीटर ओ'टूलः ऑस्कर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड इनके नाम, 8 बार नामांकित लेकिन कभी नहीं जीता

नई दिल्ली। दुनिया ने पीटर ओ'टूल को 14 दिसंबर 2013 को खो दिया। हॉलीवुड का वो अभिनेता जिसने अभिनय को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि उसे सांस की तरह जिया। लॉरेंस ऑफ अरेबिया जैसी महान फिल्मों से दुनिया भर में पहचाने जाने वाले ओ'टूल का जीवन उतना ही नाटकीय था जितना उनके किरदार।

आयरलैंड में जन्मे पीटर का शुरुआती जीवन गरीबी, उथल-पुथल और अनिश्चितताओं से भरा था। थिएटर के मंच से हॉलीवुड तक का सफर आसान नहीं था, लेकिन उनमें एक आग थी। कला के लिए पागलपन जैसी ललक स्पष्ट दिखती थी। यही उन्हें भीड़ से अलग कर देती थी। वे जब कैमरे के सामने आते, तो लगता कि किरदार उनके भीतर की किसी दूसरी दुनिया से बाहर आ रहा है। उनके अभिनय में ऐसा तेज था कि दर्शक उनकी आंखों में छुपा दर्द, गुस्सा, रोमांच और बेचैनी सब महसूस कर लेते थे।

लेकिन जितनी रोशनी परदे पर थी, उतनी ही तन्हाई उनके निजी जीवन में थी। शराब ने उनके स्वास्थ्य को छलनी कर दिया, रिश्तों ने उन्हें टूटने से बचाने की कोशिश की लेकिन वे खुद से लगातार लड़ते रहे। उनके अंदर एक कलाकार था जो हर दिन दुनिया से आगे निकल जाना चाहता था, और एक इंसान था जो धीरे-धीरे अपनी ही परछाइयों में खोता जा रहा था। यही विरोधाभास पीटर ओ'टूल को इतना असाधारण बनाता है।

वे आठ बार ऑस्कर के लिए नामांकित हुए, लेकिन एक बार भी जीत नहीं पाए। फिर भी हॉलीवुड ने एक अनोखा सम्मान दिया—ऑनरेरी एकेडमी अवॉर्ड (मानद ऑस्कर अवॉर्ड)—क्योंकि ओ'टूल ने वह हासिल किया था जो ट्रॉफियां नहीं माप सकतीं और वह है दर्शकों के दिलों में बसने का हुनर। उन्होंने यह पुरस्कार अनमने भाव से स्वीकार किया, क्योंकि उन्हें लगता था कि अभी भी उनके भीतर बहुत कुछ बाकी है, कि उनका सफर अभी खत्म नहीं हुआ। यह जिद, यह जज्बा, यही उन्हें प्रेरक बनाता है। अंतिम दिनों में वे अस्पताल के कमरे में थे, जहां रोशनी की जगह खामोशी का साया था। लेकिन दुनिया जानती थी कि यह वही आदमी है जिसने कैमरे की हर रोशनी को अपने अंदर जज्ब कर लिया था। 14 दिसंबर को जब उनका दिल धड़कना बंद हुआ, तो हॉलीवुड ने सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक दौर खो दिया—वह दौर जब कला दिल की गहराइयों से निकलती थी, और अभिनेता किरदारों की आत्मा बन जाते थे।

पीटर ओ'टूल की कहानी इसलिए दुखद है क्योंकि यह उस प्रतिभा की कहानी है जो अपनी ही आग में धीरे-धीरे जलती गई। वे चले गए, पर पर्दे पर उनकी आंखें आज भी चमकती हैं, जैसे कह रही हों—असली कलाकार कभी पूरी तरह विदा नहीं होते।

खार्ग ईरान-अमेरिका दोनों के लिए जरूरी, कब्जा आसान नहीं: पूर्व राजनयिक वीणा सिकरी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा कि वह 'ईरान का तेल अपने कब्जे में लेना' चाहते हैं और खार्ग द्वीप पर भी नियंत्रण कर सकते हैं। यह वही द्वीप है जहां से ईरान का अधिकतर तेल निर्यात होता है। वहीं ईरान भी इस पर अपने वर्चस्व खोना नहीं रखता। अमेरिका जो चाहता है वह क्या आसान है?

बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त रहीं वीणा सिकरी के अनुसार ये आसान नहीं।

आईएएनएस के सवाल का जवाब देते हुए सिकरी बोलीं, 'ये सही है कि ईरान का 90 फीसदी निर्यात यहां से होता है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ईरान पीछे से सप्लाई बंद कर देगा लेकिन सच्चाई तो ये भी है कि इससे उसकी अपनी आमदनी पर असर पड़ेगा। नुकसान तो होगा। वहीं अगर अमेरिका आगे बढ़ने की कोशिश करता है तो नुकसान उसे भी कम नहीं होगा क्योंकि इस द्वीप की भौगोलिक स्थिति कुछ ऐसी है कि अंदर 600-800 किलोमीटर तक जाना पड़ता है। नुकसान दोनों का है। एक्सपर्ट नुकसान का जोखिम बता रहे हैं। सवाल कि क्या जो हो रहा है उसे हम 'लिमिटेड' या सीमित युद्ध के दायरे में डाल सकते हैं? इस पर सिकरी बोलीं, 'नहीं, ये लिमिटेड युद्ध नहीं है। हाल ही में 900 किलोग्राम इस्फाहान (ईरान का शहर) पर बम फेंका गया।

उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल इस संघर्ष के दो स्टेज हो सकते हैं: खार्ग आइलैंड पर 'ट्रूप्स ऑन द ग्राउंड', 90 प्रतिशत निर्यात होता है, जिस पर अमेरिका पहले कब्जे की कोशिश की बात कह रहा था। बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को ट्रंप देश के नाम संबोधन करेंगे। लोग सोच रहे हैं कि वो क्या कहेंगे, ईरान छोड़कर जा रहे हैं कि उनके ट्रूप्स जमीन पर उतर कर सामना करेंगे।

सिकरी ने इसके साथ ही अमेरिका की सैन्य ताकत के बारे में बताया। उन्होंने कहा 'उनके गल्फ में 40 हजार सैनिक हैं, पैराटूपर्स 3 हजार हैं, 2 बड़ी-बड़ी शिप आई हैं, और नौसैनिकों की अच्छी खासी संख्या है। एंफिबियस असॉल्ट ग्रुप हैं। 50 हजार ट्रूप्स इस क्षेत्र में तैनात हैं, तो हो सकता है वो हमले की योजना बना सकते हैं। या तो लैंड अटैक की घोषणा होगी या तो छोड़ के जाने का ऐलान कर सकते हैं।'

होर्मुज क्या वाकई में बाकी देशों के लिए चोक प्वाइंट बन गया है? इस पर सिकरी बोलीं- 'ये बहुत गंभीर चोक प्वाइंट है। गल्फ या बाकी देशों के ईंधन, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, गैस यहीं से जाता है। यहां ईरान की सेना तैनात है। उन्होंने इसका पूरा लाभ भी उठाया है। दिखाया है कि समुद्री बारूद से उड़ाकर या छोटी नाव से हमला कर सकते हैं। उन्होंने इसको काफी हद तक प्रयोग किया है। ट्रंप कह रहे थे पहले इस पर कब्जा करेंगे लेकिन नहीं कर पाए। तो मान कर चलें कि ईरान मोलभाव करना चाहता है। टैक्स मॉडल उसका सबको पसंद नहीं आएगा। लेकिन ये भी सही है कि बात तो करनी ही पड़ेगी।

ईरान की 'दाम बढ़ाओ, समय खींचो' रणनीति क्या प्रभावी साबित हुई और खासकर तब जब अमेरिका लंबा युद्ध नहीं चाहता? इस सवाल पर पूर्व राजनयिक बोली, 'उन्होंने पहले ये सोचा था कि लंबा नहीं होगा। सोचा था कि 28 फरवरी को सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत हो जाएगी और फिर सब खत्म हो जाएगा। लेकिन आईआरजीसी ने लगातार गल्फ पर हमले जारी रखे। विकेंद्रीकरण किया। अमेरिकी बेस पर हमला किया। हालांकि सूचना पर पाबंदी लगाई गई है, लेकिन जो खबर आ रही है, उसके अनुसार अमेरिकी बेस को नुकसान पहुंचा है। इजरायल के आयरन डोम को भी नष्ट किया है तो ये सब समस्याएं तो हैं। ऐसा उन्होंने सोचा नहीं था। अब ईरान अपनी स्थिति सुदृढ़ करना चाहता है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मूज पर कब्जा चाहता है, मिडिल ईस्ट छोड़ के जाने को अमेरिका को कह रहा है। जहां तक अमेरिका के 15-पॉइंट प्लान की बात है, वो तो पिछले साल जून से ही चली आ रही है। अभी बातचीत किसी खास नतीजे पर नहीं पहुंची है।

अमेरिका के अंदर बढ़ती युद्ध लागत और टैक्सपेयर्स पर बोझ क्या ट्रंप के फैसलों को सीमित कर सकता है? सवाल के जवाब में पूर्व राजदूत बोलीं, 'वाकई संघर्ष का नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। 60 फीसदी लोग विरोध में हैं। आम लोगों के लिए पेट्रोलियम और गैस की कीमतें मायने रखती हैं। पेट्रोलियम का मूल्य 1 डॉलर पर गैलन बढ़ गया है। महंगाई बढ़ी है। जो युद्ध के खिलाफ है उसकी तादाद बढ़ जाएगी। अगर स्थिति और बिगड़ती है, तो भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीति के स्तर पर क्या रणनीति अपनानी चाहिए? इस पर वीणा सिकरी ने कहा कि भारत ने अपनी तैयारी पूरी रखी है। हमारी सरकार काफी गंभीर है।

जब स्वर साधना बनी जीवन-साधना, ओंकारनाथ ठाकुर की अमर विरासत

नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत के लिए 29 दिसंबर एक ऐसी तिथि है जब स्वर, साधना और संस्कार का एक युग मौन हो गया। साल 1967 में प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री, संगीतज्ञ और हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन के अप्रतिम साधक पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने इस दिन संसार से अलविदा कह दिया था। हालांकि, उनका गाया हुआ स्वर भारतीय चेतना में आज भी गूंजता है। ओंकारनाथ ठाकुर केवल एक गायक नहीं थे, वे संगीत को जीवन और जीवन को साधना मानने वाले व्यक्तित्व थे।

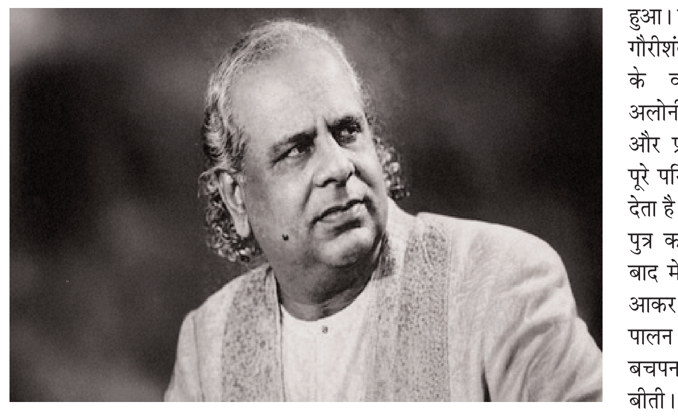

पचास और साठ के दशक में पंडित ओंकारनाथ ठाकुर की महफिलें देश के मंचों पर छाई रहती थीं। उनकी गायकी में शास्त्रीय अनुशासन के साथ ऐसी रंजकता होती थी कि सामान्य श्रोता भी उनका मुरीद बन जाता था। ग्वालियर घराने से जुड़े इस महान कलाकार ने शास्त्र और भाव के बीच ऐसी सेतु-रेखा खींची, जो उन्हें तत्कालीन संगीत परिदृश्य का सबसे आकर्षक व्यक्तित्व बना देती है।

ओंकारनाथ ठाकुर का जन्म 24 जून 1897 को बड़ोदा राज्य (वर्तमान गुजरात) के एक गरीब परिवार में हुआ। उनके दादा महाशंकर और पिता गौरीशंकर नाना साहब पेशवा की सेना के वीर योद्धा थे। पिता का अलोनीबाबा नामक योगी से संपर्क और प्रणव-साधना की ओर झुकाव पूरे परिवार के जीवन की दिशा बदल देता है। उसी साधना के प्रभाव से जन्मे पुत्र का नाम ओंकारनाथ रखा गया। बाद में परिवार नर्मदा तट पर भड़ौच आकर बस गया। यहीं उनका लालन-पालन और प्रारंभिक शिक्षा हुई। बचपन और किशोरावस्था अभावों में बीती। परिवार के भरण-पोषण के लिए उन्हें मिल में नौकरी करनी पड़ी। महज 14 वर्ष की आयु में पिता का साया सिर से उठ गया। लेकिन, यही संघर्ष आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की सबसे मजबूत नींव बना। भड़ौच के एक संगीत-प्रेमी सेठ ने किशोर ओंकारनाथ की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें संगीत-शिक्षा के लिए बंबई के विष्णु दिगम्बर संगीत महाविद्यालय भेजने का सुझाव दिया। यहीं से उनके जीवन की दिशा तय हो गई। पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के मार्गदर्शन में उन्होंने पांच वर्ष का पाठ्यक्रम मात्र तीन वर्षों में पूरा कर लिया और फिर गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत गहन साधना की। बीस वर्ष की आयु में ही वे इतने पारंगत हो गए कि उन्हें लाहौर के गान्धर्व संगीत विद्यालय का प्रधानाचार्य नियुक्त कर दिया गया। 1934 में मुंबई में उन्होंने 'संगीत निकेतन' की स्थापना की, जो उनके शिक्षाशास्त्री व्यक्तित्व का सशक्त प्रमाण था।

जब खबर कविता बन गई, हिन्दी साहित्य का संवेदनशील चेहरा

नई दिल्ली। साल था 1990 और तारीख थी 30 दिसंबर, जब हिन्दी साहित्य ने अपना वह कवि खो दिया, जिसने कविता को अखबार की सुर्खियों से उठाकर जनजीवन की पीड़ा का आईना बना दिया। उस शख्सियत का नाम था, रघुवीर सहाय। वह केवल एक कवि नहीं थे, वे आधुनिक हिन्दी कविता के संवेदनशील चेहरे थे, जिसकी नजर सड़क, चौराहा, दफ्तर, संसद, से लेकर बाजार तक फैली हुई थी।

कहा जा सकता है कि सहाय की हर कविता में खबर थी, लेकिन वह सनसनी नहीं थी।

रघुवीर सहाय का जन्म 9 दिसंबर 1929 को लखनऊ में हुआ। लखनऊ में ही उनकी संपूर्ण शिक्षा हुई और 1951 में उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एमए किया। पेशे से पत्रकार रघुवीर सहाय ने प्रतीक में सहायक संपादक के रूप में काम किया, आकाशवाणी के समाचार विभाग से जुड़े, हैदराबाद से प्रकाशित पत्रिका कल्पना के संपादन में रहे और कई वर्षों तक दिनमान का संपादन किया। पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता और संपादन उनके रचनात्मक व्यक्तित्व के अहम हिस्से रहे।

कविता में उनका प्रवेश अज्ञेय द्वारा संपादित दूसरा सप्तक के साथ हुआ। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी कविता की जड़ें समकालीन यथार्थ में हैं। दूसरा सप्तक में अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा था कि विचारवस्तु का कविता में खून की तरह दौड़ते रहना कविता को जीवन और शक्ति देता है और यह तभी संभव है जब हमारी कविता की जड़ें यथार्थ में हों।।

रघुवीर सहाय का सौंदर्यशास्त्र खबरों का सौंदर्यशास्त्र है। उनकी भाषा खबरों की भाषा पारदर्शी, टूक और निरावरण है। उनकी कविताओं में प्रतीकों और बिंबों का उलझाव नहीं, बल्कि वक्तव्य, विवरण और संक्षेप-सार है। जैसे खबर में भाषा जितनी पारदर्शी होती है, उतनी ही उसकी संप्रेषणीयता बढ़ती है, वैसे ही रघुवीर सहाय कविता के लिए भी एक पारदर्शी भाषा लेकर आते हैं। रोजमर्रा की तमाम खबरें उनकी कविताओं में उतरकर मानवीय पीड़ा की अभिव्यक्ति बन जाती हैं।

उनके काव्य-संसार में आत्मपरक अनुभवों से अधिक जनजीवन के अनुभवों की रचनात्मक अभिव्यक्ति दिखाई देती है। सहाय मानते थे कि अखबार की खबरों के भीतर दबी और छिपी हुई अनेक खबरें होती हैं, जिनमें मानवीय पीड़ा दब जाती है। उस पीड़ा को सामने लाना कविता का दायित्व है। इसी दृष्टि के अनुरूप उन्होंने अपनी नई काव्य-भाषा विकसित की, अनावश्यक शब्दों से बचते हुए, भयाक्रांत अनुभवों की आवेगरहित अभिव्यक्ति के साथ। उन्होंने मुक्त छंद के साथ-साथ छंद में भी काव्य-रचना की और कई बार कथा या वृत्तांत के सहारे जीवनानुभवों को कविता में ढाला। कविता के अलावा रघुवीर सहाय ने कहानी, निबंध और अनुवाद के क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। सीढ़ियों पर धूप में, रास्ता इधर से है और जो आदमी हम बना रहे हैं में उनकी कहानियां संकलित हैं। दिल्ली मेरा परदेस, लिखने का कारण, ऊबे हुए सुखी, वे और नहीं होंगे जो मारे जाएंगे तथा भंवर लहरें और तरंग उनके निबंध-संग्रह हैं।

उनके प्रमुख काव्य-संग्रहों में दूसरा सप्तक (1951), सीढ़ियों पर धूप में (1960), आत्महत्या के विरुद्ध (1967), हंसो, हंसो जल्दी हंसो (1975), लोग भूल गए हैं (1982), कुछ पते कुछ चिट्ठियां (1989) और एक समय था (1994) शामिल हैं। कविता-संग्रह लोग भूल गए हैं के लिए उन्हें 1984 का साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला। वर्ष 2000 में प्रकाशित छह खंडों की रघुवीर सहाय रचनावली में उनकी लगभग सभी कृतियां संकलित हैं।

सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल, बोलीं- 'शूटिंग करने आई थीं, लेकिन शहर के आकर्षण में खो गई'

मुंबई । फिल्म और म्यूजिक की दुनिया में अक्सर शूटिंग लोकेशन्स कलाकारों के लिए बेहद खास होती हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री मौनी रॉय ने किया, जब उन्होंने सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो 'सॉसी' की शूटिंग की। इस गाने में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है।

मौनी रॉय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास बन गया। उन्होंने कहा, ' 'इस खूबसूरत देश को पहली बार एक्सपीरियंस करना और उसी दौरान शूटिंग करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी। मौनी ने कहा, ' 'शूटिंग के दौरान मैं शहर के अलग-अलग हिस्सों में गई और हर जगह का अलग ही अनुभव था। कभी शहर बहुत तेज रफ्तार और हलचल भरा लगता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। धीरे-धीरे मुझे इस शहर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मैं यहां काम करने आई थी, लेकिन इस शहर के आकर्षण में कहीं खो सी गई। मैं दोबारा जरूर सिंगापुर आना चाहूंगी।

गाना 'सॉसी' गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम 'वॉकिंग ऑन वॉटर' का हिस्सा है। डिवाइन ने इस गाने को लेकर कहा कि वह एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जिसे लोग आसानी से सुन सकें और अच्छा महसूस करें। यह गाना एक अलग तरह की वाइब देता है, जिसमें म्यूजिक और एनर्जी दोनों है। उन्होंने कहा, 'रियार साब के साथ मेरी केमिस्ट्री हमेशा अच्छी रही है और मौनी रॉय के साथ काम करने से यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया। जब शूटिंग के लिए लोकेशन तय की जा रही थी, तो सिंगापुर सबसे सही जगह लगा।

बर्फीले पहाड़ों के बीच 'स्वर्ग' सा अहसास, चांगू झील के दीदार में खोईं टिस्का चोपड़ा

मुंबई । अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा इन दिनों परिवार के साथ सिक्किम की सैर पर हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की कुछ यादगार तस्वीरें शेयर कीं और सभी को वहां के मनमोहक नजारे से रूबरू कराया।

पोस्ट की गई तस्वीरों में टिस्का अपने पति के साथ नजर आ रही हैं। वे वहां के बर्फीले इलाकों का जमकर आनंद उठा रही हैं। टिस्का ने पोस्ट कर लिखा कि वे अभी भी सिक्किम की प्राकृतिक सुंदरता और लुभावने नजारों में खोए हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'आज हमने चांगू झील (जिसे स्थानीय रूप से त्सोमो झील भी कहा जाता है) का दीदार किया। यह झील समुद्र तल से करीब 12,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस समय बर्फ पिघलनी शुरू हुई है, जिससे झील का नजारा और भी शानदार व आकर्षक लग रहा है। चारों तरफ बर्फीले पहाड़ों के बीच यह झील स्वर्ग जैसा अनुभव करा रही है। टिस्का ने झील के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'इसका स्थानीय नाम 'त्सोमो' भूटिया भाषा से आया है, 'त्सो' यानी झील और 'म्गो' यानी स्रोत। यह नाम बर्फ के पिघलने से बनने वाले पानी की ओर इशारा करता है, जो झील को अपना पानी प्रदान करता है।

'सुबह सही तो सब सही', सामंथा रूथ प्रभु ने शेयर किया अपना 'पावर मॉर्निंग' रूटीन

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी 'पावर मॉर्निंग' रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है।

सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ। उन्होंने इसे 'पावर मॉर्निंग' नाम दिया।

सामंथा ने कहा, ' 'अगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है।

वीडियो में सामंथा ने कहती है, ' 'कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।

सामंथा ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ' 'सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस और बढ़ जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है।

अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद एक घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए।

इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा, ' 'उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है।

इस वीडियो के कैप्शन में सामंथा ने लिखा, 'इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।

सोना मोहपात्रा ने उत्कल दिवस पर अपनी जड़ों को किया नमन

मुंबई । मशहूर गायिका सोना मोहपात्रा ने अपनी दमदार आवाज से दुनियाभर में सुर्खियां बटोरी हैं। गायिका ने उत्कल दिवस के अवसर पर ओडिशा में अपनी जड़ों को दिल से नमन किया और राज्य की समृद्ध कलात्मक विरासत को उजागर किया।

सोना ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी कला की जड़ों का खुलासा किया। उन्होंने लिखा, 'यह है रघुराजपुर, मेरे राज्य ओडिशा का एक कलाकार गांव। यहां कला को सिर्फ बनाया नहीं जाता बल्कि यह पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत में मिलती है। मैं इसी पवित्र धरती से आई हूं, जहां कला कोई रोजगार नहीं बल्कि एक प्रार्थना और भक्ति है। सोना ने बताया कि रघुराजपुरा गांव में हर घर एक छोटी कार्यशाला जैसा है। यहां कई कलाकार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके हैं। हर कलाकार सदियों पुरानी परंपराओं का संरक्षक हैं। पतचित्रा, मूर्तिकला और अन्य पारंपरिक कलाओं को ये लोग जीवित रखे हुए हैं।

उत्कल दिवस (ओडिशा स्थापना दिवस) के मौके पर सोना ने अपनी जड़ों को नमन किया। उन्होंने लिखा, 'ओडिशा की इस धरती पर कला में बेजोड़ कौशल, विस्तार, अनुशासन और आत्मा दिखती है। यहां हम सिर्फ सुंदरता को नहीं अपनाते, बल्कि खुद सुंदरता बन जाते हैं।

सोना ने इस पोस्ट के साथ एक खास गीत नीलमणि भी ऐड किया। गायिका ने गीत के बारे में भी बताया। उन्होंने लिखा, 'इस गीत को मैंने और रामसंपथ ने मिलकर रिलीज किया। यह सांबलपुरी बोली में हैं और कृष्ण भगवान के प्रति एक भक्ति गीत है।

रघुराजपुर, ओडिशा के पुरी जिले में स्थित एक प्रसिद्ध विरासत शिल्प ग्राम है, जहां के हर घर में कलाकार निवास करते हैं।

यह मुख्य रूप से पारंपरिक पट्टाचित्र चित्रकारी, सनकी, मूर्तियां और अन्य पारंपरिक कला के लिए जाना जाता है। कई पीढ़ियों से ये कलाकार अपनी कला को संभालते आ रहे हैं। यह गांव ओडिसी नृत्य का पूर्ववर्ती, प्रसिद्ध 'गोतिपुआ' नृत्य मंडलों का केंद्र भी है। यह पुरी-भुवनेश्वर राजमार्ग पर चंदनपुर के पास स्थित है, जो पुरी से लगभग 14 किमी दूर है।

अप्रैल फूल डे : शरद केलकर ने बताया कैसे छोटे प्रैंक बनाते हैं काम के माहौल को पॉजिटिव

मुंबई । टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता शरद केलकर ने सशक्त किरदारों के चलते दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। लेकिन उनमें एक गंभीर कलाकार की छवि के पीछे एक मजाकिया और शरारती व्यक्तित्व भी छुपा हुआ है, जिसका खुलासा उन्होंने अप्रैल फूल डे के मौके पर किया। आईएएनएस संग बातचीत में शरद ने बताया कि असल जिंदगी में वह काफी मस्ती करने वाले इंसान हैं।

आईएएनएस से बात करते हुए शरद ने कहा, 'लोग मुझे देखकर अक्सर यही मान लेते हैं कि मैं हर समय बहुत गंभीर रहता हूं, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है। काम के दौरान मैं अपने किरदार को लेकर बेहद फोकस्ड और प्रोफेशनल रहता हूं, लेकिन जैसे ही कैमरा बंद होता है, मेरा एक अलग ही रूप सामने आता है। मैं अपने करीबी दोस्तों और परिवार पर अक्सर प्रैंक करता रहता हूं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, ' 'पिछले कुछ सालों में मैंने कई बार अपने दोस्तों और घरवालों के साथ ऐसे मजेदार प्रैंक किए हैं, जिनकी याद आज भी मुझे हंसा देती है। जब सामने वाले की अचानक प्रतिक्रिया देखने को मिलती है, तो वह पल बहुत खास होता है। मैंने कभी भी ऐसा कोई प्रैंक नहीं किया, जिससे किसी की भावना को ठेस न पहुंचे।' शरद ने कहा, ' 'शूटिंग सेट पर भी मैं इसी तरह का माहौल बनाए रखने की कोशिश करता हूं। मेरा मानना है कि टीवी शो की शूटिंग में कलाकारों और टीम को कई-कई घंटों तक साथ काम करना पड़ता है, ऐसे में अगर माहौल बहुत ज्यादा गंभीर हो जाए तो थकान और तनाव बढ़ सकता है। इसलिए मैं बीच-बीच में हल्के-फुल्के मजाक से सकारात्मकता बनाए रखता हूं। ऐसे छोटे-छोटे पल ही टीम के बीच बेहतर तालमेल और दोस्ती को मजबूत करते हैं।

अदिति मलिक ने पति मोहित से पूछा सवाल, कहा- 1 अप्रैल को शादी का वह प्रपोजल प्रैंक तो नहीं था?

मुंबई। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री अदिति मलिक ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पति के लिए एक खास पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने अपने पति और अभिनेता मोहित मलिक को जिंदगी में आने के लिए शुक्रिया अदा किया।

अदिति ने पति के साथ एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। तस्वीर में दोनों एक दूसरे के साथ मुस्कुराते हुए नजक आ रहे हैं। पोस्ट में अदिति ने लिखा, 'मोहित मिलक, अब बहुत समय बीत गया। 1 अप्रैल को तुमने मुझसे शादी करने की बात की थी, बिना किसी तैयारी या संकेत के। आज बता दो क्या वह अप्रैल फूल का मजाक था या सच में था?

अभिनेत्री ने आगे अपनी फीलिंग्स शेयर करते हुए लिखा, 'लेकिन सच कहूं तो, चाहे मजाक था या सबसे प्यारा सच, वह पल सालों-साल की एक खुशहाल और मजेदार यात्रा बन गया।

मैं इस यात्रा को किसी भी चीज से बदलना नहीं चाहती। आगे और भी बड़े, बेहतर और खुशियों से भरे पल आएं। मोहित मलिक, तुम्हारा दिल से धन्यवाद।

अदिति ने टीवी सीरियल शरारत, थोड़ा जादू, थोड़ी नजाकत, मिली, जूनियर जी, बनू मैं तेरी दुल्हन, बात हमारी पक्की है, कुमकुम प्यारा सा बंधन, कहानी घर घर की, हीरो-भक्ति ही शक्ति है और सारथी में काम करके घर-घर में पहचान बनाई है।

मोहित मलिक और अदिति शिरवाइकर की प्रेम कहानी काफी दिलचस्प है।

दोनों की मुलाकात टीवी शो 'बनूं मैं तेरी दुल्हन' के सेट पर हुई, उनकी दोस्ती हुई और 1 अप्रैल 2010 को मोहित ने अदिति को शादी के लिए प्रपोज किया, जिसे उन्होंने मजाक समझा था। हालांकि, अभिनेत्री ने बाद में मोहित को हां कर दिया था।

इसके बाद इन दोनों ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट किया और फिर शादी करने का फैसला किया और 1 दिसंबर, 2010 को शादी की। उसके बाद उन्होंने 27 अप्रैल, 2021 को लॉकडाउन के दौरान अपने बेटे का वेलकम किया।

'हर पहलू में एक अद्भुत फिल्म', विक्की कौशल ने आदित्य धर की पूरी टीम को बताया 'धुरंधर'

मुंबई । स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' का खुमार हर किसी के सिर चढ़कर बोल रहा है। हर कोई फिल्म की सराहना किए बिना नहीं रह पा रहा है। इसी बीच मशहूर अभिनेता विक्की कौशल और प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म की पूरी टीम की जमकर सराहना की है।

अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट पोस्ट किया।

उन्होंने आदित्य समेत सभी की जमकर सराहना करते हुए फिल्म की पूरी टीम को धुरंधर जैसे शब्द से संबोधित किया। अभिनेता ने लिखा कि फिल्म देखकर उन्हें काफी हैरान, खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। अभिनेता ने निर्देशक आदित्य धर की मेहनक, ईमानदारी और शानदार काम की खूब प्रशंसा की। अभिनेता ने लिखा, 'आदित्य भाई, आपने जिस तरह से फिल्म बनाई है, वह सोने के समान हैं। आपको इस सफलता के लिए बधाई।

विक्की ने रणवीर सिंह की भी जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा, 'रणवीर सिंह, आप मुझे हमेशा प्रेरित करते हैं। एक अभिनेता के रूप में आपकी कला और अंदाज बहुत बेहतरीन है।

ईरान में क्रूर शासन के खिलाफ हमारे संघर्ष की दहाड़ पूरी दुनिया सुन रही : नेतन्याहू

तेल अवीव । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि मेरे भाइयों और बहनों, इजरायल के नागरिकों, इस स्वतंत्रता के पर्व की पूर्व संध्या पर इजरायल पहले से कहीं अधिक मजबूत है। पूरी दुनिया ईरान की दुष्ट सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमारी शेर जैसी गर्जना सुन रही है, एक ऐसी लड़ाई जिसमें हमने बेहद बड़ी व विशाल उपलब्धियां हासिल की हैं।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इसकी एक पीड़ादायक कीमत भी है। अभी कल ही, हमने अपने चार सर्वश्रेष्ठ बेटों को खो दिया। इजरायल के नागरिकों की ओर से और मेरी व मेरी पत्नी सारा की ओर से मैं शहीदों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ। हम सभी प्रेम के साथ उन परिवारों को गले लगाते हैं जिन्होंने अपना सबसे अनमोल सदस्य खो दिया है और हम अपने वीर घायल साथियों को भी प्रेम से गले लगाते हैं। हम एक ही लोग हैं, एक साझा नियति की डोर से बंधे हुए, अपने अस्तित्व और अपने भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए साथ हैं।

अमेरिका के साथ हमारे संयुक्त अभियान के एक महीने पूरे होने पर हम व्यवस्थित रूप से उस आतंकी शासन को कुचल रहे हैं जिसने दशकों तक यह नारा लगाया: 'अमेरिका की मौत, इजरायल की मौत।' यह सच है कि हर पीढ़ी में वे हमें नष्ट करने के लिए उठ खड़े होते हैं और इस पीढ़ी में आयतुल्लाओं के शासन ने हमें समाप्त करने, मध्य पूर्व पर कब्ज़ा करने और पूरी दुनिया को धमकाने का बड़ा प्रयास किया। उसने इन घातक इरादों को आगे बढ़ाने के लिए परमाणु कार्यक्रमों और बैलिस्टिक मिसाइलों का विकास किया, हमारे आसपास आतंकवादी संगठनों को धन और हथियार दिए और उस पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों को झेलते हुए आगे बढ़ा। अब मैं आपको बताना चाहता हूं कि वर्षों में इस सब पर ईरान को लगभग एक ट्रिलियन डॉलर का खर्च आया है। अब यह कहा जा सकता है कि वह पैसा व्यर्थ चला गया।

ईरान से वसूली गई कीमत केवल धन तक सीमित नहीं थी। आने वाले पासओवर (मुक्ति पर्व) की भावना में 'मोचन युद्ध' की शुरुआत से ही, हमने 'बुराई के धुरी' पर दस विपत्तियां डाली हैं। गाज़ा में हमास पर प्रहार, लेबनान में हिज़्बुल्लाह पर प्रहार, सीरिया में असद पर प्रहार, यहूदिया और समारिया में आतंकी संगठनों पर प्रहार, यमन में हूतियों पर प्रहार, और ईरान पर पांच और प्रहार– उनके परमाणु कार्यक्रम पर प्रहार, उनकी मिसाइलों पर प्रहार, शासन की बुनियादी संरचना पर प्रहार, दमनकारी ताकतों पर प्रहार, और 'पहिलौठों की विपत्ति ', या हमारे मामले में, शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार। तानाशाह खामेनेई से लेकर परमाणु वैज्ञानिकों तक और रिवोल्यूशनरी गार्ड व बसीज के कुख्यात हत्यारों तक, नसरल्लाह, हनियेह, डेइफ़, सिनवार और कई अन्य तक।

मिस्र की दस विपत्तियों के बाद भी फ़िरऔन ने इजरायल के लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी और हम सभी जानते हैं उसका अंत क्या हुआ।

रूस में बड़ा विमान हादसा: क्रीमिया में सेना का एएन-26 क्रैश, 29 लोगों की मौत

मॉस्को । बुधवार सुबह रूस के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि क्रीमिया में रूसी सेना का एक एएन–26 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 चालक दल के सदस्य और 23 यात्रियों की मौत हो गई।

समाचार एजेंसी तास के अनुसार, विमान एक चट्टान से टकरा गया था। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार देर रात यह विमान क्रीमिया प्रायद्वीप के ऊपर एक निर्धारित उड़ान पर था, तभी उससे संपर्क टूट गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे की वजह तकनीकी खराबी थी और विमान पर किसी तरह का हमला नहीं हुआ था।

मंत्रालय ने कहा, '31 मार्च को शाम करीब 6 बजे (मॉस्को समय) क्रीमिया क्षेत्र के ऊपर उड़ान के दौरान एएन–26 विमान से संपर्क टूट गया था।

बाद में खोज और बचाव दल ने दुर्घटनास्थल का पता लगा लिया। वहां से मिली रिपोर्टों के अनुसार, विमान में सवार चालक दल के छह सदस्य और 23 यात्री मारे गए हैं।

रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि कुल कितने लोग विमान में सवार थे, लेकिन किसी के भी बचने की सूचना नहीं दी गई। एएन–26 एक हल्का सैन्य परिवहन विमान है, जो कई दशकों से इस्तेमाल में है और कम व मध्यम दूरी पर सामान के साथ करीब 40 यात्रियों को ले जा सकता है।

इससे पहले दिसंबर 2025 में भी रूस में एक बड़ा सैन्य विमान हादसा हुआ था। 9 दिसंबर को, मॉस्को के पूर्व में स्थित इवानोवो क्षेत्र के इवानकोवो गांव के पास एक परीक्षण उड़ान के दौरान एक एंटोनोव एएन–22 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

विमान मरम्मत कार्य के बाद उड़ान पर निकला था, जिससे यह संकेत मिलता है कि घटना के समय वह मरम्मत के बाद के परीक्षण से गुजर रहा था।

इस हादसे में भी कोई जीवित नहीं बचा। हालांकि शुरू में विमान में सवार लोगों की संख्या नहीं बताई गई थी, लेकिन उसमें चालक दल के 7 सदस्य थे और सभी की मौत हो गई।

अमेरिकी हमलों से कमांड ढांचे में संकट, मुश्किल में ईरानी सेना : पीट हेगसेथ

वॉशिंगटन । अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि ईरान के खिलाफ उसका चल रहा सैन्य अभियान देश की सशस्त्र सेनाओं को कमजोर कर रहा है। ईरानी सेना का मनोबल गिर रहा है, सैनिक भाग रहे हैं और अहम कर्मियों की कमी हो रही है।

रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने पेंटागन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा कि अमेरिकी हमले ईरानी सेना के आपसी तालमेल और कमांड ढांचों पर लगातार असर डाल रहे हैं ।

एक सवाल के जवाब में हेगसेथ ने कहा, 'खुफिया जानकारी साफ है... हमले ईरानी सेना के मनोबल को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे बड़े पैमाने पर सैनिक भाग रहे हैं, अहम कर्मियों की कमी हो रही है और वरिष्ठ नेताओं में निराशा फैल रही है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेनाओं ने अहम कमांड बंकरों को तबाह कर दिया है, जिससे ईरानी नेताओं को मुश्किल हालात में काम करना पड़ रहा है। हाल ही में उनका एक और कमांड बंकर तबाह कर दिया गया। उनके पास अब न पानी है न बिजली न ऑक्सीजन न ही कमांड और कंट्रोल।

ऑपरेशनल स्तर पर पेंटागन ने कहा कि अमेरिकी सेनाओं ने पिछले महीने 11,000 से ज़्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं, जिनमें मिसाइल सिस्टम, नौसैनिक संपत्तियां और रक्षा बुनियादी ढांचे पर खास ध्यान दिया गया है।

ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि इस अभियान का मकसद ईरान की अपनी सीमाओं से बाहर ताकत दिखाने की क्षमता को धीरे-धीरे कम करना है।

उन्होंने कहा, 'हम अहम मैन्युफैक्चरिंग केंद्रों, पुर्ज़ों के भंडारण स्थलों और रिसर्च सुविधाओं के खिलाफ सटीक हमले जारी रखे हुए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि लगातार हमलों और सप्लाई चेन पर दबाव के मेल से ईरान की अपनी सैन्य क्षमताओं को फिर से बनाने की ताकत सीमित हो रही है।

पेंटागन ने संकेत दिया कि ईरान के रक्षा औद्योगिक आधार को निशाना बनाने के दूरगामी असर होंगे, जिससे समय के साथ हथियारों के सिस्टम को फिर से बनाने की उसकी क्षमता कम हो जाएगी।

बांग्लादेश: खसरे से 44 की मौत, महज 24 घंटे में चार बच्चों ने गंवाई जान

ढाका । बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप तेजी से फैल रहा है और बीते 24 घंटों में संदिग्ध मामलों और जटिलताओं से चार बच्चों की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस साल मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 44 हो गई है, जिससे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है।

राजशाही मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के प्रवक्ता शंकर के. बिस्वास के अनुसार, पिछले 24 घंटों में दो बच्चों की मौत (संदिग्ध मामला) खसरे से हुई, जिससे अस्पताल में इस संक्रमण से मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार तक अस्पताल में खसरे के लक्षण वाले 98 मरीज भर्ती हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है।

वहीं, इंफेक्शियस डिजिज हॉस्पिटल (आईडीएच) की अधीक्षक तंजिना जहां ने बताया कि इसी अवधि में एक और बच्चे की मौत हुई, जिससे इस अस्पताल में खसरे से संबंधित मौतों की संख्या 25 तक पहुंच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनवरी से अब तक यहां 617 संदिग्ध मरीजों का इलाज किया जा चुका है।

इसी बीच चटोग्राम मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भी साढ़े पांच महीने के एक शिशु की मौत हो गई, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह संक्रमण शिशुओं के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकोप की सबसे बड़ी वजह टीकाकरण में आई कमी है। कई बच्चे या तो 'एक्सपेंडेड प्रोग्राम ऑन इम्युनाइजेशन' (ईपीआई) के दायरे से बाहर रह गए या उन्होंने पूरा टीकाकरण नहीं कराया, जिससे उनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रह गई। खसरा एक अत्यधिक संक्रामक बीमारी है, जिसमें एक संक्रमित व्यक्ति 16 से 18 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

वैक्सीन आपूर्ति में देरी स्थिति को और गंभीर बनाती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली पूर्व अंतरिम सरकार के दौरान लिए गए कुछ फैसलों के कारण वैक्सीन खरीद प्रक्रिया प्रभावित हुई।

हालांकि खसरा–रूबेला वैक्सीन उपलब्ध हो चुकी है, लेकिन सिरिंज अभी तक नहीं पहुंची हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान डेढ़ से दो महीने तक टल गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस देरी को गंभीर लापरवाही बताते हुए चेतावनी दी है कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो यह प्रकोप और बड़े स्तर पर फैल सकता है। उनका कहना है कि वैक्सीन खरीद और वितरण में हुई देरी ने देश को एक टाले जा सकने वाले संकट की ओर धकेल दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम की चेतावनी 'आने वाले महीने आसान नहीं', जनता से अपील 'फ्यूल बचाएं'

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने जनता से खास अपील की है। चेतावनी भी दी कि मिडिल ईस्ट के वर्तमान हालात की वजह से तेल संकट गहराएगा और आने वाले महीने 'आसान नहीं रहने वाले' हैं।

उन्होंने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, 'आने वाले महीने आसान नहीं हो सकते। मैं इस बारे में साफ–साफ कहना चाहता हूं। कोई भी सरकार इस युद्ध से पैदा हो रहे दबाव को खत्म करने का वादा नहीं कर सकती।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा कि वह देश से सीधे बात करना चाहते हैं कि सरकार 'इस मुश्किल समय में ऑस्ट्रेलिया को बचाने के लिए' क्या कर रही है, और वे (जनता) देश की मदद के लिए क्या कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'पक्ष–विपक्ष सभी ऑस्ट्रेलिया को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। ताकि अगर दुनिया भर में हालात और खराब होते हैं और लंबे समय में हमारी फ्यूल सप्लाई में बहुत ज्यादा रुकावट आती है, तो हम अगले कदम मिलकर तय कर सकें।

अल्बनीज ने जनता को बताया कि वर्तमान स्थिति को ध्यान में रख फ्यूल एक्साइज आधा कर दिया गया है और अगले तीन महीनों के लिए हेवी रोड यूजर चार्ज जीरो कर दिया गया है।

पीएम ने भरोसा दिलाया, 'हम फ्यूल की कीमत कम करने के लिए काम कर रहे हैं। साथ ही यहां अधिक ईंधन लाने और अपने मजबूत ट्रेडिंग रिश्तों का इस्तेमाल कर ऑस्ट्रेलिया में ज्यादा पेट्रोल, डीजल और फर्टिलाइजर लाने के लिए काम कर रहे हैं।

3 मिनट 17 सेकंड के संबोधन में अल्बनीज ने आगे कहा, 'मैं वादा कर सकता हूं कि हम ऑस्ट्रेलिया को इसके सबसे बुरे असर से बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे।' उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई लोगों से अपील की कि वे घबराकर फ्यूल न खरीदें और जहां तक ??हो सके, कार की जगह पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें।

उन्होंने कहा, 'अगर आप सड़क पर निकल रहे हैं, तो जरूरत से ज्यादा फ्यूल न लें—बस वैसे ही भरवाएं जैसे आप आम तौर पर भरवाते हैं। अपने समुदाय, दूरदराज के इलाके में रहने वाले लोग और जरूरी इंडस्ट्रीज से वास्ता रखने वालों के बारे में सोचें।

इराक में अमेरिकी पत्रकार का अपहरण, अमेरिका ने ईरान से जुड़े मिलिशिया की संलिप्तता का किया दावा

बगदाद । इराक के बगदाद में एक अमेरिकी पत्रकार को अपहृत कर लिया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग ने पुष्टि की है कि इसमें ईरान–समर्थित मिलिशिया समूह का संदेह है, जिससे इस क्षेत्र में विदेशी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर नई चिंता बढ़ गई है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह अमेरिकी पत्रकार की जल्द से जल्द रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। ग्लोबल पब्लिक अफेयर्स के असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट डिलन जॉनसन ने सोशल साइड एक्स पर पोस्ट में कहा, 'अमेरिकी विदेश विभाग को बगदाद में एक अमेरिकी पत्रकार के अपहरण की सूचना है। विभाग ने पहले इस व्यक्ति को संभावित खतरों के बारे में चेतावनी दी थी और हम एफबीआई के साथ समन्वय जारी रखेंगे ताकि उसकी जल्द से जल्द रिहाई सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा, 'इरान–समर्थित मिलिशिया समूह कताइब हिज़्बुल्लाह से जुड़े एक व्यक्ति पर अपहरण में शामिल होने का संदेह है, उसे इराकी अधिकारियों ने हिरासत में लिया है।

जॉनसन ने यह भी दोहराया कि इराक अभी भी लेवल 4 यात्रा सलाह के तहत है और अमेरिकियों को किसी भी हालत में देश की यात्रा न करने की चेतावनी दी गई है तथा वहां मौजूद लोगों को तुरंत छोड़ने की सलाह दी गई है।

उन्होंने कहा, 'विदेश विभाग सभी अमेरिकियों, जिनमें पत्रकार भी शामिल हैं, से अनुरोध करता है कि वे सभी यात्रा सलाहों का पालन करें। पहले, इराकी गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में पुष्टि की थी कि पत्रकार को बगदाद में 'अज्ञात व्यक्तियों' द्वारा अगवा किया गया है। सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया और अपहरण में प्रयुक्त कथित वाहन जब्त किया। मंत्रालय ने कहा कि अन्य व्यक्तियों को पकड़ने और पत्रकार की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं।

अपहृत पत्रकार की पहचान शेली किटलसन के रूप में हुई है। वह एक फ्रीलांस रिपोर्टर हैं और मीडिया एडलोकेसी संगठन और एआई–मॉनिटर जैसी प्रकाशनों में योगदान दे चुकी हैं।

किटलसन अपने व्यापक रिपोर्टिंग के लिए जानी जाती हैं, खासकर सीरिया और इराक के संघर्ष क्षेत्रों में वह कई वर्षों से इस क्षेत्र में फ्रीलांसर के रूप में काम कर रही हैं।

एआई–मॉनिटर ने अपने बयान में कहा कि वे उनके अपहरण से 'गहरा चिंतित' हैं और उनकी 'सुरक्षित और तात्कालिक रिहाई' की मांग की। 'हम उनके महत्वपूर्ण रिपोर्टिंग के समर्थन में खड़े हैं और उनके त्वरित लौटने की अपील करते हैं ताकि वे अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रख सकें। इंटरनेशनल वीमेंस मीडिया फाउंडेशन के अनुसार, किटलसन एक 'वैध पत्रकार' हैं, जिनके पास मध्य पूर्व में पर्याप्त अनुभव है और वर्तमान में वह रोम में आधारित हैं।

जुलाई चार्टर कुछ और नहीं अंतरिम सरकार का दिया धोखा : बांग्लादेश के गृह मंत्री

ढाका । बांग्लादेश में जुलाई चार्टर को लेकर राजनीति जारी है। देश के गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के दौरान जारी 'जुलाई नेशनल चार्टर (कॉन्स्टिट्यूशनल रिफॉर्म) इम्प्लीमेंटेशन ऑर्डर, 2025' की कड़ी निंदा की और इसे 'धोखे का कभी न खत्म होने वाला डॉक्यूमेंट' और 'नेशनल फ्रॉड' बताया है।

स्थानीय मीडिया ने उनके बयान को प्रमुखता से छापा है। विपक्ष के नेता और जमात–ए–इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने संसद में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि 'ये निर्देश कानूनी तौर पर वैध नहीं हैं।

बांग्लादेशी डेली ढाका ट्रिब्यून ने अहमद के हवाले से कहा, 'इस आदेश का कोई कानूनी आधार नहीं है और यह शुरू से ही गैरकानूनी है।

उन्होंने अंतरिम सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि डॉक्यूमेंट पेश करने से पहले अलग–अलग सियासी दलों की ओर से जमा किए गए 'असहमति के नोट्स' को शामिल नहीं किया गया। अहमद ने आगे कहा, 'यह अंतरिम सरकार की लगातार धोखा देने की प्रवृत्ति दर्शाती है। सियासी पार्टियों की अलग राय के बावजूद इसे जनता के सामने पेश करना देश के साथ धोखा है। उन्होंने पिछली अंतरिम सरकार की सलाह पर जुलाई चार्टर पर जारी प्रेसिडेंशियल ऑर्डर की वैधता पर भी सवाल उठाया, यह तर्क देते हुए कि ऐसे निर्देश जारी करने का अधिकार 7 अप्रैल, 1973 के बाद खत्म हो गया था। उन्होंने सवाल किया, '7 अप्रैल, 1973 के बाद, राष्ट्रपति के पास ऐसा ऑर्डर जारी करने का अधिकार नहीं रहा। तो यह ऑर्डर कैसे जारी किया गया? अहमद ने आगे कहा कि जो ऑर्डर शुरू से ही अवैध है, वह कानूनी तौर पर 'वॉयड–अब–इनिशियो' (शुरू से ही शून्य) है और इसलिए उसे अध्यादेश या कानून के तौर पर मान्यता नहीं दी जा सकती।

12 फरवरी को राष्ट्रीय चुनाव के साथ हुए जनमत संग्रह बैलेट स्ट्रक्चर (मत पत्र संरचना) की आलोचना करते हुए, गृहमंत्री ने कहा कि मतदाताओं को चार अलग–अलग सवालों का जवाब एक सामान्य 'हां' या 'नहीं' में देने के लिए मजबूर किया गया था, और इस बात पर बल दिया कि इस तरह से जनता पर कोई कानून नहीं थोपा जाना चाहिए।

यूपीः सीएम योगी ने बारिश से प्रभावित किसानों के लिए तुरंत राहत के आदेश दिए

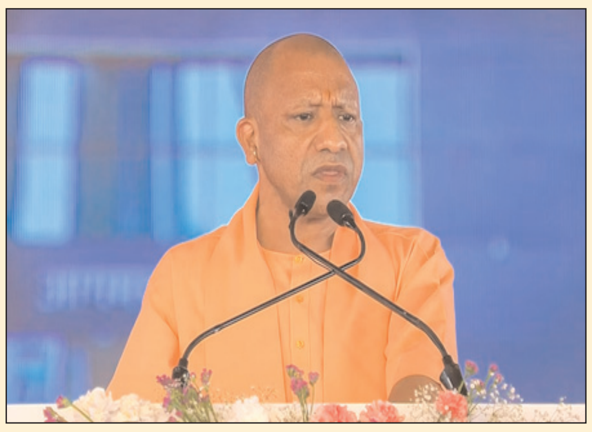

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राज्य के कई जिलों में बेमौसम बारिश से पैदा हुई स्थिति की समीक्षा की और खराब मौसम से प्रभावित किसानों के हाल-चाल के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बेमौसम बारिश के कारण किसानों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उनकी विस्तृत रिपोर्ट जमा करें।

सतर्कता की जरूरत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूरी तरह से अलर्ट रहें और यह सुनिश्चित करें कि मौसम से प्रभावित किसानों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी दोहराया कि किसानों का कल्याण सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे फसलों को हुए नुकसान का तुरंत आकलन करें, पूरा डेटा इकट्ठा करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों तक जल्द से जल्द राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने आगे राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को निर्देश दिया कि वे मिलकर नुकसान का तुरंत सर्वे करें और अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपें, ताकि बिना किसी देरी के मुआवजे की प्रक्रिया पूरी की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन हर आपदा और संकट के समय राज्य की जनता के साथ मजबूती से खड़ा है। सीएम योगी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश से फसलों को पहले ही नुकसान पहुंच चुका है और पहले हुए नुकसान के लिए मुआवजा अभी भी बांटा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से जुटे रहें, स्थिति का यथार्थवादी आकलन करें, और यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का सही-सही मूल्यांकन किया जाए, ताकि उचित सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रधान सचिव (कृषि) और राहत आयुक्त से कहा कि वे जमीनी स्तर के अधिकारियों के साथ सीधा समन्वय बनाए रखें और यह सुनिश्चित करें कि संचार व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राहत उपायों को समय पर लागू करने के लिए, सभी संबंधित जानकारी तय समय-सीमा के भीतर इकट्ठा करके सरकार को सौंप दी जानी चाहिए।

ओडिशा के स्थापना दिवस पर अमित शाह और योगी समेत अन्य नेताओं ने दी बधाई

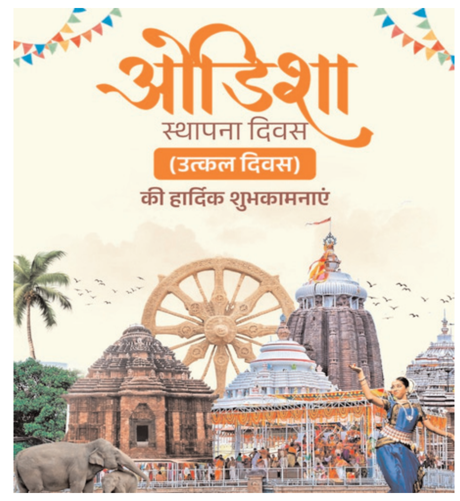

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई मुख्यमंत्रियों ने बुधवार को ओडिशा स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत को अपने इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ओडिशा दिवस के अवसर पर ओडिशा के भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रभु जगन्नाथ के दिव्य आशीर्वाद से धन्य, ओडिशा भारत के गौरव के रूप में शोभायमान है। 'विकसित भारत' की ओर अपनी यात्रा में यह राज्य प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को स्पर्श करे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'अनुपम सांस्कृतिक विरासत, धर्म, कला और वास्तुशिल्प वैशिष्ट्य से परिपूर्ण ओडिशा राज्य के स्थापना दिवस (उत्कल दिवस) की सभी ओडिशा वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! महाप्रभु जगन्नाथ के आशीर्वाद से अभिसिंचित यह पावन धरा मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के कुशल नेतृत्व में ऐसे ही निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर गतिमान रहे। नागरिकों के जीवन में खुशहाली एवं समृद्धि के नए द्वार खुलें, यही कामना करता हूं। जय जगन्नाथ! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 'समुद्र की लहरों-सी अडिग ऊर्जा, कोणार्क के सूर्य-सा तेज और महाप्रभु जगन्नाथ की अनंत कृपा से आलोकित उत्कल भूमि के स्थापना दिवस 'उत्कल दिवस' की सभी ओडिशावासियों को हार्दिक बधाई।

संक्षिप्त खबर

तमिलनाडु चुनाव : प्रचार के दौरान हीटवेव और गर्मी बढ़ने की संभावना

चेन्नई । तमिलनाडु में मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राज्य के कई हिस्सों में जल्द ही भीषण गर्मी यानी हीटवेव का असर तेज हो सकता है।

चुनाव की तारीख 23 अप्रैल के करीब आते ही प्रचार अपने चरम पर है और इसी दौरान तापमान में तेज बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, इस बार अप्रैल में तमिलनाडु में सामान्य से ज्यादा हीटवेव वाले दिन दर्ज हो सकते हैं। खासकर उत्तरी तटीय जिलों जैसे चेन्नई और आसपास के इलाकों में इसका ज्यादा असर देखने को मिल सकता है।

हालांकि अप्रैल की शुरुआत में बीच-बीच में बारिश होने से थोड़ी राहत मिल सकती है लेकिन इसके बाद तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है। आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र चेन्नई ने चेतावनी दी है कि इस पूरे महीने अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रह सकते हैं।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस बार अप्रैल में हीटवेव के दिन 4 से 5 तक हो सकते हैं, जबकि आमतौर पर यह संख्या 2 से 3 दिन होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ती गर्मी की वजह आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र से आने वाली शुष्क और गर्म हवाएं हैं। ये हवाएं तमिलनाडु के उत्तरी तटीय और कुछ अंदरूनी जिलों में तापमान को और बढ़ा सकती हैं। इसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो चुनावी रैलियों, रोड शो और घर-घर जाकर प्रचार में हिस्सा ले रहे हैं।

एरिया साइक्लोन वार्निंग सेंटर के निदेशक वीआर दुरई ने कहा, 'अप्रैल में आमतौर पर 2 से 3 दिन हीटवेव रहती है लेकिन इस बार यह बढ़कर 4 से 5 दिन हो सकती है। खासकर उत्तरी तटीय तमिलनाडु जिसमें चेन्नई भी शामिल है, वहां गर्मी ज्यादा तेज होगी। उन्होंने बताया कि 10 अप्रैल तक बारिश के कारण मौसम थोड़ा नरम रह सकता है लेकिन इसके बाद हीटवेव की स्थिति बननी शुरू हो जाएगी। दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच सबसे ज्यादा गर्मी और हीट स्ट्रेस महसूस होगा। हीटवेव का यह समय चुनाव प्रचार के सबसे महत्वपूर्ण चरण से मेल खा रहा है, जिससे मतदाताओं की भागीदारी और कार्यकर्ताओं की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है। तेज धूप और तटीय इलाकों में ज्यादा नमी के कारण थकान और डिहाइड्रेशन का खतरा भी बढ़ सकता है। स्थिति को देखते हुए आईएमडी ने अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को चुनाव वाले राज्यों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए हैं। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु और पड़ोसी राज्य केरल के चुनाव अधिकारियों को रोजाना हीट एडवाइजरी भेजी जा रही है।

आठवें वेतन आयोग के सदस्य मुख्य मुद्दों पर सरकारी कर्मचारियों से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली । आठवें वेतन आयोग प्रस्तावित वेतन वृद्धि से जुड़े मुख्य मुद्दों पर बातचीत के लिए जल्द सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों से मुलाकात करेगा।

24 अप्रैल को देहरादून में एक महत्वपूर्ण बैठक निर्धारित है, जिसमें कर्मचारी संघों, पेंशनभोगी संघों और अन्य पक्षकारों के प्रतिनिधि वेतन संरचना, भत्ते और पेंशन संबंधी मुद्दों पर अपने विचार 8वें वेतन आयोग के सदस्यों के सामने रखेंगे। आयोग के सदस्य कर्मचारियों और वेतनभोगियों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा करेंगे और इसी तरह की बैठकें आयोजित करेंगे। इन बैठकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर आयोग यह तय करेगा कि भविष्य में वेतन, पेंशन और लाभों में कितना संशोधन किया जाना चाहिए।

आयोग ने कहा कि यदि कोई समूह अपने विचार साझा करना चाहता है, तो उन्हें मिलने के लिए पहले समय का अनुरोध करना होगा।

30 मार्च को जारी नोटिस में लिखा था, 'आठवें वेतन आयोग का एक दल 24 अप्रैल को देहरादून, उत्तराखंड का दौरा करेगा। केंद्र सरकार के संगठनों/संस्थानों और संघों/संगठनों सहित इच्छुक पक्षकार, जो देहरादून में आयोग के साथ बातचीत करना चाहते हैं, कृपया 10 अप्रैल या उससे पहले समय का अनुरोध प्रस्तुत करें।

इसके बाद, आयोग चयनित प्रतिभागियों को बैठक के सटीक स्थान और समय के बारे में सूचित करेगा। बयान में कहा गया है, 'स्थान का विवरण और बैठक का कार्यक्रम बाद में सूचित किया जाएगा।

आठवें वेतन आयोग की बैठक में भाग लेने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को 10 अप्रैल तक ईमेल द्वारा अनुरोध भेजना होगा। केवल इस समय सीमा से पहले आवेदन करने वालों पर ही बैठक के लिए विचार किया जाएगा।

इसके बाद, आयोग अनुरोधों की समीक्षा करेगा और चयनित प्रतिभागियों को सटीक स्थान और समय के बारे में सूचित करेगा। प्रक्रिया से संबंधित सभी आधिकारिक विवरण और अपडेट आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। कर्मचारी संघ, पेंशनभोगी संघ, संगठन और यहां तक ??कि व्यक्ति भी वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य सेवा-संबंधी मुद्दों पर अपने विचार भेज सकते हैं।

ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल की जनता पर ही विश्वास नहीं : मंगल पांडेय

पटना । बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का अब प्रदेश की जनता और उनके जनादेश पर से विश्वास उठ चुका है।

मीडिया से मुखातिब होते हुए पांडेय ने कहा कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, लेकिन ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को इन संवैधानिक प्रयासों पर आपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले चुनावों में प्रशासन और पुलिस बल के कथित दुरुपयोग, मतदाताओं को डराने और अवैध घुसपैठियों को मताधिकार देने जैसे हथकंडों के सहारे सत्ता हासिल की जाती रही है। भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि चुनाव आयोग की सक्रियता के कारण इस बार उनके ऐसे मंसूबे सफल नहीं होंगे।

उन्होंने कहा कि जब उनकी दाल गल नहीं रही है, पश्चिम बंगाल की जनता उनके खिलाफ है, जनता सत्ता बदलना चाहती है, तो वे व्यवस्थाओं पर चोट कर रही हैं। चुनाव आयोग हमेशा निष्पक्ष चुनाव कराता रहा है। हाल ही में बिहार में भी निष्पक्ष चुनाव कराए हैं। इसके बावजूद चुनाव आयोग पर बेमतलब का आरोप लगाना ममता बनर्जी की आदत बन गई है।

उन्होंने कहा कि वहां की जनता भी देख रही है कि चुनाव आयोग निष्पक्षता के साथ काम कर रहा है, इसलिए ममता बनर्जी को ऐसी चीजों को छोड़कर जनता के बीच जाना चाहिए। लोकतंत्र में जनता ही मालिक होती है, जनता ही वोट देती है, लेकिन जनता पर से ही उनको विश्वास उठ गया है। जनता के वोट पर उन्हें भरोसा नहीं है। उन्हें मैनिपुलेशन पर भरोसा रहता है।

इधर, पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत को लेकर मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी पूरे वैश्विक स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

भारतीय जनता को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो, यह पीएम मोदी और सरकार की प्राथमिकता है। जनता को उन्होंने आश्वस्त भी किया है कि देश में किसी चीज की कमी नहीं है।

मुंबई के जज से धोखाधड़ी : साइबर ठगों ने बैंक खाते से उड़ाए 93 हजार रुपए

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में साइबर ठगों का आतंक जारी है। लगातार साइबर ठग लोगों को निशाना बना रहे हैं और उनकी गाढ़ी कमाई उड़ा ले रहे हैं। अब तो ताड़देव पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले जज को ही साइबर अपराधियों ने अपने जाल में फंसाकर 93 हजार रुपये बैंक खाते से निकाल लिए। जज की शिकायत पर ताड़देव पुलिस एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एफआईआर के मुताबिक, 46 वर्षीय जज लघु वाद न्यायालय में तैनात हैं। जज ने 30 मार्च को अपने मोबाइल फोन में डिस्प्ले की समस्या देखने के बाद इंटरनेट पर तकनीकी सहायता मांगी। ऑनलाइन खोज करते समय उन्होंने सैमसंग कस्टमर केयर होने का दावा करने वाले एक नंबर पर संपर्क किया। इसके बाद फोन पर बात करने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक एपीके फाइल भेजी और जज को इसे डाउनलोड करने और गूगल पे के माध्यम से 20 रुपये का रजिस्ट्रेशन शुल्क भुगतान करने को कहा।

जैसे ही जज ने एपीके फाइल इंस्टॉल की, साइबर ठग ने उनके बैंकिंग डेटा तक रिमोट एक्सेस प्राप्त कर लिया। जज को बाद में अपने एसबीआई बैंक खाते से 93,000 रुपये के दो अनधिकृत लेनदेन का पता चला। ताड़देव पुलिस ने एक अज्ञात संदिग्ध के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसके पहले 28 फरवरी को बॉम्बे हाईकोर्ट के जज से ही कुछ इसी तरह 6 लाख की ठगी हुई थी। जज ने अपने क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड पॉइंट्स रिडीम करने के लिए बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क करने की कोशिश की। आधिकारिक हेल्पलाइन व्यस्त होने के कारण उन्होंने इंटरनेट का सहारा लिया। इंटरनेट पर उन्हें जो नंबर मिला, वह साइबर अपराधियों का था।

इस नंबर पर कॉल करने के बाद जज को 18 एमबी का एक एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए व्हाट्सअप पर लिंक मिला था।

जब फाइल उनके आईफोन पर नहीं खुली तो ग्राहक सेवा अधिकारी बनकर बात कर रहे ठगों ने एंड्रॉइड डिवाइस का उपयोग करने की सलाह दी। इसके बाद जज ने अपना सिम कार्ड अपनी हाउस हेल्प के एंड्रॉइड फोन में डाला और एप्लिकेशन डाउनलोड कर लिया।

एलआईसी धोखाधड़ी : सीबीआई ने फरार अपराधी को पकड़ा

लखनऊ । सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) से जुड़े एक वित्तीय धोखाधड़ी मामले में घोषित अपराधी समीर जोशी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने 13 अगस्त, 2012 को एलआईसी, लखनऊ से मिली एक शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने धोखाधड़ी वाली बीमा पॉलिसियों के लिए जाली चेक बनाकर बड़े पैमाने पर पैसों का गबन किया। जांचकर्ताओं ने बताया कि ये चेक ऐसे पॉलिसीधारकों के नाम पर जारी किए गए थे, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं था। इस तरह आरोपी ने पैसों का गबन किया और धोखाधड़ी को छिपाने के लिए सरकारी रिकॉर्ड में हेरफेर किया।

अधिकारियों ने बताया कि 6,37,66,660 रुपए की वित्तीय अनियमितताएं फरवरी 2006 से अगस्त 2010 के बीच लखनऊ के जानकीपुरम स्थित एलआईसी कार्यालय में हुई थीं।

जांच पूरी होने के बाद, सीबीआई ने 21 अगस्त 2014 को समीर जोशी सहित 12 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की।

अधिकारियों ने बताया कि समीर जोशी ने उस समय एलआईसी में हायर ग्रेड असिस्टेंट के पद पर कार्यरत पंकज सक्सेना के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश रची थी, जिसके तहत जोशी, उनकी पत्नी अंजू जोशी और उनके कर्मचारी जितेंद्र कुमार के नाम पर फर्जी चेक तैयार किए गए थे। उन्होंने आगे बताया कि इन धोखाधड़ी वाले लेन-देन से प्राप्त लगभग 62 लाख रुपए की राशि को कैश कराया गया और आरोपियों के बीच आपस में बांट लिया गया। जांच के दौरान जोशी को शुरू में गिरफ्तार किया गया था।

राजस्थानः अशोक गहलोत ने एसएमएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के उद्घाटन में देरी पर सवाल उठाए

जयपुर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने अपनी डिजिटल सीरीज 'इंतजार शास्त्र' की ताजा कड़ी में जयपुर के एसएमएस अस्पताल में कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के उद्घाटन में हो रही देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भारतीय जनता पार्टी सरकार को संबोधित करते हुए गहलोत ने पूछा कि क्या निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के लिए राजस्थान के सरकारी अस्पतालों को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया जा रहा है?

इस प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 50 करोड़ रुपए की लागत से बना कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट बनकर तैयार है, लेकिन अभी तक इसका उद्घाटन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा सरकार के पास एक तैयार इंस्टीट्यूट को खोलने का समय नहीं है? क्या राजनीतिक बदले की भावना लोगों की जान की कीमत पर भारी पड़ रही है? सरकार को लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करना बंद कर देना चाहिए। पोस्ट के साथ शेयर किए गए एक वीडियो में इस सुविधा केंद्र की तस्वीरें दिखाई गईं और यह दावा किया गया कि इस देरी के कारण जनता को बेहद जरूरी सेवाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। इसमें बताया गया कि कोविड-19 के बाद दिल से जुड़ी बीमारियां बढ़ गई हैं, और इस संस्थान को एक ही छत के नीचे संपूर्ण इलाज मुहैया कराने के लिए डिजाइन किया गया था। वीडियो के अनुसार, इस सुविधा केंद्र में 250 बेड, पांच मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और रोबोटिक एंजियोप्लास्टी जैसी आधुनिक सेवाएं शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था और इसे जनवरी 2025 तक पूरा किया जाना था।

स्पेस में 'सेल टावर' की तरह काम करता है 'स्पेस नेटवर्क', जानें पृथ्वी पर कैसे पहुंचता है वैज्ञानिक डेटा

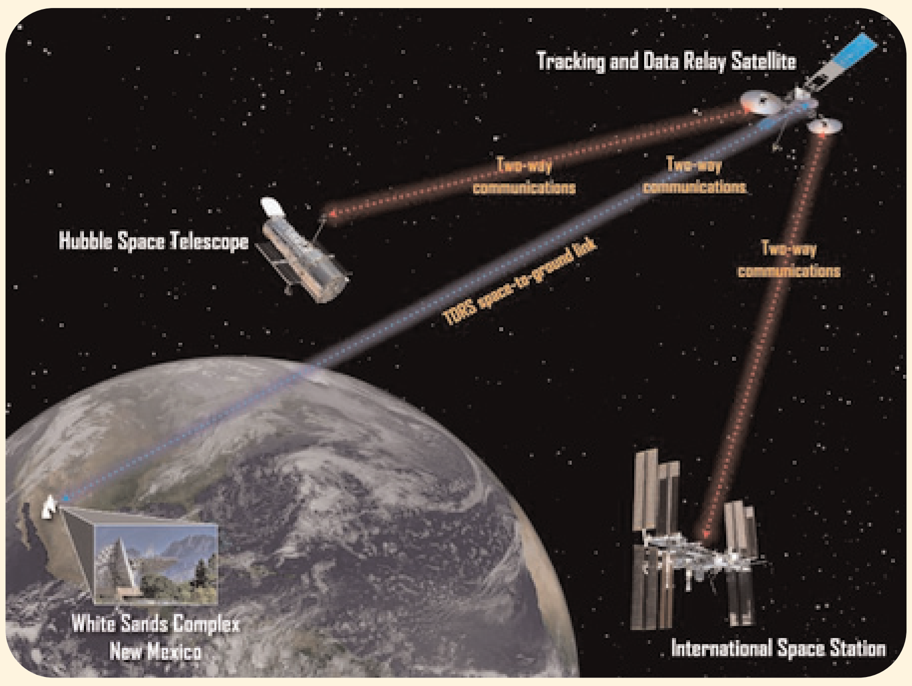

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में रह रहे एस्ट्रोनॉट्स और पृथ्वी पर बैठी टीम के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखना बहुत जरूरी है। वैज्ञानिक इसी काम के लिए 'स्पेस नेटवर्क' नामक एक एडवांस कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल करता है। यह नेटवर्क अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से जुड़े रहने में मदद करता है।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि स्पेस नेटवर्क क्या है? स्पेस नेटवर्क में ट्रैकिंग और डेटा रिले सैटेलाइट (टीडीआरएस) का एक समूह शामिल है। ये सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 35 हजार किलोमीटर ऊपर जियोसिंक्रोनस कक्षा में घूमते हैं और अंतरिक्ष में 'सेल टावर' की तरह काम करते हैं। स्पेस स्टेशन अपनी कक्षा में कहीं भी हो, टीडीआरएस सैटेलाइट से संपर्क बना सकता है।

जब स्पेस स्टेशन पर कोई अंतरिक्ष यात्री मिशन कंट्रोल को डेटा, वीडियो या आवाज भेजना चाहता है, तो स्टेशन का कंप्यूटर उस डेटा को रेडियो सिग्नल में बदल देता है। यह सिग्नल स्टेशन के एंटीना के जरिए टीडीआरएस सैटेलाइट तक पहुंचता है। फिर टीडीआरएस इसे न्यू मैक्सिको के व्हाइट सैंड्स कॉम्प्लेक्स तक रिले करता है, जहां से लैंडलाइन के जरिए सिग्नल ह्यूस्टन पहुंच जाता है। पूरी प्रक्रिया मिलीसेकंड में पूरी हो जाती है, इसलिए बातचीत में कोई देरी नहीं होती।

अब सवाल है कि वैज्ञानिक प्रयोगों का डेटा पृथ्वी पर कैसे पहुंचता है? स्पेस स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्री भौतिकी, जीव विज्ञान, खगोल विज्ञान और मौसम विज्ञान से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रयोग करते हैं। इन प्रयोगों से मिलने वाला वैज्ञानिक डेटा भी उसी स्पेस नेटवर्क के जरिए पृथ्वी पर भेजा जाता है। डेटा को रेडियो सिग्नल में बदलकर टीडीआरएस सैटेलाइट तक भेजा जाता है, फिर व्हाइट सैंड्स और ह्यूस्टन होते हुए इसे वैज्ञानिकों तक पहुंचाया जाता है। इस प्रणाली की वजह से वैज्ञानिक लगभग रीयल टाइम में डेटा प्राप्त कर पाते हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस नेटवर्क का इस्तेमाल शिक्षा कार्यक्रमों के लिए भी करता है। अंतरिक्ष यात्री वीडियो और वॉइस कॉल के जरिए स्कूल के बच्चों के सवालों के जवाब देते हैं। जब यह नेटवर्क नहीं था, अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी से सिर्फ 15 मिनट तक ही संपर्क कर पाते थे। अब लगभग हर समय संपर्क बना रहता है। स्पेस नेटवर्क का प्रबंधन नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर (मैरीलैंड) द्वारा किया जाता है, जबकि रणनीतिक देखरेख स्कैन प्रोग्राम ऑफिस के पास है।

गर्मियों में अमृत से कम नहीं सहजन का सेवन, पाचन सुधारने से इम्युनिटी बढ़ाने तक का प्राकृतिक तरीका

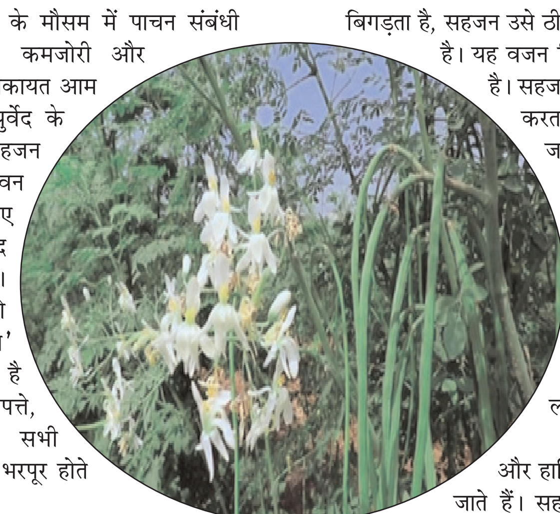

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में पाचन संबंधी समस्याएं, थकान, कमजोरी और वजन बढ़ने की शिकायत आम हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार, सहजन (मोरिंगा) का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद साबित होता है। सहजन को 'चमत्कारी वरदान' भी कहा जाता है क्योंकि इसके पत्ते, फल और फूल सभी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन बताता है कि सहजन में विटामिन ए, बी, सी, कैरोटीन, आयरन, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। गर्मियों में यह शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाता है, पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। गर्मियों में सहजन के सेवन से एक-दो नहीं कई लाभ मिलते हैं। सहजन में मौजूद फाइबर पेट साफ रखता है, कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है, भारी खाने से जो पाचन बिगड़ता है, सहजन उसे ठीक करने में मदद करता है। यह वजन नियंत्रण में भी सहायक है। सहजन मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे भोजन जल्दी पचता है और शरीर में अतिरिक्त चर्बी नहीं जमा होती। फाइबर से भरा होने के कारण यह भूख को नियंत्रित रखता है और बार-बार खाने की आदत पर लगाम लगाता है।

गर्मी में शरीर में पानी और हानिकारक पदार्थ जमा हो जाते हैं। सहजन प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करता है, सूजन कम करता है और शरीर को हल्का-फुल्का बनाता है। साथ ही, सहजन रक्त में शुगर का स्तर स्थिर रखने में मदद करता है। जो लोग वजन घटाने के साथ डायबिटीज की समस्या से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह विशेष रूप से फायदेमंद है। गर्मी में थकान महसूस होना आम है।

सहजन में कैल्शियम और विटामिन सी पाया जाता है, जो शरीर में एनर्जी बनाए रखता है और कमजोरी दूर करने में भी मददगार है।

रात के समय बच्चे को सोने में होती है परेशानी, आयुर्वेद में बताए गए हैं आसान तरीके

नई दिल्ली। कई बार छोटे उम्र के बच्चे पूरा दिन अच्छे से खेलते और खाते हैं लेकिन रात को सोते समय बार-बार डरकर उठ जाते हैं या फिर बेचैनी की वजह से नींद में बाधा बनी रहती है।

ऐसे में पूरी रात बच्चा चिड़चिड़ा महसूस करता है और नींद भी पूरी नहीं होती। आयुर्वेद में इस परेशानी को तंत्रिका तंत्र और स्नायु से जोड़कर देखा गया है और इसके बारे में गहराई से बताया गया है।

अगर बच्चे को रात के समय नींद में किसी तरह की परेशानी होती है तो आयुर्वेद में बच्चे को थोड़े से घी में गुड़ मिलाकर चटाने की सलाद दी जाती है। यह काम रात को सोते समय ही करना चाहिए। ऐसा करने से बच्चा गहरी नींद में सोता है और बार-बार नींद टूटने की परेशानी भी नहीं होती है। आयुर्वेद में घी को मन और स्नायु को शांत करने वाला माना गया है जबकि थोड़ा सा गुड़ शरीर को हल्की ऊर्जा और स्थिरता देने में सहायक माना जाता है।

रात के समय शरीर में वात भी अधिक बनता है, ऐसे में बच्चे की नींद प्रभावित होती है। घी वात को संतुलित रखने में मदद करता है और गहरी नींद लाने में सहायक है। इसके साथ ही घी तंत्रिका तंत्र को भी शांत करता है, जिससे शरीर रिलैक्स महसूस करता है और नींद लाने वाले हॉर्मोन भी अच्छे से बनते हैं। इसके अलावा, बच्चे की दिनचर्या में और बदलाव लाने की जरूरत है।

अगर बच्चा मोबाइल अधिक देखता है तो रात को बच्चे का स्क्रीन टाइम कम करें। अत्याधिक मोबाइल देखने की वजह से मस्तिष्क को लगता है कि अभी नींद का समय नहीं हुआ है और वह एक्टिव मोड में रहता है।

यही कारण है कि मस्तिष्क कार्य करने की स्थिति में रहता है। इसलिए रात के समय बच्चे को मोबाइल से दूर रखें और आस-पास के वातावरण को शांत रखने की कोशिश करें।

अगर बच्चा रात के समय ज्यादा डरता है और इस आयुर्वेदिक नुस्खे से भी आराम नहीं मिल पाता है तो तुरंत बाल विशेषज्ञ की सलाह लें। कई बार बच्चे अन्य परेशानियों की वजह से भी नहीं सो पाते हैं।

अदाणी ग्रीन एनर्जी की वित्त वर्ष 2026 में बड़ी छलांग, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में की रिकॉर्ड 5 गीगावाट से अधिक की वृद्धि

अहमदाबाद। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने बुधवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में 5 गीगावाट (5,051 मेगावाट) से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) क्षमता जोड़ी है। इसके साथ ही कंपनी की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 19.3 गीगावाट (जीडब्ल्यू) हो गई है।

यह उपलब्धि चीन को छोड़कर दुनिया में किसी भी कंपनी द्वारा एक साल में की गई सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड क्षमता वृद्धि मानी जा रही है।

नई जोड़ी गई क्षमता में 3.4 गीगावाट (3,409 मेगावाट) सौर ऊर्जा, 0.7 गीगावाट (686 मेगावाट) पवन ऊर्जा और 1 गीगावाट (956 मेगावाट) पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता शामिल है।

देश की सबसे बड़ी विशुद्ध नवीकरणीय ऊर्जी कंपनी के अनुसार, यह नई क्षमता हर साल करीब 1 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी। वहीं एजीईएल की कुल 19.3 जीडब्ल्यू की क्षमता सालाना 3.6 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन को ऑफसेट करने में सक्षम होगी।

एजीईएल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अदाणी ने कहा, '5 गीगावाट से ज्यादा नई क्षमता जोड़ना भारत के रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर के लिए एक अहम मोड़ है। इससे भारत को वैश्विक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी देश के रूप में पहचान मिलेगी और लो-कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ने में मदद मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा, 'यह उपलब्धि 2030 तक 50 गीगावाट क्षमता के हमारे लक्ष्य की दिशा में मजबूत कदम है। साथ ही, हम नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण समाधानों के जरिए टिकाऊ और समावेशी विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

ज्यादातर नई क्षमता गुजरात के खावड़ा में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट में जोड़ी गई है, जिसे तेज गति से विकसित किया जा रहा है।

538 वर्ग किलोमीटर में फैला यह प्रोजेक्ट पेरिस शहर के आकार से करीब पांच गुना बड़ा है। खावड़ा में 2029 तक 30 गीगावाट क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य है, जिसमें से कंपनी अब तक 9.4 गीगावाट (9,413 मेगावाट) क्षमता स्थापित कर चुकी है।

इसके अलावा, कंपनी ने खावड़ा में 1,376 मेगावाट-घंटे (एमडब्ल्यूएच) की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) क्षमता भी शुरू की है, जो दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-लोकेशन प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह काम सिर्फ 8 महीनों में पूरा किया गया, जिससे ग्रिड की स्थिरता और रिन्यूएबल एनर्जी के बेहतर उपयोग में मदद मिलेगी।

खावड़ा प्रोजेक्ट में एडवांस बाइफेशियल सोलर मॉड्यूल्स का इस्तेमाल किया गया है, जो दोनों तरफ से सूरज की रोशनी लेकर बिजली बनाते हैं।

गर्मियों में नाक की नमी कम होने से बढ़ता है नोज ब्लीडिंग का खतरा, ये करें उपाय

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की सेहत से जुड़ी समस्याएं लेकर आता है। तेज धूप, गर्म हवा और शरीर में पानी की कमी का असर सीधे हमारे शरीर पर पड़ता है। इन्हीं समस्याओं में से एक है अचानक नाक से खून आना, जिसे मेडिकल भाषा में एपिस्टेक्सिस कहा जाता है।

खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। डॉक्टरों के अनुसार, गर्मियों में नाक के अंदर की नमी कम हो जाती है, जिससे अंदर की परत सूखकर कमजोर हो जाती है और खून बहने लगता है।

नाक के अंदर की त्वचा बहुत पतली और संवेदनशील होती है। इसमें छोटी-छोटी रक्त नलिकाएं होती हैं, जो सूखने पर जल्दी फट सकती हैं। गर्म हवा और कम ह्यूमिडिटी के कारण यह परत और ज्यादा ड्राई हो जाती है। जब कोई व्यक्ति जोर से नाक साफ करता है, छींकता है, तो ये नलिकाएं टूट सकती हैं और खून बहने लगता है। इसके अलावा, एलर्जी, साइनस की परेशानी, संक्रमण या किसी चोट के कारण भी यह समस्या हो सकती है।

कुछ लोगों में हाई ब्लड प्रेशर या खून को पतला करने वाली दवाइयों का असर भी नाक से खून आने की वजह बन सकता है।

जब अचानक नाक से खून आने लगे तो सही तरीके से प्राथमिक उपचार करें। सबसे पहले सीधे बैठ जाए और सिर को हल्का सा आगे की ओर झुकाएं। इससे खून बाहर निकलता है और गले में नहीं जाता। इसके बाद नाक के नरम हिस्से को अंगूठे से कुछ मिनटों तक दबाकर रखें। इस दौरान मुंह से सांस लेना बेहतर होता है। माथे या नाक पर ठंडी पट्टी या बर्फ रखने से भी खून की गति धीमी होती है और जल्दी रुकने में मदद मिलती है। आमतौर पर ये तरीके कुछ ही मिनटों में असर दिखा देते हैं।

अगर किसी को बार-बार नाक से खून आने की समस्या होती है, तो कुछ घरेलू सावधानियां अपनाकर इसे काफी हद तक रोका जा सकता है। नाक के अंदर हल्का सा नारियल तेल या पेट्रोलियम जेली लगाने से नमी बनी रहती है।

थायरॉइड की गड़बड़ी दिमाग पर डालती है असर, जानें कैसे बनती है डिप्रेशन और एंग्जायटी की वजह

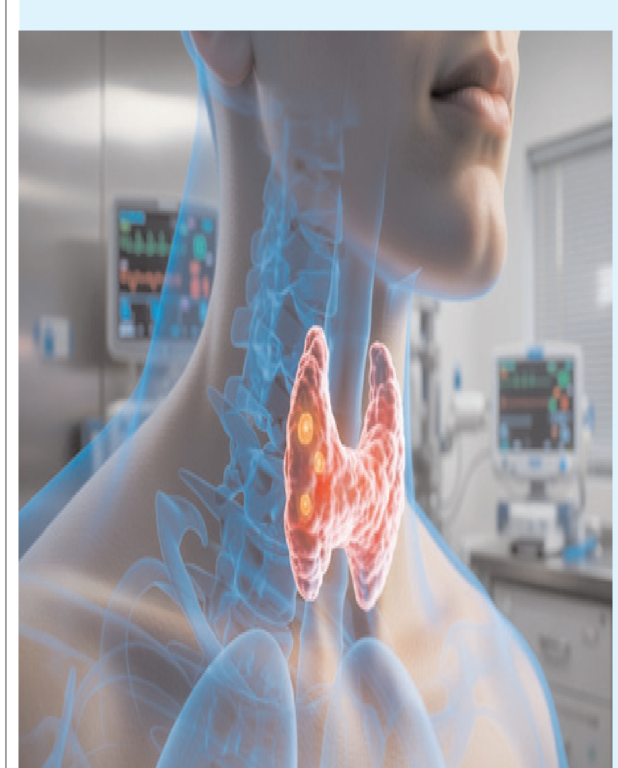

नई दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग अक्सर थकान, मूड स्विंग या चिंता को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार इसके पीछे वजह सिर्फ मानसिक तनाव नहीं, बल्कि शरीर के अंदर हो रही कोई हार्मोनल गड़बड़ी भी हो सकती है।

मेडिकल रिसर्च बताती है कि थायरॉइड ग्रंथि में असंतुलन वजन को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह सीधे हमारे दिमाग और भावनाओं पर भी असर डाल सकता है। यही कारण है कि कई लोग बिना वजह उदासी, घबराहट या ध्यान की कमी महसूस करते हैं, लेकिन असली कारण समझ नहीं पाते।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, थायरॉइड एक छोटी सी ग्रंथि होती है, जो गर्दन के सामने वाले हिस्से में स्थित होती है। यह ग्रंथि ऐसे हार्मोन बनाती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म, दिल की धड़कन, शरीर के तापमान और ऊर्जा के स्तर को नियंत्रित करते हैं। ये हार्मोन दिमाग के केमिकल बैलेंस को भी प्रभावित करते हैं, जिससे हमारी सोचने की क्षमता और भावनाएं संतुलित रहती हैं।

जब थायरॉइड सही तरीके से काम नहीं करता, तो इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगता है। अगर शरीर में थायरॉइड हार्मोन कम हो जाए, जिसे हाइपोथायरॉइडिज्म कहा जाता है, तो व्यक्ति को लगातार थकान, उदासी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। ऐसे लोगों को अक्सर काम करने का मन नहीं करता, सोचने की गति धीमी हो जाती है और याददाश्त पर भी असर पड़ सकता है।

डॉक्टरों का मानना है कि थायरॉइड हार्मोन सीधे तौर पर दिमाग में मौजूद केमिकल्स जैसे सेरोटोनिन और डोपामाइन को प्रभावित करते हैं। ये वही केमिकल्स हैं, जो हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। जब इनका संतुलन बिगड़ता है, तो व्यक्ति को बिना किसी स्पष्ट कारण के मानसिक परेशानी होने लगती है।

थायरॉइड की गड़बड़ी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार, ऑटोइम्यून बीमारियां जैसे हाशिमोटो और ग्रेव्स डिजीज इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

इसके अलावा, शरीर में आयोडीन की कमी या अधिकता, लगातार तनाव, हार्मोनल बदलाव, प्रेग्नेंसी या डिलीवरी के बाद होने वाले बदलाव भी इस समस्या को बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों के परिवार में पहले से थायरॉइड की समस्या रही हो, उनमें इसका खतरा ज्यादा होता है।

पाचन से लेकर दिल तक का रखें ख्याल, अंजीर में छिपे हैं कई चमत्कारी गुण

नई दिल्ली । आजकल लोग बेहतर स्वास्थ्य की चाह में विदेशी और महंगे फलों को प्राथमिकता दे रहे हैं, लेकिन इस होड़ में वे अपने आसपास उपलब्ध पारंपरिक फलों के गुणों को नजरअंदाज कर रहे हैं। 'अंजीर' एक ऐसा ही फल है, जिसे सदियों से स्वास्थ्यवर्धक माना गया है। आधुनिक विज्ञान भी इसकी पुष्टि करता है कि अंजीर में प्रचुर मात्रा में ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि पाचन तंत्र को भी सुदृढ़ करते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, अंजीर को 'मधुर' और 'शीतल' गुणों वाला फल माना जाता है। इसका नियमित सेवन शरीर में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यह खासतौर पर पाचन तंत्र के लिए लाभकारी होता है।

विज्ञान की मानें तो, अंजीर में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर पाए जाते हैं। यही फाइबर आंतों को साफ रखने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्या को दूर करता है। जब पाचन सही रहता है, तो शरीर में पोषक तत्वों का अवशोषण भी बेहतर होता है, जिससे सेहत में सुधार आता है। अंजीर हड्डियों के लिए भी फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। जिन लोगों को बोन डेंसिटी की समस्या होती है, उनके लिए अंजीर का सेवन फायदेमंद साबित हो सकता है।

एनर्जी के लिए भी अंजीर एक अच्छा विकल्प है। इसमें प्राकृतिक शुगर और आयरन पाया जाता है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा देने में मदद करता है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर बनाता है, जिससे थकान कम होती है और व्यक्ति दिनभर सक्रिय महसूस करता है। यही कारण है कि जिन लोगों को कमजोरी या एनीमिया की समस्या होती है, उन्हें सीमित मात्रा में अंजीर लेने की सलाह दी जाती है।

दिल की सेहत के लिए भी अंजीर को लाभकारी माना जाता है। इसमें पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद करते हैं। पोटेशियम शरीर में सोडियम के प्रभाव को कम करता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा घटता है। वहीं, एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करते हैं, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का जोखिम कम होता है। नियमित और संतुलित मात्रा में अंजीर का सेवन कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

आईपीएल 2026: रिजवी का तूफानी अर्धशतक, डीसी ने 6 विकेट से एलएसजी को हराया

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने बुधवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सीजन के पांचवें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। समीर रिजवी जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 47 गेंदों में 70 रन की नाबाद पारी खेली। बुधवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी एलएसजी 18.4 ओवरों में 141 रन पर सिमट गई। इस टीम को 19 के स्कोर पर कप्तान ऋषभ पंत (7) के रूप में झटका लगा। इसके बाद मिचेल मार्श ने एडेन मार्करम (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी की।

मार्श ने टीम के खाते में 35 रन का योगदान दिया। टीम ने 71 के स्कोर तक अपना पांचवां विकेट खो दिया था। यहां से अब्दुल समद ने मुकुल चौधरी के साथ 34 रन और शाहबाज अहमद के साथ 33 रन की साझेदारी करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

अब्दुल समद 25 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शाहबाज अहमद ने नाबाद 15 रन जुटाए। मुकुल ने टीम के खाते में 14 रन जोड़े। विपक्षी खेमे से लुंगी एनगिडी और टी नटराज ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि कुलदीप यादव ने 2 विकेट निकाले। 1 विकेट अक्षर पटेल के नाम रहा।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 17.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। डीसी को पहली ही गेंद पर केएल राहुल (0) के रूप में झटका लगा। इसके बाद टीम ने 26 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे। इस बीच पथुम निसांका 1 रन, नितीश राणा 15 रन और कप्तान अक्षर पटेल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए थे।

यहां से समीर रिजवी ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 76 गेंदों में 119 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 17 गेंदें शेष रहते जीत दिला दी।

रिजवी 47 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 70 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि स्टब्स ने 39 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से प्रिंस यादव ने 20 रन देकर 2 विकेट निकाले। मोहम्मद शमी और मोहसिन खान को 1-1 विकेट हाथ लगा।

आईपीएल में एक ही टीम के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले 5 खिलाड़ी, विराट कोहली शीर्ष पर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। मौजूदा समय में 19वां सीजन (आईपीएल 2026) खेला जा रहा है। पिछले 18 सीजन में ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो कई टीमों के लिए खेल चुके हैं, लेकिन हम आपको ऐसे 5 खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो आईपीएल में ज्यादातर सीजन या फिर पूरे आईपीएल करियर में सिर्फ 1 ही टीम के लिए खेले हैं।

विराट कोहली: विराट कोहली 2008 से ही आरसीबी का हिस्सा हैं। आईपीएल में किसी भी एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। 2026 में एसआरएच के खिलाफ खेले गए उद्घाटन मुकाबले तक कोहली आरसीबी के लिए कुल 268 मैच खेल चुके हैं।

एमएस धोनी: सीएसके के साथ एमएस धोनी 2008 से जुड़े हैं और 5 बार अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बना चुके हैं। 2016 और 2017 में सीएसके प्रतिबंधित थी।

इस वजह से धोनी राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की तरफ से खेले थे। इसके अलावा पिछले 18 सीजन में 16 सीजन धोनी सीएसके की तरफ से खेले हैं। आईपीएल 2025 तक धोनी ने सीएसके के लिए कुल 248 मैच खेले हैं और एक टीम के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

रोहित शर्मा: 2008 से 2010 तक डेक्कन चार्जेस का हिस्सा रहे रोहित शर्मा 2011 से मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं। रोहित आईपीएल 2026 में केकेआर के खिलाफ हुए मैच तक 228 मैच खेल चुके हैं। वह एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं।

सुनील नरेन: ऑफ स्पिनर सुनील नरेन 2012 से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़े हुए हैं। आईपीएल 2026 में एमआई के खिलाफ हुए मैच तक नरेन केकेआर के लिए 190 मैच खेल चुके हैं।

किरोन पोलार्ड: पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए 189 मैच खेले हैं। वह एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। पोलार्ड अब आईपीएल से संन्यास ले चुके हैं और एमआई के बल्लेबाजी कोच हैं।

आईपीएल 2026: ऋषभ पंत किस नंबर पर करेंगे बल्लेबाजी? हेड कोच जस्टिन लैंगर ने दिया जवाब

लखनऊ । आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) अपना पहला मुकाबला बुधवार को अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर क्रिकेट फैंस की नजरें रहेंगी।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच में ऋषभ पंत किस नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, इसको लेकर भी कयासों का दौर जारी है। टीम के हेड कोच जस्टिन लैंगर ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंत के बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोई खुलासा नहीं किया।

लैंगर ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यहां बैठकर आपको यह नहीं बताने वाला कि ऋषभ पंत कल कहां बैटिंग करेंगे। मैं आपके पूछने की तारीफ करता हूं, लेकिन अगर आप सीधा जवाब चाहते हैं, तो मैं आपको यह नहीं बता रहा कि वह कल कहां बैटिंग करेंगे। इससे दिल्ली कैपिटल्स को पंत के खिलाफ रणनीति बनाने का मौका मिल जाएगा। आप भी सब की तरह इंतजार करें।

हेड कोच ने कहा, 'ऋषभ पंत अपने श्रेष्ठ फॉर्म में हैं। वह मुस्कुरा रहे हैं, वह प्रतियोगी हैं, पंच मार रहे हैं और आक्रामक हैं। आप सबने पिछले साल आरसीबी के खिलाफ वह मैच देखा था, वह शानदार था। ऋषभ पंत किसी भी दूसरे भारतीय खिलाड़ी की तरह प्रतिस्पर्धा को समझते हैं।

उन पर दबाव है लेकिन यह उनके लिए अच्छा है। वह मजबूती से उभरेंगे। उनके आस-पास उन्हें सपोर्ट करने और उनसे बेस्ट निकलवाने के लिए बेहतर लोग हैं।

ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। आईपीएल 2025 की नीलामी में उन्हें एलएसजी ने 27 करोड़ में खरीदा था।

पंत के लिए पिछला सीजन कप्तान और खिलाड़ी के रूप में निराशाजनक रहा था। एलएसजी प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल नहीं रही थी। वहीं पंत ने बल्ले से भी निराश किया था।

40 साल का सूखा समाप्त, बोलीविया को हराकर इराक ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बनाई जगह

मोंटेरे । इराक ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफिकेशन का 40 साल पुराना इंतजार खत्म कर दिया है। इराक ने बुधवार को मोंटेरे स्टेडियम में खेले गए क्वालिफायर के आखिरी मैच में बोलीविया के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। बोलीविया के खिलाफ इराक ने मुकाबले के 10वें मिनट में ही 1-0 से बढ़त बना ली थी। ल्यूटन टाउन के स्ट्राइकर आमिर अल अम्मारी ने एक कॉर्नर से अल हमादी को गेंद दी, जिन्होंने अपने हेडर से गोलकीपर को छकाते हुए गोल कर दिया।

हालांकि, बोलीविया ने दबाव के आगे घुटने नहीं टेके और 38वें मिनट में जोरदार वापसी की। रामिरो वाका के डिफेंस को चीरते हुए पास के बाद मोइसेस पनियागुआ ने 12 गज की दूरी से एक जोरदार शॉट लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।

इराक के हुसैन ने 53वें मिनट में अपनी टीम की बढ़त फिर से कायम कर दी, उन्होंने अपनी दौड़ का समय एकदम सही रखा और मार्को फरजी के क्रॉस को आठ गज की दूरी से एक लो फर्स्ट-टाइम वॉली के साथ गोल में बदल दिया। बोलीविया ने मैच के तनावपूर्ण अंत में देर से गोल करने के लिए जोर लगाया, लेकिन इराक ने मजबूती से बचाव किया और वर्ल्ड कप में स्थान बना लिया।

इराक को वर्ल्ड कप के एक मुश्किल ग्रुप '1' में रखा गया है, जहां ग्रुप स्टेज में उसका मुकाबला वर्ल्ड कप 2022 के रनर-अप फ्रांस के साथ-साथ सेनेगल और नॉर्वे से होगा।

इससे पहले इराक ने आखिरी बार 1986 में यह मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट खेला था, जिसकी सह-मेजबानी मेक्सिको ने ही की थी। हालांकि, उस समय टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी और ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। अब 4 दशक के बाद इराक की टीम उसी जगह लौटकर अपनी पहली फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने के लिए 47 टीमों के साथ मुकाबला करेगी।

इराक के हेड कोच ग्राहम अर्नोल्ड ने मैच के बाद कहा, 'मुझे खिलाड़ियों का शुक्रिया अदा करना है। उनकी काम करने की लगन, उन्होंने असली इराकी मानसिकता दिखाई, लड़ने की और अपनी जान दांव पर लगाने की, इसीलिए हम यह मैच जीत पाए।'

दूसरी ओर, मैच हारने के बाद, बोलीविया के हेड कोच ऑस्कर विलेगास ने कहा, 'यह बहुत मुश्किल है। हम इस वर्ल्ड कप में शामिल होना चाहते थे। हमने इसके लिए बहुत मेहनत की थी। मुझे अपने खिलाड़ियों पर, उनकी हिम्मत पर, और जिस तरह से वे आखिर तक लड़े, उस पर गर्व है। मुझे अपने देश और लोगों की उम्मीदों के लिए सच में बहुत अफसोस है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान, ग्लेन मैक्सवेल और सैम कोंस्टास बाहर

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सत्र 2026-27 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट जारी कर दिया है। जेक वेदराल्ड ने कॉन्ट्रैक्ट में अपनी जगह बरकरार रखी है जबकि झे रिचर्डसन और ग्लेन मैक्सवेल बाहर हो गए हैं। एशेज में शानदार प्रदर्शन का इनाम माइकल नेसर को दिया गया है। उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है। नेसर के साथ ही ब्रेंडन डॉगेट और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को भी जगह दी गई है। वेदराल्ड ने एशेज में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करते हुए कुछ अच्छी पारियां खेली थी। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बनने के बाद तय माना जा रहा है कि उन्हें बतौर ओपनर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और मौके देने का मन बना चुकी है। वेदराल्ड ने घरेलू क्रिकेट में तस्मानिया के लिए खेलते हुए भी शानदार फॉर्म दिखाया है। झे रिचर्डसन के साथ ही संन्यास ले चुके उस्मान ख्वाजा, युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास, लांस मॉरिस, ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मैट शॉर्ट का कॉन्ट्रैक्ट समाप्त कर दिया गया है। रिचर्डसन को बाहर करना खास तौर पर दिलचस्प है क्योंकि उन्होंने कंधे की सर्जरी के लंबे रिहैब के बाद टेस्ट टीम में वापसी की और मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ खेले। हालांकि रिचर्डसन के साल के आखिर में खेलने की पूरी संभावना है। रिचर्डसन के वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया टीम के साथी मॉरिस का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया है। वे पिछले अगस्त से पीठ में एक और स्ट्रेस फ्रैक्चर और उसके बाद हुई सर्जरी की वजह से बाहर हैं। पिछले साल के बीच में वेस्टइंडीज दौरे के बाद टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद कोंस्टास के कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाया गया है। मैट रेनशॉ को भी जगह नहीं मिली है। मैक्सवेल अब सिर्फ एक ही फॉर्मेट खेलते हैं। ऐसे में उनका कॉन्ट्रैक्ट से बाहर होना तय था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, 'कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में आने वाले शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए समय के साथ प्रदर्शन करने वालों को जगह देकर संतुलन बनाने की कोशिश की गई है।

कप्तान अमेलिया केर के शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास, हासिल किया वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा लक्ष्य

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। कप्तान अमिलेया केर की विस्फोटक नाबाद शतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने महिला वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस मामले में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम का रिकॉर्ड तोड़ा।

बुधवार को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच वेलिंगटन में वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वॉल्वर्ड्ट के 69, एनेके बॉश के 91, और कोले ट्रायन के 25 गेंदों पर बनाए 52 रन की मदद से 6 विकेट पर 346 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड को जीत के लिए इतिहास रचना था, क्योंकि महिला वनडे क्रिकेट में इतना बड़ा लक्ष्य पहले कभी हासिल नहीं हुआ था। न्यूजीलैंड ने कप्तान अमेलिया केर की शतकीय पारी के दम पर इतिहास रचा और 2 विकेट से ऐतिहासिक जीत हासिल की।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरी अमेलिया 139 गेंद पर 23 चौकों और 1 छक्के की मदद से 179 रन बनाकर नाबाद रहीं। केर के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज इजी गेज ने 48 गेंदों पर 68 रनों की पारी खेली। केर और गेज के बीच 5वें विकेट के लिए 120 रन की अहम साझेदारी हुई।

मैच में एक समय ऐसा भी था जब न्यूजीलैंड को आखिरी 72 गेंदों में 97 रन की जरूरत थी। टीम के पास 5 विकेट होते हुए भी लक्ष्य पाना मुश्किल था, लेकिन अमेलिया ने छठे विकेट के लिए इजी शार्प (11 रन) के साथ 40 और जेस केर (14 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर टीम की जीत को सुनिश्चित किया। न्यूजीलैंड ने 49.4 ओवर में 8 विकेट पर 350 रन बनाकर मैच 2 विकेट से जीता। अमेलिया केर प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

महिला क्रिकेट में इससे पहले सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम था। वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 339 रन का लक्ष्य दिया था। भारतीय टीम ने 48.3 ओवर में 5 विकेट पर 341 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता था।

भारतीय टीम जुलाई में जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी

नई दिल्ली । जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को बताया कि टी20 विश्व कप 2026 चैंपियन भारतीय क्रिकेट टीम जुलाई में तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। मैच 23, 25, और 26 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे शुरू होंगे।

इंडिया आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के बाद जिम्बाब्वे पहुंचेगा। जिम्बाब्वे टी20 विश्व कप 2026 में किए अपने बेहतरीन प्रदर्शन को इस सीरीज के दौरान जारी रखना चाहेगी।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने कहा, 'भारत के खिलाफ मैच हमेशा बहुत उत्साह पैदा करते हैं, और यह हमारे खिलाड़ियों के लिए विश्व चैंपियन के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खुद को टेस्ट करने का एक शानदार मौका है।

उन्होंने कहा, 'आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में हमारे शानदार प्रदर्शन के बाद, यह सीरीज हमें मोमेंटम बनाने और इंटरनेशनल क्रिकेट में एक प्रतिस्पर्धी ताकत के तौर पर आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म देती है।

माकोनी ने जिम्बाब्वे के लंबे समय के बाद द्विपक्षीय सीरीज के लिए इंडिया टूर पर वापस आने पर खुशी जताई। जिम्बाब्वे के लिए दो दशक से ज्यादा समय के बाद द्विपक्षीय वनडे सीरीज के लिए फिर से इंडिया टूर पर आना एक लैंडमार्क मोमेंट है। भारत दुनिया के क्रिकेट के सबसे अच्छे डेस्टिनेशन में से एक है, और यह टूर हमारे खिलाड़ियों के लिए सम्मान का मौका है।

उन्होंने आगे कहा, 'हम कॉम्पिटिटिव और हाई-क्वालिटी क्रिकेट का इंतजार कर रहे हैं, और हमें विश्वास है कि दोनों क्रिकेट खेलने वाले देशों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे।

बीसीसीआई ने पहले अनाउंस किया था कि जिम्बाब्वे जनवरी 2027 में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत आएगी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415